॥ ॐ ॥

SUNDAY | पार्थ चटर्जी और अन्य के परिसरों पर छापे 4 | ममता के आरोपों पर भाजपा का पलटवार 9 | श्रेयश अय्यर का धमाल 10

दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.25 | सूर्यास्त 5.53 | अधिकतम 34° | न्यूनतम 24°

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

वर्ष 18, अंक 295 पृष्ठ 12
कोलकाता, रविवार, 12 अप्रैल , 2026
वैशाख, कृष्ण पक्ष, दशमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

भरोसा शपथ

भाजपा के प्रमुख संकल्प

- घुसपैठ रोकने के लिए सरकार के गठन के 45 दिनों के भीतर भारत-बांग्लादेश सीमा पर जमीन अधिग्रहण समस्या का समाधान किया जाएगा।
- सभी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए DA सुनिश्चित किया जाएगा तथा 7वां वेतन आयोग लागू किया जाएगा।
- समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) लागू की जाएगी। धार्मिक आस्था और पूजा पद्धति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए क़ानून बनाया जाएगा।
- टीएमसी के 15 वर्षों के भ्रष्टाचार और क़ानून व्यवस्था के पतन को उजागर करने हेतु श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। सिंडिकेटराज व कटमनी पर रोक लगायी जाएगी।
- महिलाओं को प्रति माह ₹3,000 की वित्तीय सहायता मिलेगी। महिला सशक्तिकरण हेतु 75 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया जाएगा एवं सरकारी नौकरियों में 33% आरक्षण दिया जाएगा।
- राज्य में महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सुनिश्चित की जाएगी।
- बालिकाओं को ग्रेजुएशन के लिए ₹50,000 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।
- गर्भवती महिलाओं को ₹21,000 की आर्थिक सहायता तथा 6 पोषण किट प्रदान की जाएगी।
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस बटालियन, दुर्गा स्क्वाड बनाया जाएगा। राज्य रिज़र्व पुलिस बल में दो महिला बटालियन स्थापित की जाएँगी।
- सिंगूर में इंडस्ट्रियल पार्क बनाया जाएगा एवं हल्दिया पोर्ट ब्लू इकॉनमी की रीढ़ बनेगा, सुंदरबन से दार्जिलिंग तक एक सीधा राष्ट्रीय राजमार्ग बनाया जाएगा।
- माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से लिए गए ऋणों को चुकाने में असमर्थ लोगों को ₹1 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- पांच वर्षों में 1 करोड़ नए रोज़गार उपलब्ध कराए जाएँगे, दिसंबर 2026 तक सभी रिक्त सरकारी पदों को भरा जाएगा एवं युवाओं को प्रति माह ₹3,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- 5 लाख युवाओं को स्टार्ट-अप के लिए ₹10 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- राज्य के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रति वर्ष ₹9,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। धान, आलू और आम की खेती के लिए सहयोग एवं धान का MSP बढ़ाकर ₹3,100 किया जाएगा।
- राज्य के प्रत्येक मछुआरे को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पंजीकृत किया जाएगा और राज्य को मछली निर्यात का एक प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा।
- आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति वर्ष ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध होगा।
- धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य में शक्तिपीठ सर्किट और श्री चैतन्य महाप्रभु सर्किट का निर्माण किया जाएगा।
- वन्दे मातरम् संग्रहालय की स्थापना की जाएगी। कोलकाता को यूनेस्को लिविंग हेरिटेज सिटी का दर्जा दिया जाएगा।
- उत्तर बंगाल में एम्स, आईआईटी और आईआईएम की स्थापना की जाएगी। पुराने चाय बागानों के पुनर्जीवन के लिए पुनर्रोपण कार्यक्रम चलाये जाएँगे।
- कुर्माली और राजबोंगशी भाषाओं को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा।

भरोसा शपथ के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

भय OUT भरोसा IN | BJP के वोट दीन

Published By: भारतीय जनता पार्टी, पश्चिम बंगाल

उत्तर बंगाल के जंगली क्षेत्र में सेंट्रल फोर्स के साथ वनकर्मी भी करेंगे चुनावी ड्यूटी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में मतदान सिर्फ लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि खतरे के बीच साहस की परीक्षा बन जाता है. कई बूथ ऐसे इलाकों में स्थित हैं, जहां चारों ओर घने जंगल हैं और जंगली जानवरों का लगातार खतरा बना रहता है. कर्सियांग और महानंदा वन्यजीव अभयारण्य के वन क्षेत्रों से घिरे इन इलाकों में हाथियों के झुंड, तेंदुए, जंगली सूअर और विषैले सांपों की मौजूदगी आम बात है. इसके बावजूद मतदाताओं को मतदान के लिए इन खतरनाक रास्तों से गुजरना पड़ता है. स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है. मतदान से एक दिन पहले रात से ही जंगल से सटे सभी मतदान केंद्रों और गांवों में वनकर्मियों की निगरानी शुरू हो जाएगी. 24 घंटे के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल तैयार रखा जाएगा, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करेगा. वन विभाग ने संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को भी

जानवरों के हमले रोकने के लिए विशेष इंतजाम

सतर्क कर दिया है, ताकि यदि किसी भी गांव या मतदान केंद्र के आसपास जंगली जानवरों की गतिविधि दिखे, तो तुरंत सूचना दी जा सके. जंगली जानवरों को दूर रखने के लिए आवश्यक संसाधन भी पहले ही उपलब्ध करा दिए गए हैं. कुछ संवेदनशील मतदान केंद्रों पर वनकर्मियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की भी तैनाती की जाएगी. वन विभाग के अधिकारी राहुलदेव मुखोपाध्याय ने बताया कि जंगल में जंगली जानवरों की मौजूदगी स्वाभाविक है और उन्हें हटाया नहीं जा सकता. इसलिए कोशिश की जाएगी कि मतदान के दिन उन्हें घने जंगल के भीतर ही सीमित रखा जाए. उन्होंने कहा कि गश्ती वाहन, नियंत्रण कक्ष और विशेष टीमों के जरिए पूरी निगरानी की जाएगी, ताकि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके. गौरतलब है कि 23 अप्रैल को उत्तर बंगाल समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में पहले चरण का मतदान होना है. ऐसे में नक्सलबाड़ी, बागडोगरा और सुकना जैसे इलाकों में वन विभाग ने 'हाई अलर्ट' जारी किया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके. बेंगडुबी, तिरिहाना, अड़द-तराई, किरणचंद्र, बेलगाछी, लोहागढ़ और बामनडांगी जैसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है, ताकि कोई भी जंगली जानवर जंगल से बाहर न आ सके और मतदाता सुरक्षित रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें.

संविधान बचाने के लिए बंगाल को बचाना जरूरी : सायोनी घोष

कोलकाताः पश्चिम बर्दवान जिले के जामुड़िया में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस की सांसद और अभिनेत्री ने सायोनी घोष ने तृणमूल पार्टी प्रत्याशी हरेराम सिंह के समर्थन में चुनावी प्रचार किया. इस दौरान उन्होंने जामुड़िया ब्लॉक-2 के चिचुड़िया दलदली मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्हें देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी. सभा से पहले सायोनी घोष ने चिचुड़िया सुभाष समिति क्लब में नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और मंदिर में पूजा-अर्चना भी की. जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पिछले 15 वर्षों में राज्य में उल्लेखनीय विकास कार्य किए हैं और जनता से अपील की कि उनके नेतृत्व में चौथी बार सरकार बनाई जाए. उन्होंने 2021 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि जामुड़िया में 44 वर्षों तक वाम दलों का दबदबा रहा, जिसे हरेराम सिंह ने तोड़ दिया. सायोनी घोष ने हरेराम सिंह को एक किंवदंती बताते हुए विश्वास जताया कि इस बार भी वे जीत दर्ज करेंगे. उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सभी धर्म और वर्ग के लोगों की पार्टी है और भारत के संविधान को बचाने के लिए बंगाल को बचाना जरूरी है, जो केवल ममता बनर्जी ही कर सकती हैं. एसआईआर से 91 लाख नाम हटाने के मुद्दे पर उन्होंने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि हटाए गए नामों में 63 प्रतिशत हिंदू हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि यदि भाजपा हिंदुओं के हित की बात करती है तो फिर ऐसा क्यों हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चाहती है कि बंगाल के लोग उनके सामने सिर झुकाएं, लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऐसा कभी नहीं होगा. उन्होंने वामपंथी शासन के 34 वर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह से वाम दलों ने दमन किया था, उसी तरह ममता बनर्जी ने उन्हें सत्ता से हटाया और भाजपा उनके सामने कुछ भी नहीं है. उन्होंने कहा कि सरकार का काम जनता के हितों की रक्षा करना है, न कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति कर समाज में विभाजन पैदा करना. सायनी घोष ने भाजपा और पर निशाना साधते हुए कहा कि वे ब्रिटिश शासन की तरह देश चलाना चाहते हैं, लेकिन बंगाल की जनता उन्हें भी बाहर का रास्ता दिखाएगी. उन्होंने भाजपा के वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कोई नेता तीन हजार रुपये देने की बात करता है तो पहले डेढ़ हजार रुपये अग्रिम दे. उन्होंने भाजपा को जुमला सरकार बताते हुए कहा कि 15 लाख रुपये खाते में देने का वादा आज तक पूरा नहीं हुआ. सायनी घोष ने दावा किया कि ममता बनर्जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी और यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो वे देश की प्रधानमंत्री भी बन सकती हैं. उन्होंने जामुड़िया की जनता से अपील की कि वे दूसरी बार हरेराम सिंह को विधायक बनाकर क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाएं.

सत्ता के खिलाफ रुझान का अंडर करेंट बढ़ा सकता है ममता की मुश्किलें

कोलकाताः सत्ता के खिलाफ रूझान (एंटी एंकम्बैसी) का अंडर करेंट विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ा सकता है. 2021 की चुनाव बाद हिंसा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के उग्र व्यवहार के डर से लोग खुलकर कुछ भी बोलने से भले ही कतरा रहे हों, लेकिन व्यक्तिगत बातचीत में पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने की जरूरत पर बल भी दे रहे हैं. मीडिया के कैमरों की चमक और चुनावी सर्वे से दूर ये साइलेंट वोटर पश्चिम बंगाल का चुनाव परिणाम किसी भी दिशा में बदल सकते हैं. तृणमूल कांग्रेस के दबदबे के असर वाले कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में साफ देखा जा सकता है, जहां हर घर के बाहर तृणमूल कांग्रेस का झंडा लगा हुआ है. लेकिन इस बारे में पूछने पर यहां के लोग कहते हैं कि झंडे पर मत जाइए, 2021 के विधानसभा चुनाव में भी इस इलाके में भाजपा को अच्छे-खासे मत मिले थे. बिधाननगर विधानसभा सीट, जिसमें साल्टलेक पड़ता है, से तृणमूल कांग्रेस आठ हजार वोट से जितने में सफल रही थी. लोगों की माने तो इस बार मुकाबला ज्यादा नजदीकी होगा, नतीजा कुछ भी सकता है. साल्ट लेक जैसी स्थिति कोलकाता के हर इलाके में देखी जा सकती है. भाजपा ने तृणमूल के भय की जगह आम जनता के भरोसे जीतने का नारा दिया है. लेकिन चुनाव आयोग द्वारा 500 से अधिक अधिकारियों के ट्रांसफर और बड़े पैमाने पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती के

बावजूद आम जनता मे यह भरोसा कायम करने में पूरी तरह से सफल नहीं रही है. लोगों के मन में तृणमूल कांग्रेस के जीतने की स्थिति में 2021 की तरह चुनाव बाद हिंसा का डर बरकरार है. 2021 की तुलना में सत्ता विरोधी रूझान की एक मुख्य वजह भ्रष्टाचार के बड़े मामले हैं. 2021 तक तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट की कटमनी के अलावा ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई संगीन आरोप नहीं था. शारदा चिटफट घोटाले के आरोप पूरी तरह से ममता बनर्जी पर चिपक नहीं पाए थे. लेकिन इस बार शिक्षकों भर्ती और कोयला चोरी जैसे घोटाले के आरोप से ममता सरकार पूरी तरह से घिरी हुई हैं. ममता के मंत्री पार्थो चटर्जी के ठिकाने से 50 करोड़ रुपये नकद और 10 किलो सोने की बरादमगी की तस्वीरें सबने देखी है. पार्थो चटर्जी के यहां शनिवार को ईडी के छापे में इन यादों को फिर से ताजा कर दिया है. 26 हजार शिक्षकों की भर्ती को सुप्रीम कोर्ट तक से रद किये जाने का मामला पूरी तरह से सुलझा नहीं है. भ्रष्टाचार के आरोपों के पीछे केंद्रीय एजेंसियों के दुरूपयोग के ममता बनर्जी के आरोप को आम लोग पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर रहे हैं. वहीं बांग्लादेशी घुसपैठियों का जोर पकड़ता मुद्दा इस बार ममता बनर्जी के लिए बंगाली अस्मिता की रक्षा और मुस्लिम वोटबैंक को एक साथ संभालना मुश्किल हो रहा है. चुनाव आयोग के एसआइआर ने इस मुद्दे को आम लोगों के विमर्श में ला दिया है. भाजपा के बाहरी होने के आरोपों और बंगाली खान-पान प्रतिबंध लगाने के भय दिखाकर ममता बनर्जी बंगाली अस्मिता का कार्ड खेलने की कोशिश कर रही हैं. लेकिन भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों को मां, माटी और मानुस के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे को सबसे बड़ा चुनाव मुद्दा बनाया है. इसी तरह से विकास, रोजगार और कानून-व्यवस्था (खास कर महिला सुरक्षा) को लेकर भी ममता बनर्जी की सरकार के प्रदर्शन को लेकर भी लोगों में असंतोष साफ देखने को मिल सकता है.

बंगाल की तृणमूल सरकार आलू किसानों के लिए बाजार पहुंच सीमित कर रही है : प्रधान

कोलकाताः केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए उसपर पड़ोसी राज्यों में राज्य के आलू किसानों की बाजार पहुंच को प्रतिबंधित करने का आरोप लगाया. प्रधान ने राज्य में एक चुनावी जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अहंकार के कारण, पश्चिम बंगाल में आलू किसान अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने पड़ोसी राज्यों के बाजारों तक पहुंच को प्रतिबंधित करके उनकी आजीविका को नुकसान पहुंचाया है. प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल के ओंडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने आलू किसानों के वास्तविक दर्द को उजागर किया है. उन्होंने कहा कि ओडिशा और झारखंड जैसे पड़ोसी राज्यों के बाजार उनके लिए प्रभावी रूप से बंद हो गए हैं.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

दिनमान तापमान

सूर्योदय 5.25 | सूर्यास्त 5.53 | अधिकतम 34° | न्यूनतम 24°

वर्ष 18,अंक 295 पृष्ठ 12
कोलकाता, रविवार, 12 अप्रैल , 2026
वैशाख, कृष्ण पक्ष,दशमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

बिहार में सत्ता परिवर्तन तय, 14 अप्रैल को नीतीश का इस्तीफा, 15 को बनेगी नई सरकार

पटना : बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव अब तय माना जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 अप्रैल को अपने पद से इस्तीफा देंगे और 15 अप्रैल को नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी. इसको लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं. सूत्रों के मुताबिक, इस्तीफा देने से पहले नीतीश कुमार अपनी अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की आखिरी बैठक करेंगे. यह बैठक पहले भी दो बार टल चुकी है, लेकिन अब इसे अंतिम रूप से आयोजित किए जाने की तैयारी है. इस बैठक में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं. 14 अप्रैल को बाबा साहब बी. आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री अपना इस्तीफा सौंपेंगे. इसी दिन खरमास भी समाप्त हो रहा है, जिसे नए कार्यों की शुरुआत के लिए शुभ माना जाता है. शनिवार को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और लखेंद्र रौशन ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी. इसी बैठक के बाद इस्तीफे और नई सरकार के गठन को लेकर अटकलें तेज हो गईं. नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह इस बार गांधी मैदान के बजाय लोकभवन में आयोजित किया जाएगा. पिछली बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी सरकार का शपथ ग्रहण गांधी मैदान में हुआ था, जिसमें कई बड़े राष्ट्रीय नेता शामिल हुए थे.

बंगाल में 1 दिन में पीएम मोदी की 3 सभाएं, उमड़ी भीड़, कहा

बंगाल में घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है टीएमसी

- अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल बर्दाश्त नहीं
- बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे
- लेफ्ट के सारे गुंडे अब आ गए हैं टीएमसी में
- पीएम ने महिलाओं को लुभाने की कोशिश की

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए 'संकल्प पत्र' लांच करने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताबड़तोड़ तीन जनसभाएं की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटवा, जंगीपुर और फिर दक्षिण दिनाजपुर में सभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर तीखे हमले किए. पीएम मोदी ने 2021 के चुनावों में ममता बनर्जी के हिट रहे शब्द 'खेला' का भी जिक्र किया. पीएम मोदी ने कटवा में कहा कि बर्धमान में हजारों-हजार लोगों का ये रैला, बंगाल में खेला करने वाला है. ये दृश्य 4 मई के नतीजे का ट्रेलर है. पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी के 15 साल के राज ने बंगाल के हर नागरिक, हर परिवार को सिर्फ और सिर्फ भय दिया है. ये चुनाव इसी भय को मिटाने का चुनाव है. टीएमसी के भय से मुक्त और भाजपा के भरोसे से युक्त बंगाल. हमें बनाकर रहना है. जंगीपुर में पीएम ने कहा कि टीएमसी अब बंगाल में घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है. बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा. हम पश्चिम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे.

मोदी ने जगह के हिसाब से उठाए मुद्दे: पीएम मोदी ने बंगाल में अपनी चुनावी सभाओं का आगाज बीजेपी बंगाल संकल्प पत्र के वादे के साथ किया किया. कटुआ में बंगाल को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने संकल्प को बताते हुए कि मैंने जो आपको 6 गारंटियां दी हैं, उन्हें लागू करने का रोडमैप है. इसका पूरा खाका घोषणापत्र में हैं. पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि 9,000 रुपये (6,000 केंद्र और 3,000 बंगाल) मिलेंगे. पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी पैनिक में है. इसलिए वह भ्रम फैला रही है लेकिन भाजपा कुछ भी बंद नहीं करेगी. भाजपा सिर्फ भ्रष्टाचार की दुकान बंद करेगी, इनकी (टीएमसी) लूट बंद करेगी. पीएम मोदी ने महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये भी जिक्र किया. पीएम मोदी ने कादुआ की सभा में कहा कि सभी स्थायी सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग का पूरा लाभ मिलकर रहेगा.

आज सिलिगुड़ी में पीएम मोदी की विराट जनसभा

कोलकाता: बंगाल चुनाव में भाजपा एक तरह से कारपेट बंबिंग करने वाली है. रविवार को सिलिगुड़ी के कावाखाली मैदान पीएम मोदी की विराट जनसभा होगी. वे एक रोड शो भी करेंगे. पार्टी की ओर से बताया गया है कि स्टार कैंपेनर कुल कितनी रैलियां करेंगे. बंगाल में पीएम नरेंद्र मोदी कुल 11 और गृह मंत्री अमित शाह 30 रैलियां करेंगे. भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन 10, राजनाथ सिंह 6, नितिन गडकरी 2, योगी आदित्यनाथ की 11 रैलियां होंगी. इसी तरह बांग्ला भाषा पर अच्छी पकड़ वाली श्रीमती स्मृति ईरानी 13, माणिक साहा 9, डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा 8, बिप्लब कुमार देब 8, सुश्री कंगना रनौत 7, जे.पी. नड्डा 6, मोहन चरण माझी 6, श्रीमती रेखा गुप्ता 5, बाबूलाल मरांडी/अर्जुन मुंडा की 4 रैलियां होंगी. श्रीमती हेमा मालिनी 3 रैलियों को संबोधित करेंगी.

बांकुड़ा में गरजे अमित शाह, दिया नारा

ममता सरकार हटाओ, सिंडिकेट राज मिटाओ

बांकुड़ा: शनिवार को बांकुड़ा में गृहमंत्री अमित शाह ने चुनावी सभा की. उन्होंने कहा कि आप सभी बिना डर के भाजपा को वोट करें. चार मई से सिंडिकेट राज खत्म होने वाला है. 23 अप्रैल को कमल के निशान पर बटन दबाइए और भाजपा की सरकार बनाइए. पूरे पश्चिम बंगाल से ममता दीदी के सिंडिकेट को समाप्त कर देंगे. उन्होंने कहा कि यहां सीमेंट लेने जाओ तो सिंडिकेट, पत्थर लेना हो तो सिंडिकेट, ईंट और बालू लेना हो तो भी सिंडिकेट. आपको इस सिंडिकेट राज को खत्म करना है. यह ममता और उनके भतीजे की खून चूसने वाली सरकार है. पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही इस सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांकुड़ा के ओंडा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अमरनाथ शाखा और विष्णुपुर विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी शुक्ला चटर्जी समेत अन्य उम्मीदवारों के समर्थन में रामसागर मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. गृह मंत्री के आने से पहले ही रामसागर स्कूल मैदान खचाखच भर चुका था. शाह ने अपने संबोधन में बांकुड़ा की कलाकृतियों और विष्णुपुर घराने की ध्रुपद कला का उल्लेख करते हुए इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को भी रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही विष्णुपुर की विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प कला से बनने वाली बालूचरी साड़ियों और पंचमूड़ा के कुम्हारों के उत्पादों पर जीआई टैग से संबंधित कर समाप्त कर दिया जाएगा. केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल के युवा रोजगार के अभाव में पलायन को मजबूर हैं. किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है. जिस आलू की कीमत 20 रुपये प्रति किलो मिलनी चाहिए, वह नहीं मिल पा रही है, जिससे किसान उसे सड़क पर फेंकने को मजबूर हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही बंगाल का आलू ओडिशा, झारखंड और बिहार तक बेचा जा सकेगा, जिससे किसानों को उचित कीमत मिलेगी. साथ ही विष्णुपुर में आलू के बीज उत्पादन की इंडस्ट्री लगाने का भी वादा किया. इससे किसानों को पंजाब से बीज मंगाने की मजबूरी खत्म होगी. शाह ने कहा कि प्रदेश में चार इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाए जाएंगे, जिनमें एक विष्णुपुर में स्थापित होगा.

बंगाल चुनाव : शीतलकूची की घटना से सबक, केंद्रीय सुरक्षा बलों के लिए मंगाई गईं 75 हजार लाठियां

कोलकाता : बंगाल विधानसभा चुनाव में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने एक अभूतपूर्व रणनीति अपनाई है. 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर बंगाल के शीतलकूची में हुई हिंसक घटना और गोलीबारी से सबक लेते हुए, इस बार आयोग सुरक्षा बलों को आधुनिक हथियारों के बजाय 'लाठियों' से लैस करने पर अधिक ध्यान दे रहा है. सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय बलों के जवानों के लिए विशेष रूप से 75,000 लाठियों की व्यवस्था की जा रही है.

हथियार कंधे पर, हाथ में होगी लाठी: यद्यपि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के पास अत्याधुनिक स्वचालित हथियार होते हैं, लेकिन भीड़ नियंत्रण और उत्तेजक स्थितियों में गोलीबारी की नौबत न आए, इसके लिए लाठी को प्राथमिक बचाव उपकरण के रूप में देखा जा रहा है. आयोग का मानना है कि अशांति फैलने की स्थिति में लाठी का उपयोग अधिक प्रभावी और कम घातक होता है. विशेष रूप से बीएसएफ और एसएसबी जैसे बलों के लिए ये लाठियां मंगाई जा रही हैं, क्योंकि सीमा सुरक्षा में तैनात इन जवानों को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठी चलाने का वैसा अभ्यास नहीं होता जैसा पुलिस या सीआरपीएफ को होता है. अब इन जवानों को लाठी चलाने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा.

लाइव निगरानी और बाडी कैमरा: चुनाव आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए करीब 750 कैमरों के 'लाइव फीड' की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम में 200 माइक्रो-आब्जर्वर तैनात किए हैं. सुरक्षा बलों के जवानों के लिए 'बाडी कैम' की योजना भी बनाई गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में यह स्पष्ट हो सके कि जवान को किस परिस्थिति में क्या कदम उठाना पड़ा. राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों के बीच, चुनाव आयोग का यह 'नपा-तुला' कदम बंगाल में निष्पक्ष चुनाव कराने की दिशा में एक बड़ी कवायद माना जा रहा है.

बीजेपी व चुनाव आयोग ने की मेरी उम्मीदवारी रद्द करने की कोशिश : सीएम ममता

भाजपा के यूसीसी लागू करने के वादे का भी किया विरोध

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में बीजेपी और टीएमसी में आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है. सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को एक बार फिर बीजेपी पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बीजेपी ने झूठे मामले दर्ज करवाकर और चुनाव आयोग की मदद से भवानीपुर सीट से उनकी उम्मीदवारी रद्द करवाने की कोशिश की. उन्होंने दावा किया कि उनके पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता ने इस कदम को नाकाम कर दिया.

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियरी में सीएम ममता बनर्जी ने एक रैली को संबोधित किया. उन्होंने रैली में कहा कि बीजेपी ने चुनाव आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे केस दर्ज करवाकर भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी को रद्द करने की कोशिश की, लेकिन हमने उनकी इस साजिश को नाकाम कर दिया. उन्होंने एक बार फिर बीजेपी पर एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में हेरफेर करने का आरोप लगाया. एसआईआर की वजह से 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई. बंगाल में वोटर लिस्ट से हटाए गए 90 लाख वोटरों में से 60 लाख हिंदू और 30

लाख मुसलमान हैं. सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि वोटर्स के नाम हटाना, चुनाव नतीजों को प्रभावित करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा थी. उन्होंने पहचान और नागरिकता को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि चूंकि हम बंगाली बोलते हैं, तो क्या हम भारतीय नहीं हैं? क्या हमें लगातार अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत है? वे मतदाताओं के नाम हटा रहे हैं. वे नतीजों को अपने पक्ष में करने के लिए ईवीएम से छेड़छाड़ करने की भी योजना बना रहे हैं. मुख्यमंत्री ने बीजेपी के उस वादे की भी आलोचना की, जिसमें सत्ता में आने पर राज्य में 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (यूसीसी) लागू करने की बात कही गई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा कदम 'पिछड़े समुदायों के खिलाफ' होगा और इसका मकसद लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करना होगा. ममता बनर्जी ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में यूसीसी लागू करने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगी.

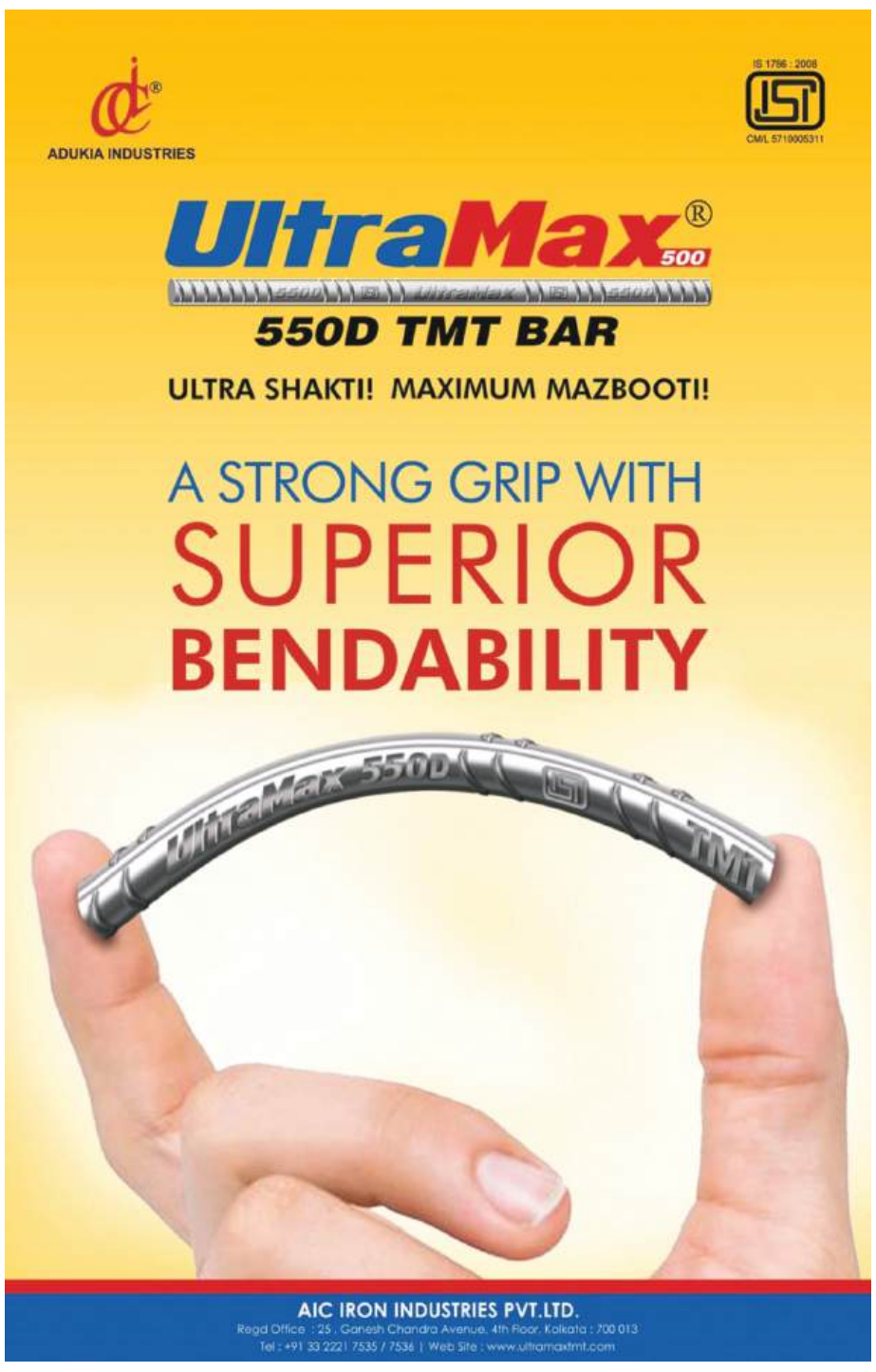

वयोवृद्ध उद्यमी एवं समाजसेवी सरदार मल कांकरिया का निधन

शिक्षा, चिकित्सा और उद्योग जगत में शोक की लहर

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: महानगर के प्रतिष्ठित वयोवृद्ध उद्यमी एवं प्रख्यात समाजसेवी सरदार मल कांकरिया का निधन हो गया. शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है.

उनके निधन से व्यापारिक जगत एवं सामाजिक क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है. वे अपने पीछे सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं.

सरदार मल कांकरिया ने अपने व्यावसायिक जीवन में ईमानदारी, दूरदर्शिता और कर्मनिष्ठा का परिचय देते हुए उल्लेखनीय सफलता अर्जित की. उन्होंने न केवल व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का भी सदैव निर्वहन किया. वे अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहे और समय-समय पर उदारतापूर्वक सहयोग प्रदान करते रहे.

गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा के प्रसार तथा स्वास्थ्य सेवाओं में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा. वे सदैव सेवा को सर्वोपरि मानते थे और इसी भावना के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे.

उनके निधन को समाज की अपूरणीय क्षति बताते हुए अनेक प्रमुख संस्थाओं एवं संगठनों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

शहर की विभिन्न संस्थाओं-जैन श्वेतांबर स्थानकवासी सभा, बड़ाबाजार व्यापारी संघ, श्री जैन विद्यालय, सुकियस लेन, श्री जैन विद्यालय फॉर गर्ल्स एवं बौयेज, हावड़ा , श्री जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, हावड़ा, श्री जैन कॉलेज, काशीपुर के प्रतिष्ठाता और संचालक श्री कांकरिया प्रचार-प्रसार की आभा से दूर रहकर निष्काम सेवाव्रती थे.

विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने कहा कि सरदार मल कांकरिया ने समाज को एकजुट करने, सेवा भाव को बढ़ावा देने एवं युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका सरल स्वभाव, विनम्र व्यवहार एवं सेवा के प्रति समर्पण उन्हें विशेष बनाता था. सरदार मल कांकरिया का जीवन सेवा, सद्भाव और सामाजिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा. उनका निधन न केवल कोलकाता, बल्कि समूचे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उनकी स्मृतियां एवं उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव समाज को प्रेरित करते रहेंगे.

युवाशक्ति परिवार अपने अनन्य सहयोगी, मार्गदर्शक और शुभेच्छु श्री कांकरिया के प्रति शोक ज्ञापित करते हुए उनके परिवारजनों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता है.

ममता दीदी के भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और गुंडाराज को विदा करने का मन बना चुकी है जनता: रेखा गुप्ता

कोलकाताः दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के रानीगंज और गलसी विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया. उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब 'ममता दीदी' के भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और गुंडाराज को विदा करने का मन बना चुकी है. रानीगंज और गलसी की जनसभाओं में उमड़े जनसैलाब ने यह साफ संदेश दिया है. मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस बंगाल ने देश को राष्ट्रगान और वन्दे मातरम् दिया, आज उसे 'कटमनी' और 'सिंडिकेट' के हवाले कर दिया गया है. यह लड़ाई केवल चुनाव जीतने की नहीं है बल्कि यह बंगाल की खोई हुई गरिमा को बहाल करने और 'सोनार बांग्ला' के संकल्प को सिद्ध करने का धर्मयुद्ध है. उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की लड़ाई है. उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व की वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि योग्य युवाओं को रोजगार के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि भ्रष्ट तंत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है. ममता बनर्जी की सरकार ने 'माँ, माटी, मानुष' का नारा दिया था, लेकिन आज बंगाल में न मां सुरक्षित है, न माटी माफियाओं से मुक्त है और न ही मानुष को उसका अधिकार मिल रहा है. मुख्यमंत्री ने रानीगंज क्षेत्र में कोयला खदानों पर माफिया के वर्चस्व का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मेहनतकश मजदूरों की कमाई पर कब्जा करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आवश्यक है. वहीं, गलसी विधानसभा में उन्होंने विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने का रोडमैप प्रस्तुत किया और कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हर क्षेत्र में संतुलित और तेज विकास सुनिश्चित किया जाएगा. रानीगंज में मुख्यमंत्री ने स्थानीय महिलाओं के साथ संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को जाना. अखिल महिला मारवाड़ी समाज, गरिमा लेडीज विंग (लायंस क्लब) और महिला युवा मोर्चा की महिलाओं ने क्षेत्र में बढ़ते अपराध, असुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दों को सामने रखा. उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर ममता सरकार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री के होते हुए भी यदि बंगाल की बेटियां खौफ के साये में जी रही हैं तो यह सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है. उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आश्वस्त करते हुए कहा कि कोई भी संवेदनशील सरकार महिलाओं की सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकती. भाजपा सरकार बनने पर हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की गारंटी दी जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों जनसभाओं में उमड़ी भीड़ इस बात का प्रमाण है कि पश्चिम बंगाल की जनता अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति का अंत होगा, विकास और सुशासन की नई शुरुआत होगी. मुख्यमंत्री ने जनता से आह्वान किया कि वे अपने मताधिकार का उपयोग कर इस परिवर्तन का हिस्सा बनें और राज्य में एक मजबूत, विकासोन्मुख सरकार बनाने में योगदान दें.

हुमायूं कबीर के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज, सांप्रदायिक उकसावे का आरोप

कोलकाताः आम जनता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन हुमायूं कबीर एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं. शुक्रवार रात बीरभूम जिले के सिउड़ी थाने में उनके खिलाफ राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आरक्षण मोर्चा के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दिकी ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हुमायूं कबीर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में ध्रुवीकरण की कोशिश कर रहे हैं और सांप्रदायिक उकसावा दे रहे हैं. सिद्दीकी ने सिउड़ी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराते हुए उनकी शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है. सिद्दीकी का दावा है कि हुमायूं कबीर पैसे के बदले चुनाव में ध्रुवीकरण कराने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद देश के मुसलमानों की आस्था का प्रतीक है, लेकिन हाल में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हुमायूं कबीर यह कहते दिखे कि बाबरी मस्जिद निर्माण उनका वास्तविक उद्देश्य नहीं है. आरोप है कि वह हजार करोड़ रुपये की डील कर किसी शक्ति के पक्ष में चुनाव लड़ने और परोक्ष रूप से 'फासीवादी ताकतों' की मदद करने की बात कर रहे हैं. हालांकि हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसके पीछे तृणमूल कांग्रेस की साजिश बताई है. उनका कहना है कि चुनाव से पहले मुस्लिम समाज को भ्रमित करने के लिए तृणमूल ने बाहर से लोगों को लाकर उनके खिलाफ प्रचार कराया है. उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता पहले भी मुर्शिदाबाद के रेजिनगर थाने में उनके खिलाफ शिकायत कर चुके हैं. हुमायूं कबीर ने स्पष्ट किया कि वह अग्रिम जमानत नहीं लेंगे और कानून अपना काम करेगा. गौरतलब है कि यह उनके खिलाफ तीसरा मामला है. इससे पहले कोलकाता के मैदान थाना और मुर्शिदाबाद के रेजिनगर थाने में भी शिकायत दर्ज हो चुकी है. रेजिनगर थाना पुलिस पहले से ही मामले की जांच कर रही है.

ओवैसी से गठबंधन टूटने के बाद पार्टी राज्य अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक और आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं. कथित विवादित वीडियो सामने आने तथा असदुद्दीन ओवैसी की ओर से गठबंधन तोड़ दिए जाने की घोषणा के बाद हुमायूं की पार्टी के राज्य अध्यक्ष खोबायब अमीन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. इतना ही नहीं, उन्होंने बाबरी मस्जिद निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष का पद भी छोड़ दिया है. हालांकि अपने इस्तीफे में खोबायब अमीन ने कथित वीडियो का जिक्र नहीं किया. खोबायब अमीन ने कहा कि एक पीरजादा और सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई थीं, जिनके कारण वे सक्रिय राजनीति को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे थे. इसलिए उन्होंने विचार-विमर्श के बाद राजनीति से हटने का फैसला लिया. दूसरी ओर, हुमायूं कबीर ने पार्टी अध्यक्ष के इस्तीफे पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की है.

गार्डेनरीच में नाकाबंदी में 6 लाख 28 हजार की बेहिसाब नकदी जब्त

कोलकाताः पोर्ट इलाके में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चलाए जा रहें नाकेबंदी अभियान में दो अलग मामलों में गार्डेनरीच में कुल 6 लाख 28 हजार की बेहिसाब नकदी जब्त की गई है. आधिकारिक व लालबाजार पुलिस मुख्यालय के अनुसार चुनाव संबंधी वाहन निरीक्षण के दौरान, गार्डेनरीच पुलिस थाना क्षेत्र में अधिकारियों ने 4 लाख 10 हजार रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की. चुनाव से पहले गहन निगरानी के तहत, नेचर पार्क के सामने संतोषपुर रोड और तारातला रोड चौराहे के पास उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया. अधिकारियों के अनुसार, मजिस्ट्रेट शांतनु नस्कर के नेतृत्व में फ्लाइंग स्क्वाड टीम (एफएसटी-6) ने पंजीकरण संख्या डब्लूबी04जे 2596 वाली एक उबर गाड़ी को जांच के लिए रोका. जांच के दौरान, 47 वर्षीय यात्री सचिन सबू के पास से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई, जिसमें 500 रुपये, 200 रुपये, 100 रुपये और 50 रुपये के नोट शामिल थे. झारखंड के गुमला जिले के निवासी के रूप में पहचाने गए इस व्यक्ति ने दावा किया कि वह वस्त्र व्यापारी है और व्यापारिक उद्देश्यों से अपने सहयोगियों के साथ संतोषपुर रेडीमेड मार्केट जा रहा था. हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि जांच के समय उसके पास मौजूद नकदी के संबंध में वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहा. इसी तरह इसी दिन सुबह करीब 5 बजे, गार्डेनरीच रोड के पास एक और नाका चेकिंग के दौरान ब्रिज थाना और फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने एक अन्य वाहन को रोका. जांच में वाहन से 2 लाख 18 हजार रुपये नकद बरामद हुए. यह राशि भी बिना वैध दस्तावेजों के पाई गई. बरामद रकम को थाना में जमा कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है.

ईडी ने पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और अन्य के परिसरों पर छापे मारे

कोलकाताः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नए सिरे से शनिवार को छापे मारे. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, जिन स्थानों पर तलाशी ली गई उनमें कोलकाता स्थित चटर्जी का आवास और इस मामले में जेल में बंद कथित बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय का घर शामिल हैं. तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नेता चटर्जी 2011 में पार्टी के सत्ता में आने से पहले उसके महासचिव और प्रमुख रणनीतिकार रह चुके हैं. अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा कक्षा नौ से 12 तक के सहायक शिक्षकों की भर्ती से जुड़े कथित घोटाले में पूछताछ के लिए चटर्जी के तीन बार उपस्थित नहीं होने के बाद की गई. ईडी ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में जुलाई 2022 में चटर्जी को गिरफ्तार किया था. हाल में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें इस मामले में सशर्त जमानत दी, जिसके बाद वह जेल से बाहर आ गए. संघीय जांच एजेंसी उनके खिलाफ प्राथमिक शिक्षकों, एसएससी सहायक शिक्षकों तथा एसएससी ग्रुप 'सी' और 'डी' कर्मचारियों की भर्ती से जुड़े कई मामलों की जांच कर रही है.

बंगाल के तीन आईपीएस अधिकारियों को चुनावी ड्यूटी पर तमिलनाडु जाने का निर्देश

बनाए गए पुलिस पर्यवेक्षक

कोलकाताः चुनाव आयोग ने बंगाल के तीन आईपीएस अधिकारियों को चुनावी ड्यूटी पर तमिलनाडु जाने का निर्देश दिया है. कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार और दो पूर्व पुलिस अधीक्षकों धृतिमान सरकार व भास्कर मुखर्जी को तमिलनाडु विस चुनाव के लिए पुलिस पर्यवेक्षक बनाया गया है. आगामी 23 अप्रैल को बंगाल के साथ तमिलनाडु में भी वोटिंग होगी. आयोग ने तिरुनेलवेली की ड्यूटी सुप्रतिम सरकार को दी है. धृतिमान सरकार व भास्कर मुखर्जी को क्रमश: कृष्णागिरी व मैलादुथुराई जिलों की ड्यूटी दी गई है. आयोग ने उन्हें अगले दो-तीन दिनों में वहां पहुंचकर प्रभार संभालने का निर्देश दिया है. मालूम हो कि सुप्रतिम सरकार ने चिकित्सा कारणों का हवाला देकर उन्हें तमिलनाडु नहीं भेजने का अनुरोध किया था, जिसे आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया. भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कसबा विधानसभा क्षेत्र में सेक्टर आफिसर/असिस्टेंट के पदों पर ठेका कर्मियों की गैरकानूनी तरीके से नियुक्ति का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की है. उन्होंने कहा कि यह दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन की कसबा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को खत्म करने की साजिश है. यह आदेश संबंधित रिटर्निंग आफिसर पूर्णिमा डे ने जारी किया है. चुनाव आयोग के दिशानिर्देश के अनुसार ऐसी संवेदनशील चुनावी ड्यूटी के लिए ठेका कर्मियों को तैनात नहीं किया जा सकता. यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान के लिए सीधे तौर पर खतरा है. आयोग को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए.

जय गुरु नाना श्री महावीराय नमः जय गुरुराम

श्रद्धेय सरदारमल जी कांकरिया

~~स्मृति सभा~~

संस्कार, शिक्षा एवं सेवा के त्रिवेणी संगम प्रखर समाजसेवी

श्रद्धेय सरदारमल जी कांकरिया

(सुपुत्र स्व. किशनलालजी कांकरिया) गोगोलाव निवासी, कोलकाता प्रवासी का स्वर्गवास दिनांक 11-04-2026 को हो गया है।

स्मृति सभा आज रविवार दिनांक 12-04-2026 दोपहर 3 बजे श्री जैन विद्यालय, पारसमल कांकरिया सभागार, 18-डी, पुसराज बच्छावत पथ (सुकियास लेन, कोलकाता - 700 001) में आयोजित होगी।

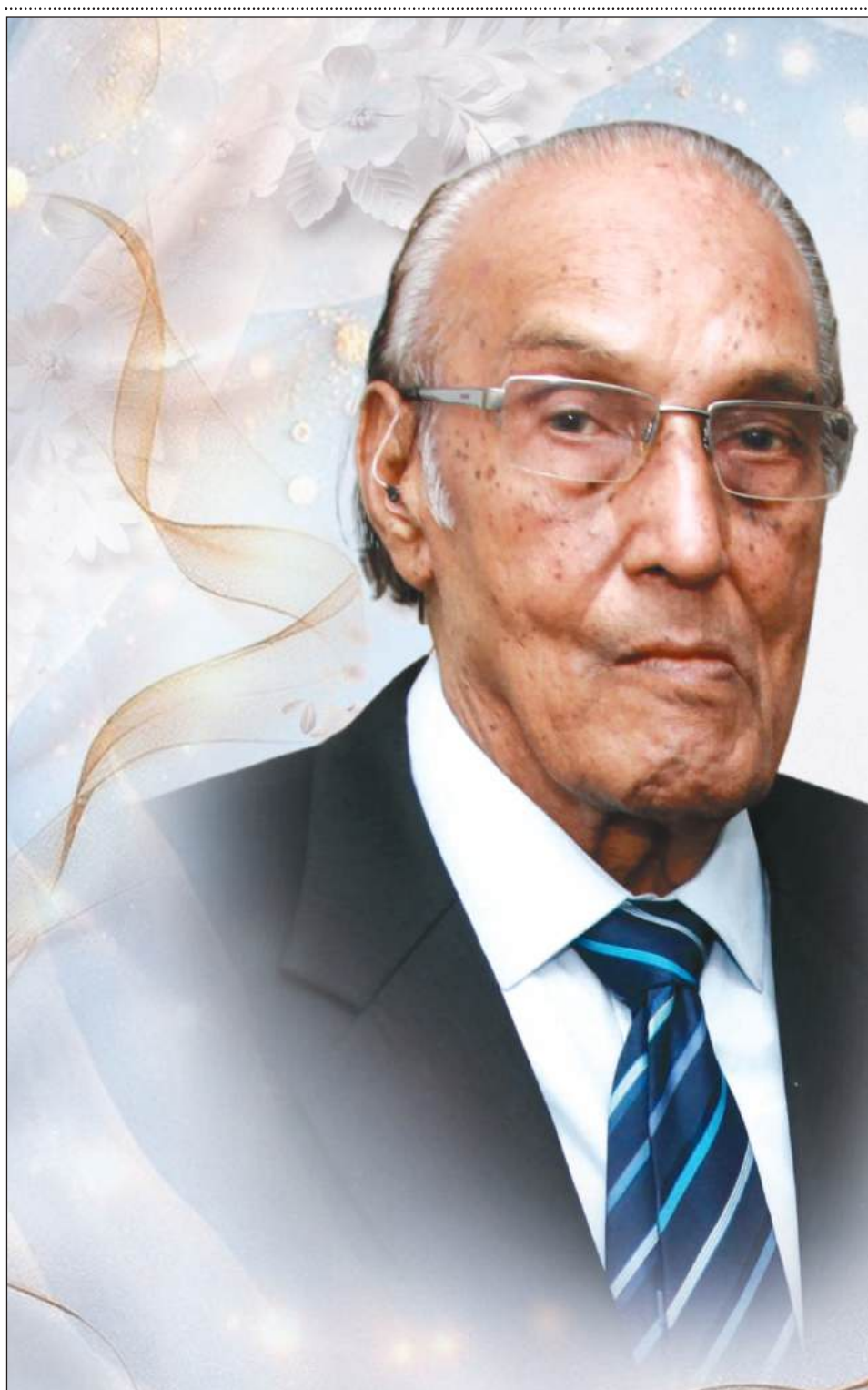

जन्म: 28 जनवरी 1928 प्रयाण: 11 अप्रैल 2026

~~विनयावत-~~

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता
श्री जैन विद्यालय फोर बोयस एन्ड गर्ल्स, हावड़ा
हरख चंद कांकरिया जैन विद्यालय, जगतदल
श्री जैन हॉस्पिटल एन्ड रिसर्च सेन्टर, हावड़ा
टी एच के जैन कॉलेज, काशीपुर
के एस एस जैन कॉलेज, काशीपुर
के एस डी जैन डेन्टल कॉलेज एन्ड हॉस्पिटल, काशीपुर
एस पी के जैन फ्युचरिस्टिक एकेडेमी, राजारहाट
विचार मंच, नींव
कुसुम सुन्दर दूगड हायर एज्युकेशन फंड
बुक बेंक प्रोजेक्ट

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा - 18-डी, पुसराज बच्छावत पथ सुकियास लेन, कोलकाता - 700001

SUNDAY
कोलकाता, 12 अप्रैल, 2026

युवा शक्ति
Y पल्स
www.yuvashaktinews.com

धर्मशक्ति 6-7

शीतला अष्टमी व्रत से रहे निरोग

अग्नी के अवतार थे महाप्रभु बल्लभाचार्य

नारद मुनि के त्याग का रहस्य

जीवनी शक्ति 8

छोटे बच्चे के कान, नाक और आंखे साफ करने का जानें तरीका

इंटरनेशनल स्ट्रीट चिल्ड्रन डे (१२ अप्रैल) पर विशेष

दर्दनाक है गलियों के बच्चों की व्यथा कथा

भारत में बेघर बच्चों को लेकर हाल के दिनों में कोई आंकड़ा प्रकाशित नहीं हुआ है, लेकिन साल 2000 में यूनिसेफ के अनुमान के मुताबिक़ भारत में 1 करोड़ 80 लाख बेघर बच्चे हैं जो दुनिया के किसी भी देश से ज़्यादा हैं. बुनियादी सुविधाओं और जीवन में आगे बढ़ने के अवसर से दूर ये बच्चे परिवार की देखभाल और सुरक्षा से भी वंचित हैं.

सड़क पर रहने वाले बच्चे कार पार्किंग बॉय, कार धोने वाले, कारों के गार्ड, जूते पॉलिश करने वाले और सामान ढोने का काम करते हैं. कुछ बड़ी लड़कियां पैसे के लिए यौन संबंध बनाती हैं . उनमें से कुछ अपनी आजीविका के लिए सामान बेचते हैं और यातायात में भीख मांगते हैं. अन्य लोग मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अवैध कामों में शामिल हैं

सड़क पर रहने वाले बच्चों की एक अलग दुनिया है. उन्हें जीवित रहने के लिए रोजाना कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, अक्सर उन्हें शिक्षा , स्वास्थ्य सेवा या सुरक्षा तक पहुंच नहीं होती है. संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि दुनिया में लगभग 15 करोड़ बेघर बच्चे हैं . इनकी सही संख्या का कोई पता नहीं है क्योंकि सामाजिक देखभाल और सरकारी संगठनों को अक्सर इनकी जानकारी नहीं होती. सड़क पर रहने वाले बच्चों की परिस्थितियाँ जटिल हो सकती हैं और वे शोषण और हिंसा के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं. शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी आवश्यक सेवाओं को उन तक पहुंचाना कठिन होता है. वे अपने या अपने परिवार का भरण-पोषण करने के चक्कर में शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित रह जाते हैं, इसलिए उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए कम औपचारिक तरीकों की आवश्यकता हो सकती है. सड़क पर रहने वाले बच्चों की परिस्थितियाँ बहुत जटिल हो सकती हैं और उनकी इस स्थिति के कई अलग-अलग कारण हो सकते हैं. कई बेघर बच्चे अभी भी अपने परिवारों के संपर्क में हैं, जो बेहद गरीब हो सकते हैं, और अपने परिवार की आमदनी में योगदान देने के लिए सड़कों पर काम करते हैं . कई अन्य बच्चे मनोवैज्ञानिक, शारीरिक या यौन शोषण से बचने के लिए घर या संस्था से भाग गए हैं. अन्य बच्चों में विकलांग बच्चे शामिल हो सकते हैं, जिन्हें उनके परिवारों ने छोड़ दिया है, ऐसे बच्चे जो लंबे समय से अपने परिवारों से अलग हैं, या ऐसे बच्चे जो एचआईवी/एड्स से प्रभावित हैं या इसके कारण अनाथ हो गए हैं. 2016 में अंतर्राष्ट्रीय बेघर बाल दिवस के अनुसार, कई देशों में सड़कों पर रहने वाले लगभग 75% से 90% बच्चे लड़के हैं. इसका कारण यह हो सकता है कि कुछ संस्कृतियों में लड़कियों को घर में रहकर खाना पकाने और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करने के लिए अधिक उपयोगी माना जाता है. लेकिन अन्य देशों में बेघर बच्चों में लड़कों और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर हो सकती है.स्ट्रीट चिल्ड्रन शब्द एक नकारात्मक लेबल के रूप में देखा जाता है. इन बच्चों के लिए एक समस्या यह है कि मुख्यधारा का समाज अक्सर उन्हें एक खतरा और आपराधिक व्यवहार का स्रोत मानता है.

सड़क पर रहने वाले बच्चों का जीवन

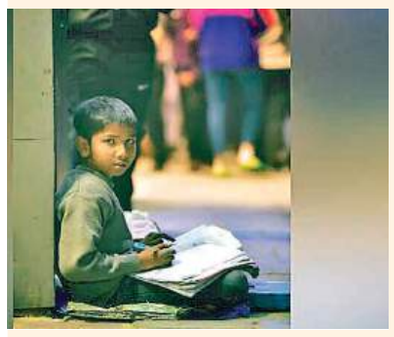

कुछ बेघर बच्चे जूते पॉलिश करने या सड़कों पर सामान बेचने जैसे बेहद कम वेतन वाले काम करते हैं. कुछ बच्चे भोजन की तलाश में कूड़ा बीनते हैं या भीख मांगते हैं. कुछ अन्य गिरोहों और अपराधियों के शिकार हो जाते हैं और अंततः नशीली दवाओं की बिक्री, चोरी और वेश्यावृत्ति जैसे कामों में लग जाते हैं. उनकी दयनीय स्थिति और जीवनयापन के लिए पैसे कमाने की मजबूरी उन्हें शिक्षा प्राप्त करने से वंचित कर सकती है. सड़कों पर रहने और काम करने वाले बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. चिकित्सा देखभाल की कमी और अपर्याप्त जीवन स्थितियों के कारण वे दीर्घकालिक बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं. इसके अलावा, उन्हें यौन हिंसा, शोषण, नशीली दवाओं के सेवन आदि का भी अधिक खतरा हो सकता है. सड़क पर रहने वाले बच्चों का असुरक्षित परिस्थितियों में होना आम बात है. उन्हें अक्सर पुलिस द्वारा परेशान किया जाता है या नुकसान पहुंचाया जाता है और वे अक्सर कानून के साथ संघर्ष में फंस जाते हैं. परिणामस्वरूप, कई सड़क पर रहने वाले बच्चे अपनी कठिनाइयों से निपटने के लिए शराब, सिगरेट, हेरोइन, गांजा और गोंद जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं.

वे ऐसे समाजों से बहुत अलग-थलग महसूस कर सकते हैं जो उन्हें अपराधी मानते हैं. वे आधिकारिक अधिकारियों को खतरा मान सकते हैं और सरकार या संगठित पहलों से बहुत सावधान रहेंगे. 1992 में, संयुक्त राष्ट्र ने बेघर बच्चों की दुर्दशा पर एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें बेघर बच्चों के हाशिए पर धकेल दिए जाने तथा उनके खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई. प्रस्ताव में बेघर बच्चों की जरूरतों को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार कानूनों को लागू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया गया. इसके परिणामस्वरूप, बेघर बच्चों की सहायता के लिए पहल की गई है, अक्सर आश्रय स्थलों के माध्यम से जिनमें सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, परामर्श, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कानूनी सहायता और अन्य सामाजिक सेवाएं प्रदान करने के कार्यक्रम होते हैं.

सहायता की रणनीतियां : शिक्षा और संरक्षण

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार उन अधिकारों में से एक है जिनसे बेघर बच्चों को वंचित रखा जाता है. फिर भी, शिक्षा ही बेघर बच्चों को समाज में पुनः एकीकृत करने का सबसे प्रभावी तरीका है. यूनेस्को बेघर बच्चों के लिए बुनियादी शिक्षा विकसित करने के साथ-साथ मुश्किलों में फंसे बच्चों को बेघर होने से रोकने का भी प्रयास करता है.

इसका उद्देश्य है: बेघर बच्चों और सभी के लिए शिक्षा के अधिकार के बारे में जन जागरूकता बढ़ाएं. संगठनों और संस्थानों को तकनीकी सहायता प्रदान करें ताकि वे इन बच्चों की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच साझेदारी को मजबूत करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई सतत और प्रभावी हो. औपचारिक शिक्षा, जैसे कि उन्हें स्कूल जाना अनिवार्य करना, सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए उनकी परिस्थितियों और अधिकारियों के साथ उनके पिछले अनुभवों के कारण सही समाधान नहीं हो सकता है. वैकल्पिक दृष्टिकोणों में नृत्य, संगीत, खेल, सर्कस कौशल और कला परियोजनाओं का उपयोग करके सड़क पर रहने वाले बच्चों को सीखने की ओर आकर्षित करना शामिल है.

सड़क पर रहने वाले बच्चों को अच्छे भोजन, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएँ, शौचालय और स्नान सुविधाएँ तथा पर्याप्त आश्रय उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. परिवार से संपर्क न होने के कारण उन्हें माता-पिता का संरक्षण और सुरक्षा भी नहीं मिल पाती है. इसके अतिरिक्त, उन्हें किसी भी प्रकार का नैतिक और भावनात्मक समर्थन भी नहीं मिलता. लिंग प्रतिनिधित्व की बात करें तो, सड़क पर रहने वाले अधिकांश बच्चे लड़के हैं . सांस्कृतिक प्रतिबंधों के कारण लड़कियों का प्रतिनिधित्व कम है: लड़कियां अपने परिवारों के नियंत्रण में अधिक रहती हैं. इसके अलावा, जब वे अपने परिवारों से भाग जाती हैं, तो या तो किसी परिवार में नौकरानी का काम करती हैं या दलालों के चंगुल में फंस जाती हैं. खासकर इसलिए कि सड़कों पर लड़कों की तुलना में उनके साथ दुर्व्यवहार होने की संभावना अधिक होती है, इसलिए वे सड़कों के अलावा किसी भी अन्य स्थान को प्राथमिकता देती हैं. सड़क पर रहने वाले बच्चों की औसत आयु 9 से 12 वर्ष के बीच होती है, और वे 15 से 16 वर्ष की आयु तक सड़कों पर ही रहते हैं. जब वे बड़े हो जाते हैं तो वे बेहतर वेतन वाली स्थिर नौकरियों की तलाश शुरू कर देते हैं.

संस्कृति, नैतिकता और परंपराओं की बात करें तो, बचपन से ही परिवार से दूर रहने के कारण सड़क पर रहने वाले बच्चे आमतौर पर संस्कृति और नैतिकता के प्रति चिंतित नहीं होते हैं. लुगाला और म्बवाम्बो ने सड़क पर रहने वाले बच्चों का वर्णन करते हुए कहा है कि वे ...न केवल बेघर या छतविहीन हैं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी जड़विहीन हैं. स्वास्थ्य की दृष्टि से, बेघर बच्चे असुरक्षित यौन व्यवहार और अनौपचारिक यौन संबंधों के कारण एचआईवी जैसी यौन संचारित बीमारियों के शिकार होते हैं.

सामाजिक नेटवर्क के संदर्भ में, जिन बच्चों का अपने परिवार से कोई संबंध नहीं होता, वे सहकर्मी समूह बनाते हैं. ये सहकर्मी समूह परिवार की भूमिका निभाते हैं और अपने सदस्यों के लिए एकजुटता, आर्थिक और भावनात्मक समर्थन का स्रोत होते हैं. प्रत्येक समूह का एक नेता होता है जिसका समूह के सदस्य पालन करते हैं, जो उनकी सुसंगठितता को दर्शाता है. सड़क पर रहने वाले बच्चे मादक पदार्थों की तस्करी, अपराध, चोरी और

गिरोह की गतिविधियों जैसी खतरनाक और अवैध गतिविधियों के शिकार होते हैं. हालाँकि, उनमें से कई पार्किंग, कार धुलाई, सामान लादने आदि जैसी कानूनी आर्थिक गतिविधियों में भी शामिल होते हैं . सुरक्षा के लिहाज़ से, उनमें से कुछ सुरक्षा और संरक्षण के लिए अपने साथियों पर निर्भर रहते हैं. सुरक्षा समूह बनाने के मामले में लड़कियाँ लड़कों से अलग होती हैं. लड़कियों के समूह में आमतौर पर एक बड़ी लड़की होती है जिसका किसी लड़के या गार्ड के साथ यौन संबंध होता है, जो बदले में उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है.

सड़क पर रहने वाले बच्चों के पास आमतौर पर सोने के लिए कोई स्थायी जगह नहीं होती. उनमें से कई दुकानों और मॉल के पास सड़कों या फुटपाथों पर सोते हैं, जबकि अन्य बस टर्मिनलों, रेलवे प्लेटफार्मों, पुलों के नीचे और सिनेमाघरों के पास सोना पसंद करते हैं. वहीं, कुछ लड़कियां असुरक्षित होने और सड़कों पर रात बिताने पर दुर्व्यवहार का शिकार होने के कारण सुरक्षा गार्डों के साथ रात बिताना पसंद करती हैं. इसलिए, वे अपने आसपास की परिस्थितियों के अनुसार सोने के लिए उपयुक्त जगह खोजने का प्रयास करते हैं . सड़क पर रहने वाले बच्चे कार पार्किंग बॉय, कार धोने वाले, कारों के गार्ड, जूते पॉलिश करने वाले और सामान लादने वाले के रूप में काम करते हैं. कुछ बड़ी लड़कियां पैसे के लिए यौन संबंध बनाती हैं. उनमें से कुछ अपनी आजीविका के लिए सामान बेचते हैं और यातायात में भीख मांगते हैं. अन्य लोग मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अवैध कामों में शामिल हैं . अपनी दैनिक बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए, वे एक ऐसी व्यवस्था बनाते हैं जिसमें प्रत्येक समूह का एक क्षेत्र होता है जहां वे अपनी गतिविधियां करते हैं ताकि उपलब्ध संसाधनों के लिए किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा से बचा जा सके . दूसरी ओर, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग अनौपचारिक क्षेत्र में आय के स्रोत के रूप में काम करते हैं जो औपचारिक क्षेत्र का एक स्वीकार्य विकल्प है. हालांकि, अनौपचारिक क्षेत्र में कुछ कमियां हैं जो गरीबों को प्रभावित करती हैं, जैसे सामाजिक बीमा का अभाव और आर्थिक झटकों के प्रति संवेदनशीलता. कुछ बेघर बच्चे नहाने के लिए समुद्र के पानी का इस्तेमाल करते हैं, जबकि कुछ सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करते हैं. कभी-कभी वे पीने के पानी की ज़रूरत पूरी करने के लिए सार्वजनिक पाइपों से रिसते पानी या सार्वजनिक पानी की दुकानों का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि, उन्हें लोगों या पुलिस द्वारा परेशान किया जाता है. कुछ बच्चे सार्वजनिक और रेलवे शौचालयों का उपयोग करते हैं, जबकि अन्य फुटपाथों, पार्कों और समुद्र तटों का उपयोग करते हैं . जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, सड़क पर रहने वाले बच्चे अपनी सुरक्षा, समर्थन और एकजुटता के लिए अपने साथियों के समूह को अपने सामाजिक नेटवर्क के रूप में इस्तेमाल करते हैं. शहरी गरीब लोग भी आम तौर पर एक प्रकार का सामाजिक नेटवर्क बनाते हैं जो उन्हें सहायता के साधन, विशेष रूप से आर्थिक सहायता और एकजुटता प्रदान करता है.

भारत के बेघर और शोषित बच्चे

भारत में बेघर बच्चों को लेकर हाल के दिनों में कोई आंकड़ा प्रकाशित नहीं हुआ है, लेकिन साल 2000 में यूनिसेफ के अनुमान के मुताबिक़ भारत में 1 करोड़ 80 लाख बेघर बच्चे हैं जो दुनिया के किसी भी देश से ज़्यादा हैं. बुनियादी सुविधाओं और जीवन में आगे बढ़ने के अवसर से दूर ये बच्चे परिवार की देखभाल और सुरक्षा से भी वंचित हैं. ये बच्चे अपशब्दों और उपेक्षा के अलावा मौत का भी सामना करते हैं. बच्चों के अधिकार को लेकर संयुक्त राष्ट्र की संधि विस्तार से शोषण और अपशब्दों से बच्चों की रक्षा, जीने के एक पर्याप्त स्तर के अधिकार और उचित विकास को सुनिश्चित करने के लिए पोषण, बंधुआ मज़दूरी से रक्षा, शिक्षा के अधिकार, गोद लेने के अधिकार के साथ-साथ नाम और राष्ट्रीयता के अधिकार का ज़िक्र करती है. इन अधिकारों को भारत के संविधान ने भी स्वीकार किया है. इन क़ानूनों और कोशिशों के बावजूद बच्चों को बाल श्रम, तस्करी और शोषण में धकेला जाता है. महामारी के दौरान बच्चों की स्थिति और भी ख़राब हुई क्योंकि लोगों की आर्थिक स्थिति बिगड़ी, स्कूल बंद हो गए और दुनिया भर में लंबे लॉकडाउन के समय घर में गाली-गलौज करने वाले रिश्तेदारों से बच्चों का संपर्क बढ़ गया. यूनिसेफ इंडिया की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान पढ़ाई में रुकावट का असर 28 करोड़ 60 लाख बच्चों पर पड़ा, स्कूल बंद होने से पढ़ाई करने वाले बच्चों की संख्या घटी. लॉकडाउन और उसके बार-बार बढ़ने से लगभग 4 करोड़ बच्चे बहुत ज़्यादा प्रभावित हुए. ये बच्चे ग़रीब और सुविधा से वंचित परिवारों से आते हैं जैसे कि प्रवासियों के बच्चे, ग्रामीण क्षेत्रों में खेत में काम करने वाले बच्चे और बेघर बच्चे.

आर्थिक संकट और बेहद ग़रीबी, अकेलापन, और मदद नहीं करने वाला परिवार- ये ज़्यादा बेघर बच्चे होने के सामान्य कारण हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक़ दुनिया भर में 35 करोड़ 60 लाख बच्चे यानी 17.5 प्रतिशत बच्चे बेहद ग़रीबी में जीवन गुज़ारते हैं. ये बच्चे 1.90 डॉलर प्रतिदिन से कम की आमदनी पर जीते हैं. इस तरह बच्चों का बेघर होना क ई तरह के कारणों का नतीजा है. बेरोज़गारी, ग़रीबी, घर में हिंसा, परिवार का बिखरना, ठौर-ठिकाने की कमी, गांवों से शहरों की ओर जाना, बाढ़, सूखा या किसी अन्य आपदा की वजह से विस्थापन बेघर बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी के अलावा काफ़ी असमानता के साथ सामाजिक बहिष्कार के प्रमुख कारण बताए जाते हैं. इन्हें अक्सर उन कारणों के रूप में गिनाया जाता है जो बच्चों के बेघर होने में मदद करते हैं या उन्हें बेघर होने के लिए मजबूर करते हैं. आम तौर पर घर में काफ़ी भीड़-भाड़ होने और इसके कारण सेहत से जुड़े जोख़िम में बढ़ोतरी के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं तक ठीक से पहुंच नहीं होने की वजह से कई परिवार इन समस्याओं का सामना करने में संघर्ष करते हैं. जून 2021 में जो सरकार की नीति आई उसमें लाभार्थियों के मामले में अभी भी बहुत कुछ करने की ज़रूरत है. इसमें बेघर बच्चों को बचाने और उनके पुनर्वास के साथ सेहत और सफ़ाई के मामले में जागरुकता बढ़ाने के लिए बाल संवाद जैसी परियोजनाएं शामिल थीं. साथ ही 18 साल से कम उम्र के बेघर बच्चों की संपूर्ण भलाई के लिए सूर्योदय जैसी परियोजनाएं भी थीं. दिल्ली सरकार की नीति में सिविल डिफेंस वॉलंटियर के रूप में बेघर बच्चों की ट्रेनिंग का भी ज़िक्र है लेकिन ये बेघर बच्चों से जुड़ी समस्या और उसके समाधान से काफ़ी बेमेल लगती है क्योंकि बच्चे अभी भी अपनी बुनियादी ज़रूरतों के लिए सड़क पर संघर्ष कर रहे हैं. भारत में मादक पदार्थों के इस्तेमाल की जटिलता से जुड़ी 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक इनहेलेंट के ज़रिए मादक पदार्थ लेने का चलन बच्चों और किशोरों में सबसे ज़्यादा है. अलग-अलग मंत्रालयों के साथ किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 और नशीली दवा एवं मादक पदार्थ अधिनियम, 1985 होने के बावजूद किसी ने भी ड्रग्स की लत का शिकार बन चुके बच्चों को लक्ष्य करके कोई विशेष योजना नहीं बनाई है. इस तरह ये समस्या उपेक्षित है.

आमदनी की कमी अक्सर बेघर बच्चों को दुर्व्यवहार और मानसिक बीमारी से जुड़े मुद्दों का सामना करने के लिए ज़्यादा जोखिम वाला वर्ग बनाती है. साथ ही प्रतिकूल सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का भी उन्हें सामना करना पड़ता है. उन्हें बीमारी होने की आशंका ज़्यादा रहती है, ख़ास तौर पर एचआईवी/एड्स क्योंकि वो सुई के सहारे ड्रग्स लेते हैं. बेघर बच्चों को यौन संक्रमण से जुड़ी बीमारियों का ख़तरा भी ज़्यादा रहता है. इन कारणों से ये बच्चे सामाजिक तौर पर अलग-थलग और दाग़दार हो गए हैं. यौन शोषण और दुर्व्यवहार की वजह से आम तौर पर बेघर लड़कियों में जल्दी और किशोर अवस्था में गर्भवती होने का ख़तरा बढ़ जाता है. भारत के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 3,00,000 बच्चों को नशीली दवा खिलाकर उनकी पिटाई की जाती है और फिर उन्हें फुटपाथ पर भीख मांगने के लिए छोड़ दिया जाता है.

ज़बरन बच्चों से भीख मंगवाना

भारत में हज़ारों बच्चों को अगवा कर उन्हें भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है. इस तरह बेघर बच्चों की समस्या में बढ़ोतरी होती है. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, हर वर्ष क़रीब 40,000 बच्चों का अपहरण किया जाता है और उनमें से 25 प्रतिशत से ज़्यादा बच्चों का कभी सुराग़ नहीं मिल पाता. भारत में अभी भी कठोर सज़ा के साथ शक्तिशाली मानव तस्करी विरोधी क़ानून नहीं है क्योंकि अभी तक संसद ने इसमें संशोधन नहीं किया है. इससे भी ज़्यादा चिंता की बात ये है कि भारत के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 3,00,000 बच्चों को नशीली दवा खिलाकर उनकी पिटाई की जाती है और फिर उन्हें फुटपाथ पर भीख मांगने के लिए छोड़ दिया जाता है. बेघर बच्चों को ज़बरन और धोखे में रखकर मानव तस्करी का शिकार बनाया जाता है. इसके लिए मादक पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है और लड़कियों को तो सीमा के पार या भारत के भीतर वेश्यावृत्ति और मानव तस्करी में भी धकेल दिया जाता है.

आगे का रास्ता

बच्चों का मार्गदर्शन करने वाले क्लीनिक की स्थापना करना महत्वपूर्ण है. ऐसे क्लीनिक में अपने परिवार और समाज से अलग रहने वाले बच्चों का मार्गदर्शन करने और उन्हें सलाह देने के लिए मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक और डॉक्टर होने चाहिए. ये भी ज़रूरी है कि एक व्यापक सर्वे और एक संगठित संस्था के द्वारा एक डाटा प्रबंधन प्रणाली विकसित किया जाना चाहिए ताकि देश के हर राज्य में बेघर बच्चों की सटीक संख्या का पता लगाया जा सके, उन जगहों का पता चल सके जहां बेघर बच्चे सबसे ज़्यादा हैं और इसके कारण क्या हैं. ऐसे बच्चों की सिर्फ़ पहचान ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनके पुनर्वास पर भी ध्यान देना चाहिए ताकि ये बच्चे फिर से शोषण का शिकार बनने से बच सकें. बचाए गए बेघर बच्चों, ख़ास तौर पर लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए अनुमोदित बजट और योजनाओं की ज़रूरत है. मानव तस्करी, हमले और नशीली दवाओं के इस्तेमाल के मामले में स्वास्थ्य सेवाएं और क़ानूनी मदद प्रदान करने के अलावा कल्याण योजनाओं एवं आमदनी के अवसर तक पहुंच प्रदान करना उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने और उन्हें फिर से समाज एवं परिवार में लाने के लिए ज़रूरी है. नौकरी की ट्रेनिंग और कौशल विकास उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता मुहैया कराएगा. सुरक्षित आश्रय स्थल, जहां पीड़ितों के लिए एक जगह सभी सेवाएं उपलब्ध हों, भी समान रूप से महत्वपूर्ण है. युवाओं और किशोरों के बीच नशीली दवा के इस्तेमाल के असर को लेकर उन्हें बताना और जागरुक करना भी अहम है. नीति निर्माताओं के बीच बच्चों के भीख मांगने, सड़क के किनारे फेरा लगाने और भीख मांगने के रैकेट को लेकर नियमों और उन पर पाबंदी के मामले में चर्चा करने की आवश्यकता है ताकि इनका समाधान किया जा सके और उन्हें ज़िला स्तर पर लागू किया जा सके.

दिल्ली में फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों का अनोखा अख़बार

फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों की एक टीम राजधानी दिल्ली से आठ पन्नों का एक अख़बार 'बालकनामा' निकालती है. यह अख़बार हर तीन महीने पर निकाला जाता है और इसकी विषय-वस्तु मुख्य तौर पर फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों की ज़िंदगी और वे किस तरह के काम करते हैं, इस पर केंद्रित होती है. यह अख़बार गर्व के साथ अपने बारे में दावा करता है, फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों का उनके लिए ही दुनिया का एक अनोखा अख़बार. 18 साल की चांदनी इस अख़बार की संपादक हैं. एक साल पहले चांदनी के संपादक बनने के बाद अख़बार का सर्कुलेशन 4000 से बढ़कर 5500 हो चुका है. वे अपनी टीम के दूसरे बच्चों के साथ अख़बार के अगले अंक में प्रकाशित होने वाली ख़बरों पर चर्चा करती हैं. अख़बार के रिपोर्टर वो बच्चे हैं जो कभी फुटपाथ पर रहा करते थे या फिर दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बाल मज़दूरी किया करते थे. इन बच्चों को चेतना नाम के एक गैर-सरकारी संगठन ने संरक्षण दे रखा है. यह संगठन फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों के पुनर्वास पर काम करता है. एक आकलन के मुताबिक़ भारत में एक करोड़ से ज्यादा बच्चे फुटपाथ पर रहते हैं और बाल मज़दूरी करने के लिए मजबूर हैं. चांदनी का कहना है, मैं इस अख़बार का संपादन करने में गर्व महसूस करती हूं क्योंकि यह अख़बार भारत में अपने आप में एक अलग तरह का अख़बार है. ऐसे बच्चे जिनका बचपन लुट चुका है, जो

भूखे हैं, जो भीख मांगते हैं, जो प्रताड़ना के शिकार हैं और मज़दूरी करने पर मजबूर हैं, वे अपने जैसे ही दूसरे बच्चों के बारे में इसमें लिखते हैं.

वो कहती हैं, यह केवल एक मरहम भर नहीं है बल्कि यह हमें एक मकसद का अहसास देता है. चांदनी 14 रिपोर्टरों का ब्यूरो संभालती हैं. ये रिपोर्टर दिल्ली और पड़ोसी राज्य हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में रिपोर्टिंग करते हैं. अधिकतर रिपोर्टर अपनी रिपोर्ट फोन पर दिल्ली दफ्तर में अपने सहयोगियों को सुनाते हैं क्योंकि अक्सर उनके पास ईमेल या फैक्स की सुविधा नहीं होती है. चांदनी हर महीने दो संपादकीय बैठक करती हैं ताकि अख़बार के विषय-वस्तु पर पैनी नज़र रखी जा सके.

इस अख़बार की क़ीमत दो रुपए है और इसे चेतना की ओर से आर्थिक मदद भी मिलती है. सरकार की ओर से अख़बार को कोई मदद नहीं मिलती. विज्ञापनदाता पाने में भी अख़बार को जूझना पड़ता है. 19 साल की शन्नो की पांचवी क्लास में पढ़ाई छूट चुकी थी. उन्हें कई-कई घंटों तक काम करना पड़ता था और शराबी पिता के साथ मजबूरन रहना पड़ता था. आज वो सोशल वर्क में स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं. उनका सपना एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने का है. वे अख़बार के रिपोर्टरों को प्रशिक्षित करती हैं. अख़बार की अगली संपादक चांदनी (जूनियर) के होने की उम्मीद है. वो कहती हैं, मैं अख़बार की सर्कुलेशन बढ़ाना चाहती हूं और इसे एक मुनाफा कमाने वाला उद्यम बनाना चाहती हूं.

अंतरात्मा हमारे अंदर की आवाज है जो चेतावनी देती है कि कोई हमें देख रहा है. –सुकरात

सप्ताह के व्रत-त्यौहार

12 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 (वैशाख कृष्ण पक्ष - बसंत ऋतु)

रविवार 12 अप्रैल
भद्रा दिन 8.59 से रात 9.19 बजे तक

सोमवार 13 अप्रैल
वरुथिनी एकादशी, श्री वल्लभाचार्य जयंती

मंगलवार 14 अप्रैल
मेष संक्रांति, सतुआनि

बुधवार 15 अप्रैल
बांग्ला नववर्ष, मासिक शिवरात्रि

गुरुवार 16 अप्रैल
भद्रा दिन 7.33 तक

शुक्रवार 17 अप्रैल
स्नान दान की अमावस्या

शनिवार 18 अप्रैल
चंद्रदर्शन

द्रौपदी ने क्यों दिया था घटोत्कच को श्राप?

ज्योतिष

नाड़ी दोष के प्रभाव बिगाड़ सकते हैं दांपत्य जीवन की स्थिति

कैसे जाने नाड़ी की स्थिति ?

नाड़ी दोष का प्रभाव

इन स्थितियों में नहीं लगता नाड़ी दोष

शीतला अष्टमी व्रत से रहें निरोग

कंजक पूजन की परम्परा

क्या है पुण्य फल?

कैसे होता है व्रत?

> इस दिन माता शीतला का पूजन करने से परिवार के लोग स्वस्थ एवं निरोग रहते हैं तथा माता शीतला अपने बच्चों पर कृपा करते हुए ठंडे झोंके प्रदान करती हैं ताकि किसी प्रकार का रोग परिवार के किसी सदस्य को न सताए. वैसे भी शीतलाष्टमी गर्मी के मौसम से पहले आती है तथा आगामी भीषण गर्मी से बचने के लिए पहले ही माता शीतला का पूजन करके उनकी कृपा प्रसाद रूप में प्राप्त की जाती है.

क्या लेकर आएं घर?

... छोलिया तथा बेर प्रसाद के रूप में लाना शुभ माना जाता है. बच्चों के लिए मिट्टी के खिलौने घर लाने की परम्परा बहुत पुरानी है. माता पर चढ़ाई गई लस्सी का कुछ भाग लाकर घर के सभी ओर छिड़का जाता है, जो माता के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है.

पूजा जाता है जेठा मंगल

कुछ लोग तो फाल्गुन मास की पूर्णिमा से तथा कुछ लोग फाल्गुन मास की संक्रांति से माता शीतला पर लस्सी चढ़ाना शुरू कर देते हैं. वे महीना भर माता शीतला की पूजा करते हैं. माता शीतला का पूजन होली के बाद पहले मंगलवार से भी किया जाता है क्योंकि उस दिन जेठा मंगलवार पूजने की परम्परा भी काफी पुरानी चल रही है.

संस्कारवान के स्वयं खुलते हैं द्वार

बजरंगबली को कैसे मिलीं अलौकिक शक्तियां?

जामवंत को दिलाना पड़ा था याद

क्या आपने कभी सोचा है कि हनुमान जी को यह अलौकिक शक्तियां कहां से प्राप्त हुई थी? आज की इस खबर में हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं. आइए जानते हैं.

हनुमान जी की कहानी जितनी रहस्यमयी है, उतनी ही प्रेरणादायक भी है. उनकी अलौकिक शक्तियां किसी मंत्र से नहीं, बल्कि एक दिव्य योजना का परिणाम थीं. उनका जन्म स्वयं एक चमत्कार था. अंजनी और केसरी की गोद में जन्मे इस बालक में वायु देव ने प्राण फूंके थे. इसलिए वे पवनपुत्र कहलाए. उनके जन्म के साथ ही विशेष तेज, बल और गति का संचार हुआ, जैसे सृष्टि ने स्वयं उन्हें किसी महान कार्य के लिए तैयार किया हो. लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि हनुमान जी को यह अलौकिक शक्तियां कहां से प्राप्त हुई थी? आज की इस खबर में हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं. आइए जानते हैं.

यह है बचपन की कहानी

बजरंगबली के बचपन की एक घटना ने समस्त देवताओं का ध्यान उनकी ओर खींच लिया. एक दिन, जब बालक हनुमान ने आकाश में चमकते हुए सूर्य को देखा तो उन्हें वह एक बड़ा लाल फल समझ लिया. भूख से व्याकुल होकर वे बिना संकोच आकाश की ओर उड़ चले और सूर्य को निगलने की कोशिश करने लगे. इस घटना से ब्रह्मांड में अंधकार छा गया. घबराकर इंद्र देव ने अपने वज्र से उन पर प्रहार किया, जो उनकी ठोड़ी पर लगा और वे मूर्छित होकर धरती पर गिर पड़े. यह दृश्य देख पवन देव इतने क्रोधित हुए कि उन्होंने पूरे संसार से वायु हटा ली. जीव-जन्तु, देव और मानव, सब सांसों के लिए तड़पने लगे.

देवताओं ने दिया वरदान

देवताओं को समझ आ गया कि यह कोई साधारण बालक नहीं है. पवन देव को प्रसन्न करने के लिए सभी प्रमुख देवता प्रकट हुए और हनुमान जी को ऐसे वरदान दिए, जो उन्हें एक दिव्य योद्धा में बदलने वाले थे. ब्रह्मा ने उन्हें किसी भी शस्त्र से अजेय बना दिया, भगवान शिव ने अतुल बुद्धि और पराक्रम दिया, विष्णु जी ने धर्म में अटूट विजय का आशीर्वाद दिया, अग्नि ने उन्हें अग्नि से अघात्य किया, वरुण ने जल से मुक्तता दी, यमराज ने मृत्यु के भय से उन्हें ऊपर उठा दिया और इंद्र ने, जो वज्र उन्होंने फेंका था, उसी को शक्ति का प्रतीक बनाकर हनुमान की ठोड़ी को बलशाली बनाया. इसी वजह से उन्हें हनुमान कहा जाता है.

ऋषियों ने दिया था यह वरदान

हनुमान जी को यह चमत्कारी शक्तियां उन्हें तुरंत स्मरण नहीं रहीं. ऋषियों ने उन्हें एक विशेष वरदान के रूप में यह भी दिया कि वे अपनी शक्तियां तभी याद करेंगे जब कोई उन्हें इसके योग्य ठहराएगा. यह वरदान उनके अहंकार को पूरी तरह समाप्त करता था. वर्षों बाद जब रामायण के काल में हनुमान जी के लंका जाने की योजना बनी और कोई मार्ग नहीं सूझा, तब जामवंत ने उन्हें उनकी असली शक्ति की याद दिलाई. जैसे ही उन्हें अपनी दिव्यता का आभास हुआ, वे आकाश की ओर उड़े और समुद्र को लांघते हुए लंका पहुंच गए. वहां उन्होंने न केवल सीता माता का पता लगाया, बल्कि रावण की सेना में भी हाहाकार मचा दिया.

हनुमान जी के पास हैं आध्यात्मिक शक्तियां

हनुमान जी की शक्तियाँ केवल भौतिक नहीं थीं, वे आध्यात्मिक भी थीं. उनकी सबसे बड़ी शक्ति थी, उनकी भक्ति. श्रीराम के लिए उनकी निस्वार्थ भक्ति ही थी, जहां से वे सब कुछ प्राप्त करते थे. उनका जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति केवल बल में नहीं होती, वह सेवा, श्रद्धा और समर्पण में होती है.

अग्नि के अवतार थे महाप्रभु वल्लभाचार्य

13 अप्रैल : जयंती पर विशेष

> रुद्र संप्रदाय के विल्वमंगलाचार्य जी द्वारा इन्हें अष्टाक्षर गोपाल मंत्र की दीक्षा दी गई और त्रिदंड संन्यास की दीक्षा स्वामी नारायणेंद्रतीर्थ से प्राप्त हुई. 52 वर्ष की आयु में उन्होंने सन 1530 में काशी में हनुमानघाट पर गंगा में प्रविष्ट होकर जल-समाधि ले ली.

... परमानंद दास.
वल्लभाचार्य का दर्शन : वल्लभाचार्य अनुसार तीन ही तत्व हैं ब्रह्म, ब्रह्मांड और आत्मा. अर्थात ईश्वर, जगत और जीव. उक्त तीन तत्वों को केंद्र ... लेकिन उसके मूल सूत्र वेदांत में ही निहित हैं.
उन्होंने रुद्र सम्प्रदाय के प्रवर्तक विष्णु स्वामी के दर्शन का अनुसरण तथा विकास करके अपना शुद्धद्वैत मत या पुष्टिमार्ग प्रतिष्ठित किया था.

विष्णु जी ने दिया था लक्ष्मी जी को श्राप

देवी भागवत पुराण के छठे स्कंद में श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी के पुत्र का वर्णन मिलता है. एक कथा के अनुसार, श्री हरि विष्णु ने लक्ष्मी जी को घोड़ी होने का श्राप दे दिया था. इसके बाद लक्ष्मी जी घोड़ी बन गईं और तमसा-यमुना नदी के संगम पर जाकर रहने लगीं. वहां लक्ष्मी जी ने भगवान शिव जी की आराधना की.

शिवजी ने दिया वरदान : लक्ष्मी जी की भक्ति भावना देखकर भगवान शिव ने प्रसन्न होकर लक्ष्मी जी को वरदान दिया कि जल्द ही श्री हरि विष्णु उनका सानिध्य प्राप्त करेंगे और उनसे पुत्र की प्राप्ति

होगी. इसके बाद भगवान शिव ने अपने चित्ररूप को विष्णु जी के पास भेजा. चित्ररूप ने भगवान विष्णु जी से कहा कि लक्ष्मी जी से भेंट करें. तब विष्णु जी ने कहा कि मैं लक्ष्मी जी से भेंट करने जाऊंगा और शिवजी के वरदान स्वरूप लक्ष्मी जी को वापस लेकर आऊंगा.

श्री हरि पहुंचे मां लक्ष्मी के पास : इसके बाद भगवान विष्णु अश्व का रूप धारण करके तमसा और यमुना नदी के किनारे पहुंच गए, जहां मां लक्ष्मी घोड़ी के रूप में बैठी थीं. मां लक्ष्मी ने घोड़े के रूप में विष्णु जी को पहचान लिया. इसके बाद विष्णु जी और लक्ष्मी जी के संयोग से एक हैहय नाम का बालक उत्पन्न हुआ. उस बालक को विष्णु जी और लक्ष्मी जी जंगल में ही छोड़ कर चले गए. फिर लक्ष्मी जी और विष्णु जी पुन: अपने स्वरूप में आ गए.

विष्णु जी ने राजा हरीवर्मा को सौंप दिया था पुत्र : दूसरी तरफ एक हरीवर्मा नाम का राजा भगवान श्री विष्णु के जैसा बालक प्राप्त करने के लिए विष्णु जी की तपस्या कर रहा था. उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर विष्णु जी ने हरीवर्मा को दर्शन दिए और कहा कि मैंने एक पुत्र उत्पन्न किया है, जिसे तुम अपना पुत्र समझ कर ले जाओ. वह बालक तमसा और यमुना नदी के किनारे है. राजा हरीवर्मा बालक को अपने साथ ले गये. आगे चलकर वह बालक एकवीर नाम से प्रसिद्ध हुआ.

श्रीरामचरितमानस के चमत्कार

1. जिस घर में 1 माह में मात्र पूर्णिमा को प्रति माह रामायण का पाठ होता है उस घर में अकाल मृत्यु नहीं होती है.
2. जिस घर में श्री रामचरितमानस रखी होती है वहां कभी भूत, पिशाच, प्रेतों का वास नहीं होता है.
3. जिस घर में रामायण के पास शाम के समय दीपक जलाया जाता है उस घर में अन्न की कमी कभी नहीं होती है.
4. जिस घर में श्री रामचरितमानस के पास सुबह शाम दीपक प्रतिदिन जलाया जाता है उस घर में आरोग्य बढ़ता है. बीमारियां कम होती हैं.
5. जिस घर में यदि श्री रामचरितमानस की शाम के समय दीपक जलाकर श्री रामचरितमानस की आरती प्रतिदिन होती है उस घर पर श्रीराम जी की कृपा सदैव रहती है और घर में शांति का वातावरण रहता है. प्रभु की कृपा रहती है.
6. जिस घर में प्रति सप्ताह रामायण का पाठ होता है उस घर पर श्रीराम जी व माता सीता जी की कृपा सदैव रहती है. उस घर में बच्चों की वृद्धि होती है.
7. जिस घर में प्रतिदिन रामायण का पाठ होता है. उस घर पर भगवान शिव, श्रीराम जी, सीता जी, श्री हनुमानजी, शनिदेव, नव ग्रह, 33 कोटि देवी देवताओं की सदैव कृपा रहती है.
8. उस घर से द्रिद्रता भाग जाती है, उस परिवार का यश बढ़ने लगता

है, उस घर पर साक्षात माँ लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है. बच्चों को कभी भय नहीं लगता है. भूत, प्रेत, पिशाच वहां प्रवेश नहीं कर सकते हैं . वह घर सुख, शान्ति, समृद्धि, धन, अन्न, संतान, मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदारों आदि से परिपूर्ण होता है.
9. रामायण की एक एक चौपाई लाखों मंत्रो के बराबर है और हर चौपाई कुछ न कुछ देने वाली है. हर भारतीय के घर में रामायण होनी चाहिये.

समस्त पापों को नाश करती है वरुथिनी एकादशी

24 अप्रैल : व्रत पर विशेष

> शास्त्रों में कहा गया है कि हाथी का दान घोड़े के दान से श्रेष्ठ है. हाथी के दान से भूमि दान, भूमि के दान से तिलों का दान, तिलों के दान से स्वर्ण का दान तथा स्वर्ण के दान से अन्न का दान श्रेष्ठ है. अन्न दान के बराबर कोई दान नहीं है. अन्नदान से देवता, पितर और मनुष्य तीनों तृप्त हो जाते हैं. शास्त्रों में इसको कन्यादान के बराबर माना है.

माता सीता को अशोक वाटिका में दिव्य खीर खिलाने आए थे देवता

रावण को रंभा नाम की अप्सरा ने दिया था शाप

... भाई कुबेर के पुत्र नलकुबेर की प्रेमिका हूं इसलिए मैं आपकी पुत्रवधु हुई लेकिन रावण ने रंभा की एक नहीं सुनी और उसके साथ दुराचार किया. रावण के इस काम से क्रोधित होकर रंभा ने रावण को शाप दिया कि भविष्य में यदि रावण किसी भी स्त्री को उसकी मर्जी के बिना स्पर्श करेगा, तो उसके सिर के सौ टुकड़े हो जाएंगे. यही वजह है कि रावण ने माता सीता को कभी स्पर्श नहीं किया.

नारद मुनि के त्याग का रहस्य

नारदजी को लगा कि सेमर का वृक्ष अभिमान के नशे में ऐसे वचन बोल रहा है. उन्हें यह उचित प्रतीत न हुआ और झुंझलाते हुए सुरलोक को चले गये. सुरपुर में जाकर नारदजी ने पवन से कहा.. 'अमुक वृक्ष अभिमान पूर्वक दर्प वचन बोलता हुआ आपकी निन्दा करता है, सो उसका अभिमान दूर करना चाहिए.' पवन को अपनी निन्दा करने वाले पर बहुत क्रोध आया और वह उस वृक्ष को उखाड़ फेंकने के लिए बड़े प्रबल प्रवाह के साथ आँधी तूफान की तरह चल दिया.

एक बार महर्षि नारद ज्ञान का प्रचार करते हुए किसी सघन बन में जा पहुँचे. वहाँ उन्होंने एक बहुत बड़ा घनी छाया वाला सेमर का वृक्ष देखा और उसकी छाया में विश्राम करने के लिए ठहर गये.
नारदजी को उसकी शीतल छाया में आराम करके बड़ा आनन्द हुआ, वे उसके वैभव की भूरि भूरि प्रशंसा करने लगे.
उन्होंने उससे पूछा कि वृक्ष राज तुम्हारा इतना बड़ा वैभव किस प्रकार सुस्थिर रहता है? पवन तुम्हें गिराती क्यों नहीं?
सेमर के वृक्ष ने हंसते हुए ऋषि के प्रश्न का उत्तर दिया कि- भगवान्! बेचारे पवन की कोई सामर्थ्य नहीं कि वह मेरा बाल भी बाँका कर सके. वह मुझे किसी प्रकार गिरा नहीं सकता.
नारदजी को लगा कि सेमर का वृक्ष अभिमान के नशे में ऐसे वचन बोल रहा है. उन्हें यह उचित प्रतीत न हुआ और झुँझलाते हुए सुरलोक को चले गये.
सुरपुर में जाकर नारदजी ने पवन से कहा.. 'अमुक वृक्ष अभिमान पूर्वक दर्प वचन बोलता हुआ आपकी निन्दा करता है, सो उसका अभिमान दूर करना चाहिए.'
पवन को अपनी निन्दा करने वाले पर बहुत क्रोध आया और वह उस वृक्ष को उखाड़ फेंकने के लिए बड़े प्रबल प्रवाह के साथ आँधी तूफान की तरह चल दिया. सेमर का वृक्ष बड़ा तपस्वी परोपकारी और ज्ञानी था, उसे

भावी संकट की पूर्व सूचना मिल गई. वृक्ष ने अपने बचने का उपाय तुरन्त ही कर लिया. उसने अपने सारे पत्ते झाड़ डाले और ठूंठ की तरह खड़ा हो गया. पवन आया उसने बहुत प्रयत्न किया पर ठूँठ का कुछ भी बिगाड़ न सका. अन्ततः उसे निराश होकर लौट जाना पड़ा.

कुछ दिन पश्चात् नारदजी उस वृक्ष का परिणाम देखने के लिए उसी बन में फिर पहुँचे, पर वहाँ उन्होंने देखा कि वृक्ष ज्यों का त्यों हरा भरा खड़ा है. नारदजी को इस पर बड़ा आश्चर्य हुआ.
उन्होंने सेमर से पूछा- पवन ने सारी शक्ति के साथ तुम्हें उखाड़ने की चेष्टा की थी पर तुम तो अभी तक ज्यों के त्यों खड़े हुए हो, इसका क्या रहस्य है?
वृक्ष ने नारदजी को प्रणाम किया और नम्रता पूर्वक निवेदन किया- ऋषिराज! मेरे पास इतना वैभव है पर मैं इसके मोह में बँधा हुआ नहीं हूँ. संसार की सेवा के लिए इतने पत्तों को धारण किये हुए हूँ, परन्तु जब जरूरत समझता हूँ इस सारे वैभव को बिना किसी हिचकिचाहट के त्याग देता हूँ और ठूँठ बन जाता हूँ. मुझे वैभव का गर्व नहीं था वरन् अपने ठूँठ होने का अभिमान था इसीलिए मैंने पवन की अपेक्षा अपनी सामर्थ्य को अधिक बताया था. आप देख रहे हैं कि उसी निर्लिप्त कर्मयोग के कारण मैं पवन की प्रचंड टक्कर सहता हुआ भी यथा पूर्व खड़ा हुआ हूँ. नारदजी समझ गये कि संसार में वैभव रखना, धनवान होना कोई बुरी बात नहीं है. इससे तो बहुत से शुभ कार्य हो सकते हैं. बुराई तो धन के अभिमान में डूब जाने और उससे मोह करने में है. यदि कोई व्यक्ति धनी होते हुए भी मन से पवित्र रहे तो वह एक प्रकार का साधु ही है. ऐसे जल में कमल की तरह निर्लिप्त रहने वाले कर्मयोगी साधु के लिए घर ही तपोभूमि है.

गिद्धराज जटायु के पिता अरुण हैं सूर्यदेव के रथ के सारथी

बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि सीता हरण के समय जिस गिद्धराज जटायु ने माता सीता को बचाने का प्रयास किया था, उनके पिता अरुण हैं. अरुण सूर्यदेव के रथ के सारथी भी हैं. जटायु की मृत्यु के बाद भगवान राम ने जटायु का अंतिम संस्कार गोदावरी नदी के तट पर किया था. छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य में गिद्धराज जटायु का प्रसिद्ध मंदिर भी है.

33 करोड़ देवी-देवता नहीं, 33 देवी-देवता हैं

आपने अक्सर सुना होगा कि लोग कहते हैं हिन्दू धर्म में 33 करोड़ देवी-देवता हैं लेकिन रामायण के अरण्डकांड के 14वें सर्ग के 14वें श्लोक में इस बात का उल्लेख किया गया है कि केवल 33 देवी-देवता हैं जिन्हें आमतौर पर 33 कोटि के देवी-देवता कहा जाता है. रामायण ग्रंथ के अनुसार बारह आदित्य, आठ वसु, ग्यारह रुद्र और दो अश्विनी कुमार यही 33 कोटि के देवी-देवताओं की श्रेणी है.

शूर्पनखा ने मन ही मन दिया था रावण को शाप

रावण की बहन शूर्पनखा राजा कालकेय के सेनापति विद्युतजिव्ह से प्रेम करती थी. शूर्पनखा विद्युतजिव्ह से विवाह करना चाहती थी लेकिन रावण ने राजा कालकेय के राज्य पर विजय प्राप्त करने के बाद विद्युतजिव्ह का वध कर दिया. रावण यह बात जानता था कि उसकी बहन विद्युतजिव्ह से विवाह करना चाहती है लेकिन फिर भी उसने अपनी विजय को सबसे ऊपर रखा. जब शूर्पनखा को इस बात का पता चला, तो उसने अपने प्रेमी की मृत्यु पर मौन विलाप किया और अपने भाई रावण को मन ही मन शाप दिया कि जिस तरह तूने मेरा घर बसने से पहले ही उजाड़ दिया है उसी तरह मैं भी तेरे घर, परिवार और पूरे कुल के विनाश का कारण बनूंगी. तेरा विनाश मेरे ही कारण होगा.

क्यों पहले के समय में गोबर से होती थी घर की लीपाई?

आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि पहले के समय में घर को गोबर से क्यों लीपा जाता है. क्या ये सिर्फ एक चली आ रही कोई परंपरा थी, या इसके पीछे कुछ कारण भी थे? आइए जानते हैं.
आज भी जब हम गांव जाते हैं तो सुबह की पहली किरण के साथ जो सोंधी खुशबू उठती थी, वह सिर्फ मिट्टी की नहीं, गोबर से लिपे आंगनों की होती थी. यह परंपरा असल में सनातन धर्म की उन गहराइयों से जुड़ी है जहां हर वस्तु का एक दिव्य और व्यावहारिक अर्थ छुपा होता है. गोबर से घर लीपने से वह शुद्ध और ठंडा बना रहता है. तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि पहले के समय में घर को गोबर से क्यों लीपा जाता है. क्या ये सिर्फ एक चली आ रही कोई परंपरा थी, या इसके पीछे कुछ कारण भी थे? आइए जानते हैं.

पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक

सनातन परंपरा में गोबर को पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक माना गया है. किसी भी धार्मिक आयोजन से पहले जब घर के आंगन को गोबर से लिपा जाता है, तो वह सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि भूमि को ऊर्जा देने की एक क्रिया होती है. शास्त्रों में तो यहां तक कहा गया है कि गोबर में लक्ष्मी का वास होता है . इसलिए कहते हैं, गोमय वसते लक्ष्मी. इसका अर्थ यही है कि जहां गोबर है, वहां समृद्धि, सकारात्मकता और पवित्रता खुद आ जाती है.

> किसी भी धार्मिक आयोजन से पहले जब घर के आंगन को गोबर से लिपा जाता है, तो वह सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि भूमि को ऊर्जा देने की एक क्रिया होती है.

पंचगव्य बनाने में भी आता है काम

गोबर केवल धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल नहीं होता है, बल्कि यह पंचगव्य का भी एक आवश्यक हिस्सा है, जिसमें गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी आदि शामिल है. इन पांच तत्वों का मिश्रण न केवल आध्यात्मिक शुद्धिकरण करता है, बल्कि यह आयुर्वेद में एक औषधीय तत्व के रूप में भी प्रयोग होता है. कुछ पुराणों में यह साफ बताया गया है कि पंचगव्य का सेवन पापों को हरने वाला और रोगों को मिटाने वाला होता है.

शुभ कार्य के दौरान किया जाता है इस्तेमाल

धार्मिक ग्रंथों में गोबर का जो स्थान है, इसे किसी भी प्रकार से बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया गया है. अथर्ववेद से लेकर गरुड़ पुराण और मनुस्मृति तक में गोबर और गाय से जुड़े पदार्थों की महिमा का वर्णन मिलता है. इसलिए जब भी घर में कई त्यौहार मनाया जाता है या फिर कोई शुभ कार्य, जैसे कि हवन या पूजा किया जाता है तो पूरे घर को गोबर से लीपा जाता है, जिससे घर में लक्ष्मी का वास हो और घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि हो.

मक्खियों, मच्छरों को भी दूर भगाता है

बता दें कि गोबर कीट-पतंगों से रक्षा करने में काफी असरदार साबित होता है. गोबर से घर में मक्खियां, मच्छर, और कीट दूर रहते हैं. यही कारण है कि गांवों में गोबर से लिपे घरों में रोगों का प्रकोप कम देखा गया है. इसके अलावा, यह पूरी तरह जैविक है, पर्यावरण के अनुकूल है, और धरती को हानि नहीं पहुंचाता.

साप्ताहिक राशिफल

दिनांक 12 अप्रैल से 18 अप्रैल, 2026 तक
पं. बिमल जैन, 9451893987

मेष-(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)

वृषभ-(ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

... में निराशा का सामना करना पड़ेगा. मनोरथ अधूरे रहेंगे. व्यवहार में लापरवाह हानिकारक सिद्ध होगी. आर्थिक लेन-देन में परिश्रम से नुकसान होगा. व्यर्थ की भागदौड़ में समय नष्ट होगा. धर्म अध्यात्म की ओर रुचि रहेगी. उपाय : माता भगवती लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए प्रत्येक शुक्रवार के दिन गरीबों में सफेद रंग की वस्तुओं का दान करें. वास्तुटिप्स : घर में आलमारी खुलने की दिशा दक्षिण में नहीं होना चाहिए.

मिथुन-(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक समय विपरीत रहेगा. विशेष परिश्रम के बावजूद प्रगति में संशय रहेगा. शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश करेंगे. धन हानि की आशंका रहेगी. जीवन साथी से असहयोग होगा. कार्य व्यवसाय में निराशा रहेगी. 12 से 18 अप्रैल तक अभीष्ट सिद्धि का प्रयास सार्थक होगा. भाग्योन्नति हेतु नवीन आयाम बनेंगे. नौकरी में पदोन्नति या स्थानान्तरण हेतु विषयक मसला पक्ष में सुलझने को होगा. मनोकूल कार्यों में सफलता मिलेगी. आत्मबल में वृद्धि होगी. मित्रों-प्रियजनों सुपरिचितों के माध्यम से किसी योजना की पूर्ति हेतु विचार-विमर्श होगा. स्वविवेक से लिया गया निर्णय हितकर साबित होगा. वैवाहिक सुख में उपस्थित अड़चनें दूर होंगी. सुसमाचार की प्राप्ति से परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा. पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सार्थक होगा. भौतिक सुख-सुविधा के साधन सुलभ होंगे. उपाय : श्रीगणेशजी के मन्दिर में मत्था टेकें. बुधवार के दिन गणेशजी का शृंगार भी करावें. वास्तुटिप्स : शयन कक्ष में रखा हुआ शृंगार मेज उत्तर या पूर्व दिशा में होना चाहिए.

कर्क-(हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक समय विपरीत रहेगा. विशेष परिश्रम के बावजूद प्रगति में संशय रहेगा. शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश करेंगे. धन हानि की आशंका रहेगी. जीवन साथी से असहयोग होगा. कार्य व्यवसाय में निराशा रहेगी. 12 से 18 अप्रैल तक अभीष्ट सिद्धि का प्रयास सार्थक होगा. भाग्योन्नति हेतु नवीन आयाम बनेंगे. नौकरी में पदोन्नति या स्थानान्तरण हेतु विषयक मसला पक्ष में सुलझने को होगा. मनोकूल कार्यों में सफलता मिलेगी. आत्मबल में वृद्धि होगी. मित्रों-प्रियजनों सुपरिचितों के माध्यम से किसी योजना की पूर्ति हेतु विचार-विमर्श होगा. स्वविवेक से लिया गया निर्णय हितकर साबित होगा. वैवाहिक सुख में उपस्थित अड़चनें दूर होंगी. सुसमाचार की प्राप्ति से परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा. पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सार्थक होगा. भौतिक सुख-सुविधा के साधन सुलभ होंगे. उपाय : श्रीगणेशजी के मन्दिर में मत्था टेकें. बुधवार के दिन गणेशजी का शृंगार भी करावें. वास्तुटिप्स : शयन कक्ष में रखा हुआ शृंगार मेज उत्तर या पूर्व दिशा में होना चाहिए.

सिंह-(मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

सप्ताह में 12 से 14 अप्रैल तक कठिनाइयों का निराकरण होगा. इच्छाशक्ति का विकास होगा. व्यावसायिक प्रगति होगी. श्रेष्ठजनों से सम्पर्क बनेगा. रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा. पारिवारिक मतभेद में कमी आयेगी. पुराने विवाद के समापन में मित्र सहायक होंगे. आपसी तालमेल से कार्य सिद्ध होगा. कठिनाइयों के निवारण का मार्ग प्रशस्त होगा. किसी योजना का सुपरिणाम प्राप्त होगा. संभावित यात्रा सुखद होगी. 15 व 18 को आशा के विपरीत घटनाएँ घटित होंगी. आकांक्षित सिद्धि में व्यतिक्रम की स्थिति रहेगी. आत्मीयजनों से वैमनस्यता रहेगी. विचारों में उग्रता रहेगी. स्पष्टवादिता आपके लिए घातक सिद्ध होगा. 18 अप्रैल को निराशा का समापन होगा. आय के नवीन स्रोत सामने आयेंगे. श्रेष्ठजनों के सहयोग से सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. उपाय : रविवार के दिन व्रत रखें एवं ग्रह से सम्बन्धित लाल रंग की वस्तुओं का दान भी करें. वास्तुटिप्स : घर में ट्यूबलाइट एवं बल्ब इस प्रकार लगावें कि उसकी रोशनी पूर्व एवं उत्तर की ओर अधिकतम रहे.

कन्या-(टो, पा, पी, पू, प, ण, ठ, पे, पो)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक समय संतोषजनक रहेगा. व्यापार उन्नतिकारक रहेगा. किसी के माध्यम से बकाये धन की प्राप्ति होगी. आपसी तालमेल से सुख शांति का मार्ग प्रशस्त होगा. ज्ञान-विज्ञान की ओर रुझान रहेगा. शुभ भावनाओं के उदय से आत्मिक शान्ति मिलेगी. महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे. वैवाहिक जीवन शान्तिपूर्ण रहेगा. कुछेक समस्याओं का सन्तोषजनक समाधान होगा. यात्रा संतोषजनक होगी. घरेलू वातावरण में सुखी व उल्लासमय रहेगा. भाग्योदय का मार्ग प्रशस्त होगा. व्यापार में धन निवेश होगा. पारिवारिक समस्यायें सुलझेंगी. 18 अप्रैल को दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता रहेगी. तनाव की स्थिति रहेगी. आहार-विहार की अनियमितता से स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ेगा. परिश्रम का लाभ नहीं मिल पायेगा. आपके व्यवहार से दूसरों को तकलीफ होगी. पारिवारिक मतभेद उजागर होंगे. उपाय : आपको शनि ग्रह की अढैया चल रही है. कीड़े-मकोड़ों को आटे में चीनी मिलाकर खिलावें. वास्तुटिप्स : देवकक्ष में देवी-देवता की पूजा-अर्चना नियमित करना चाहिए.

तुला-(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक निराशा रहेगी. आत्मविश्वास के अभाव में कार्य बिगड़ेंगे. आरोग्य सुख में व्यतिक्रम रहेगा. वाद-विवाद से अड़चनें रहेगी. गलतफहमी के शिकार होंगे. वाहन से भय रहेगा. 12 से 18 अप्रैल तक उन्नति का सुअवसर मिलेगा. अधूरी या नवयोजना की पूर्ति हेतु स्वजनों परिजनों मित्रों से सहयोग की प्राप्ति होगी. दाम्पत्य जीवन में मधुरता आयेगी. कार्यलाभ होगा. राजकीय पक्ष से अनुकूलता मिलेगी. पारिवारिक सौहार्द बना रहेगा. बौद्धिक क्षमता का विकास होगा. इच्छित पद की प्राप्ति होगी. शत्रु की हानि पहुँचाने की कोशिश असफल होगी. राजनीतिक सामाजिक क्रिया-कलापों में रुचि लेंगे. सहयोगियों की गतिविधियों से प्रसन्नता होगी. पारस्परिक सम्बन्धों में अपेक्षित सुधार होगा. मौजमस्ती के निमित्त अधिक खर्च करना पड़ेगा. आर्थिक पक्ष में प्रगति होगी. मानसिक राहत मिलेगी. उपाय : श्रीमहालक्ष्मी का दर्शन-पूजन करें. शुक्रवार का व्रत रखें तथा शुक्र ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करें. वास्तुटिप्स : पूजा घर में धन-सम्पत्ति छुपाकर नहीं रखना चाहिए.

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक समय संतोषजनक रहेगा. विविधि पक्षों में अनुकूलता मिलेगी. पूँजी का प्रतिफल प्राप्त होने को होगा. व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण घटना घटित होगी. 12 से 14 तक दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता रहेगी. सुख शान्ति में कमी रहेगी. कार्यों के प्रति उदासीनता रहेगी. अनावश्यक भ्रमण होगा. पुरुषार्थ के प्रति अरुचि रहेगी. 12 से 15 अप्रैल तक समय पर निजी जरूरतें पूरी हो जायेगी. प्रतिकूल परिस्थितियों पर विजय पायेंगे. आय के नवीन स्रोत बनेंगे. युक्ति से कार्य बनेंगे. दाम्पत्य जीवन में उपस्थित आपसी तनाव कम होगा. कार्य व्यवसाय में विस्तार हेतु किये जा रहे प्रयास सफल होंगे. समय कार्य क्षमता में वृद्धि होगी. उपहार एवं सम्मान का लाभ मिलेगा. विरोधियों का वर्चस्व कम होगा. राजनैतिक क्रियाकलापों में अभिरुचि रहेगी. वरिष्ठजनों की सलाह समय पर काम आयेगी. उपाय : श्रीहनुमान चालीसा का पाठ करें. शनिवार के दिन काले उड़द के आटे की गोलियाँ मछलियों को देवें. वास्तुटिप्स : अध्ययन कक्ष में टी.वी. नहीं होना चाहिए.

धनु-(ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढ़ा, ढ़े)

सप्ताह में 12 से 14 अप्रैल तक ग्रहयोग पक्ष में रहेगा. व्यावसायिक आर्थिक लाभ होगा. आरोग्य सुख मिलेगा. विरोधी पराभूत होंगे. नवयोजना साकार होने को होगी. यात्रा संतोषजनक होगी. शुभ विचारों के उदय से आत्मिक आनन्द प्राप्त होगी. आपसी सम्बन्धों में मधुरता रहेगी. मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति रहेगी. सुपरिचितों का सहयोग मिलेगा. विवादास्पद मसला सुलझने की ओर होगा. विशिष्टजनों से सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त होगा. 15 व 18 को उलझनें प्रभावी रहेंगी. बने बनाये कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. साझेदारी के व्यापार में हानि की आशंका रहेगी. विरोधियों से परेशान रहेंगे. जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी. 18 अप्रैल को समय प्रगति में सहायक रहेगा. विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त होगा. अभीष्ट कार्यों में प्रगति होगी. उपाय : वृहस्पतिवार के व्रत से आशाएँ पूर्ण होने को होगी. पीली वस्तुओं का दान करें. वास्तुटिप्स : भवन में उत्तर दिशा, ईशान दिशा, पूर्व दिशा, वायव्य दिशा में हल्का सामान रखना शुभफलप्रद रहता है.

मकर-(भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक बहुप्रतीक्षित कार्यों के बनने से प्रसन्नता होगी. व्यापार में विस्तार या नवपरिवर्तन की योजना बनेगी. मानसिक प्रसन्नता होगी. बुद्धि चातुर्य से कुछेक समस्यायें सुलझेंगी. परिवार में मांगलिक आयोजन सम्पन्न होगा. नवीन कार्य की रूपरेखा बनेगी. यात्रा होगी. प्रसन्नता होगी. सत्संग से आत्मिक शांति मिलेगी. अकल्पित धन की प्राप्ति होगी. घरेलू वातावरण सुखद रहेगा. भौतिक सुख-सुविधा के साधन सुलभ होंगे. नवसम्पर्क उपयोगी होंगे. समय अनुकूल रहेगा. मनोविनोद के अवसर सुलभ होंगे. राजनीतिक लाभ लेने हेतु प्रयत्नशील रहेंगे. व्यक्तित्व का विकास होगा. 18 अप्रैल को निराशा का सामना करना पड़ेगा. वैचारिक स्थिरता का अभाव रहेगा. दूसरों की भूल से स्वयं का हानि उठानी पड़ेगी. सामयिक कार्यों में अवरोध आयेगा. आर्थिक समस्या बढ़ेगी. परिवार में मतभेद उत्पन्न होगा. उपाय : श्रीबटुक भैरव की आराधना करें. शनिवार के दिन काले कुत्ते को मीठी रोटी खिलायें. वास्तुटिप्स : दक्षिण दिशा की तरफ पैर करके नहीं सोना चाहिए.

कुम्भ-(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक उलझनें प्रभावी रहेगी. कार्य में मन नहीं लगेगा. इच्छित पद की प्राप्ति में अड़चनें आयेगी. व्यवसाय से असंतोष रहेगा. चोट-चपेट की संभावना रहेगी. अध्ययन में व्यतिक्रम रहेगा. पदोन्नति में व्यवधान आयेगा. दूसरों के झूठे आश्वासन मिलेंगे. 12 से 18 अप्रैल तक सफलता का सुयोग बनेगा. विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त होगा. वैवाहिक जीवन में सुख शान्ति की अनुभूति होगी. किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त होगा. व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी. समस्याओं के समापन में स्वयं का निर्णय लाभकारी होगा. पारिवारिक सामाजिक कृत्यों के प्रति रुचि जागृत होगी. शिक्षा एवं प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. स्वास्थ्य की ओर रुझान रहेगा. अधूरी योजना की पूर्ति होगी. मन प्रसन्न रहेगा. नव उत्तरदायित्व का निर्वाह करना पड़ेगा. उपाय : श्रीसंकटमोचन हनुमानजी का दर्शन-पूजन करें. शनिवार के दिन श्री शनि स्तोत्र का पाठ करें. वास्तुटिप्स : देव कक्ष में देवी-देवता की तस्वीर या मूर्ति शुद्ध रूप से सम्पूर्ण होना चाहिए.

मीन-(दी, दू, थ, झ, भ, दे, दो, चा, ची)

सप्ताह में 12 से 18 अप्रैल तक समय शुभ रहेगा. आय के नवीन स्रोत सामने आयेंगे. जटिल समस्याओं के समाधान के लिए प्रियजनों एवं नूतन पुरातन मित्रों से विचार विनिमय होगा. 12 से 14 तक आरोग्य सुख में कमी रहेगी. धन हानि की आशंका रहेगी. विचारित कार्यों में अपूर्ण रहेंगे. बात-बात पर क्रोध आयेगा. यात्रा में असुविधा होगी. योजना अधूरी रहेगी. 12 से 18 अप्रैल तक उच्चाधिकारियों से सम्पर्क लाभदायी होगा. स्वास्थ्य सुधार पर होगा. कार्य व्यवसाय अर्थ पक्ष में प्रगति का सुयोग बनेगा. धनोपार्जन की ओर प्रवृत्ति होगी. वाद-विवाद की स्थिति में कमी आयेगी. निजी जिन्दगी में सुख सुविधा के जरूरी साधन उपलब्ध होंगे. परिवार में आपसी सामंजस्य बना रहेगा. मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न होंगे. सुसंदेश की प्राप्ति होगी. भोग विलासिता की ओर रुझान रहेगा. लाभ मिलेगा. उपाय : श्री हनुमान जी की पूजा-अर्चना करे और श्री हनुमान चालीसा का पाठ करें. वास्तुटिप्स : पूजा घर में महाभारत की प्रतिमाएँ, प्राणि तथा पक्षियों का चित्र नहीं होना चाहिए.

लंच में बना लें टेस्टी स्पाइसी यखनी पुलाव

इस रेसिपी को सब बार-बार खाने की करेंगे डिमांड

लंच में कुछ टेस्टी और आसान सा बनाने का मन है. जिसे पूरे फैमिली खा सके तो फटाफट से यखनी पुलाव बना लें. वेज बिरियानी और वेज पुलाव तो अक्सर ही बनाती होंगी लेकिन यखनी पुलाव एक बार बनाकर सबको खिला देंगी तो बार-बार इसे ही बनाने की डिमांड होगी. तो बस नोट कर लें आसान सी रेसिपी और रेडी पुलाव को रायता और चटनी के साथ सर्व करें.

NEETI SODHANI
from - A to Z Cooking

यखनी पुलाव बनाने की सामग्रीः

- चार कप पानी
- एक चम्मच साबुत धनिया
- एक चम्मच शाह जीरा अगर ना हो तो जीरा
- एक चम्मच जीरा
- एक चम्मच सौंफ
- पांच से छह लौंग
- दस से बारह काली मिर्च
- एक बड़ी इलायची
- दो छोटी इलायची
- एक जावित्री का टुकड़ा
- एक चक्रफूल
- एक टुकड़ा दालचीनी
- दो तेजपत्ता
- प्याज घिसी हुई
- अदरक
- लहसुन आठ से दस
- धनिया की डंठल
- पांच से छह हरी मिर्च
- नमक स्वादानुसार
- बासमती चावल

यखनी पुलाव बनाने की रेसिपीः सबसे पहले किसी बड़े बर्तन में चार कप पानी लें और उसे गर्म होने के लिए रख दें. फिर इसमें सारे खड़े मसालों को एक साथ डाल दें. एक प्याज को घिसकर पानी में डाल दें. और साथ ही लहसुन को भी घिस कर डालें. अदरक को भी घिस लें और फिर पानी में डाल दें. हरी धनिया की डंठल और हरी मिर्च को दो भाग करके डाल दें. जिससे पानी में टेस्ट बढ़कर आए. इस पानी में नमक स्वादानुसार और साथ ही तेजपत्ता भी दो से तीन तोड़कर डाल दें. इस पानी को गैस पर उबलने के लिए छोड़ दें और जब पानी आधा हो जाए तब गैस की फ्लेम को बंद कर दें. पानी रखने के बाद चावलों को नापकर धो दें और किनारे रख दें. एक मीडियम साइज के आलू को छीले और बड़े टुकड़ों में काट लें. इसके साथ ही मनचाही सब्जियों को ले सकती हैं. जैसे फूलगोभी, बींस, गाजर को भी काट लें. मीडियम साइज में सारी सब्जियों को काट लें. स्वाद के लिए पनीर भी ले सकती हैं. अब पानी उबल चुका है तो इसे गैस पर से उतारकर छान लें. पुलाव बनाने के लिए किसी कड़ाही या हांडी को लें. उसमे तेल डालें और दो प्याज को लंबा-लंबा काट कर ब्राउन करके निकाल लें. इसी तेल में पनीर को भी फ्राई कर लें. साथ ही आलू को भी फ्राई कर लें और बाकी सब्जियों को भी इसी तरह से तेल में फ्राई करें और इसी में मटर के साथ बड़े टुकड़ों में कटे हुए टमाटर डाल दें. साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर सारी चीजों को फ्राई कर लें. इसी में हरी धनिया डाल दें और साथ ही भीगे चावलों को डालकर धीरे-धीरे चलाएं. चावलों की मात्रा के हिसाब से तैयार मसाले वाले पानी यानी यखनी को डाल दें. बस इसे ढंक दें और पकने दें. मीडियम फ्लेम पर पकाएं. जब चावल अच्छे से बड़े हो जाएं तो ढक्कन खोलकर इसमे सुनहरे प्याज को डाल दें और साथ ही हरी मिर्च भी डाल दें. धीमी फ्लेम पर कर के इसे ढक्कन ढंककर पकाएं. दस मिनट में गैस बंद कर दें और फिर कुछ देर ढंककर फिर खोलें और गर्मागर्म पुलाव को चटनी के साथ सर्व करें.

मतदान और प्रजातंत्र

प्रजातंत्र को अक्सर जनता का, जनता के द्वारा, और जनता के लिए कहा जाता है. लेकिन यह विचार तभी सार्थक होता है जब नागरिक इसमें सक्रिय भाग लेते हैं-और भाग लेने का सबसे सशक्त माध्यम है मतदान. प्रजातंत्र में जो स्वर्णिम अवसर मत दान करने का मिला है उसे हमे नहीं गँवाना चाहिये मतदान प्रजातंत्र का एक ऐसा शस्त्र है जो किसी भी बड़े से बड़े राजनीतिक योद्धा को चारों खाने चित्त कर सकता है. मतदान केवल एक अधिकार नहीं है; यह हमारी जिम्मेदारी भी है. यह जनता की आवाज़ है. जब हम वोट देते हैं, तो हम केवल एक नेता का चयन नहीं करते, बल्कि अपने देश के भविष्य को आकार देते हैं. हर एक मत में यह शक्ति होती है कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और समाज के समग्र विकास को प्रभावित कर सके. भारत में मतदान का अधिकार भारतीय संविधान के आर्टिकल 326 द्वारा दिया गया है, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करता है. इसका अर्थ है कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का प्रत्येक नागरिक, बिना किसी भेदभाव के, मतदान कर सकता है. यह हमारे लोकतंत्र में समानता की सच्ची भावना को दर्शाता है. केवल मतदान का अधिकार होना ही पर्याप्त नहीं है. हमें इसका सही और समझदारी से उपयोग करना चाहिए. वोट कभी भी व्यर्थ नहीं जाना चाहिए और न ही इसे किसी लालच में बेचना चाहिए. हमें उम्मीदवारों के चरित्र, नीतियों और दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर सोच-समझकर मतदान करना चाहिए. जागरूक मतदाता ही एक मजबूत राष्ट्र की पहचान होता है. दुर्भाग्यवश, आज भी कई लोग मतदान नहीं करते. सिर्फ इसलिये नहीं कि लोग आलसी हैं या छुट्टियाँ मनाना चाहते हैं या मतदान के महत्व को नहीं जानते हैं. मतदान न करने के कई कारण है- मजाक में एक बात लिख रहा हूँ. मत दान नकारात्मक शब्द से बना हुआ है. मत मतलब नहीं. यानी दान नहीं . वैसे भी दान स्वेच्छा से दिया जाता है. अतः लोगों की इच्छा होगी तो मत रूपी दान देंगें अथवा नहीं. अतः मत दान का अर्थ होता है दान मत दो यानी की मत का दान न करो. सबसे पहले सरकार को मतदान का नाम बदल कर राज तिलक कर देना चाहिए जिससे नकारात्मकता खत्म हो जायेगी. मतदान कम होने का प्रमुख कारण हमारी सारी राजनीतिक दलों का निम्न श्रेणी का आदर्श है. आज प्रायः सभी राजनीतिक दलों में अपराधी उम्मीदवारों की भरमार है. एक बुद्धिजीवी को, एक धार्मिक व्यक्ति को, एक न्यायप्रिय व्यक्ति को हमारा संविधान एक अपराधी के पक्ष में मत देने के लिये मजबूर कर रहा है. मत दाता को यह ग्लानि होती है कि उसने किसी अपराधी को वोट दिया है . क्या आप किसी बलात्कारी का, हत्यारे का चुनाव अपने दामाद के रूप में कर सकते हैं तो आप किसी अपराधी राजनेता को अपना मत कैसे दे सकते है. अतः लोग मतदान नहीं करते हैं . अपराधी व्यक्ति के चुनाव लड़ने पर संविधान में रोक लगनी चाहिये. मतदान का प्रतिशत बढ़ जायेगा. किंतु मतदाता के पास कोई चारा नहीं है. वह मजबूर है ग़लत लोगों को वोट देने के लिये. आपके मतकेंद्र पर पहुँचने के पहले ही आपका मत किसी ने फर्जी डाल दिया है. आप पर क्या बीतेगी ? आप मतदान देने दुबारा क्यों जायेंगें ? आप कभी ज़िन्दगी में कभी किसी कतार में नहीं खड़े हुए किंतु अब आपको न जाने चिलचिलाती धूप में कितनी देर खड़ा रहना पड़ सकता है ? आप क्यों मतदान करने जाओगे ? हम लोगों को समझाते हैं कि मतदान का अधिकार बहुमूल्य अधिकार है. लेकिन जब हम देखते हैं कि मत दाता अपना मत चंद रुपयों के लालच में बेच देते है तो फिर यह अधिकार बहुमूल्य कहाँ रहा ? इसके अलावा जान माल का खतरा, गुंडों की धमकियाँ, गालियाँ, मार पीट आदि के माहोल में आप मतदान देने कैसे जाओगे ? इन सब के लिये एक मात्र दोषी सारे राजनीतिक दल है. अतः मतदाता मत देने के लिये ज़्यादा से ज़्यादा आए इसके लिये संविधान में आमूल परिवर्तन करना चाहिये . सरकारी तंत्र को दुरस्त करना चाहिए. जिससे लोगों को मत देने में भय नहीं लगे. अशिक्षित जनता को लोक तंत्र और मताधिकार का महत्व समझाना चाहिये. उनमे जागरूकता लानी चाहिए. स्वरचित दो पंक्तियां लिख रहा हूँ- ***नेता राम किसके,पारस वोट लिये और खिसके, मतदाता बेचारे किसके, वोट दिये और सिसके.*** लोग सोचते हैं कि जब सिसकना ही है तो मत देने का क्या लाभ ? 5 साल बाद जो राज नेता जनता के बीच आते हैं उन्हें जनता मत देने नहीं जाना चाहती है और वह जानती है कि सारे उम्मीदवार एक जैसे हैं . दो पंक्तियां इस बारे में लिख रहा हूँ- ***जनता से माँगे उम्मीदवार,पारस एक वोट की भीक, उम्मीदवार से बन गया नेता, अब जनता माँगे भीक.*** फिर भी संविधान में दिये हुए दायित्व और अधिकार को निभाने के लिये, राष्ट्र की रक्षा और निर्माण के लिये मेरे द्वारा बताई गई सभी कठिनाइयों को, परेशानियों को दरकिनार करें , अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें और अपने राष्ट्र को साफ़ सुथरा करने के लिये, अपने भारत का विकास करने के लिये, संविधान में आमूल परिवर्तन लाने के लिये, सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करना चाहिये. अपना मत किसी भी राजनीतिक दल के प्रति अपना पक्षपात पूर्ण झुकाव या अंधा विश्वास के आधीन होकर न दें. जो दल या उम्मीदवार देश के लिये अच्छा काम कर रहा हो और देश के विकास की नीतियाँ बना रहा हो, देश के दुश्मनों की रक्षा करने में सक्षम हो, उसे ही अपना मत दें. इसमें कोई शक नहीं कि हमारा एक मत किसी को हरा सकता है, किसी को जिता सकता है . लोक तंत्र के इस हथियार का प्रयोग करना न भूलें. मताधिकार का प्रयोग न करने का मतलब है कि हम समर्पण कर रहे हैं . लोक तंत्र में समर्पण कभी नहीं करना चाहिये. हमें किसी भी परिस्थिति में वोट जरूर देना चाहिये यानी की किसी न किसी उम्मीदवार के राज तिलक के लिये मतदान केंद्र जरूर जाना चाहिये और अपने मत का उपयोग करना चाहिये. मत दाता को भी यह महसूस होता है कि राष्ट्र के निर्माण में उसने भी एक ईंट रखी है.

पारस कोचर
एडवोकेट
pkincometaxparaskochar.com

युवा शक्ति चुभती बात

सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करना चाहिये. अपना मत किसी भी राजनीतिक दल के प्रति अपना पक्षपात पूर्ण झुकाव या अंधा विश्वास के आधीन होकर न दें. जो दल या उम्मीदवार देश के लिये अच्छा काम कर रहा हो और देश के विकास की नीतियाँ बना रहा हो, देश के दुश्मनों की रक्षा करने में सक्षम हो, उसे ही अपना मत दें . इसमें कोई शक नहीं कि हमारा एक मत किसी को हरा सकता है, किसी को जिता सकता है . लोक तंत्र के इस हथियार का प्रयोग करना न भूलें. मताधिकार का प्रयोग न करने का मतलब है कि हम समर्पण कर रहे हैं. लोक तंत्र में समर्पण कभी नहीं करना चाहिये

छोटे बच्चे के कान, नाक और आंखे साफ करने का जानें तरीका

बच्चे की देखरेख कर रहे पेरेंट्स को अक्सर लोगों की सलाह मिलती रहती है. एक सलाह जो सबसे कॉमन है वह है कान या नाक में तेल डालने को लेकर. बच्चों की त्वचा काफी नाजुक होती है, खासतौर से शुरुआती दिनों में तो बच्चे इतने सॉफ्ट होते हैं कि उन्हें पकड़ने में भी डर लगता है. ऐसे में हाईजीन मेंटेन करने के लिए उन्हें साफ रखना जरूरी है. ऐसे में पेरेंट्स बच्चों के सबसे सेंसेटिव हिस्से आंख, कान और नाक को साफ करने के तरीकों को खोजते हैं. ऐसे में बच्चों की डॉक्टर निमिषा अरोरा के एक वीडियो में उन्होंने शेयर किया है कि छोटे बच्चे के कान, नाक और आंखे कैसे साफ करें.

बच्चे की आंख कैसे साफ करें: बच्चे की आंखों को रोजाना साफ करने की जरूरत नहीं होती. हालांकि, कई बार बच्चे जब सोकर उठते हैं को आंखों के इनर कॉर्नर पर थोड़ा डिस्चार्ज होता है. जिसे साफ करने के लिए आप थोड़ी रूई लें और इसे गुनगुने पानी में भिगोएं. फिर आंखों को अंदर से बाहर की तरफ लेकर जाते हुए साफ करें. इसके अलावा बच्चे की आंख के बाहरी हिस्से को नहाने के बाद साफ कपड़े से क्लीन कर दें.

बच्चे के कान कैसे साफ करें: कान में जमी ईयर वैक्स को साफ करने के लिए ईयरबड, क्लिप जैसी चीजों से निकालने की कोशिश न करें. क्योंकि ये चीजें वैक्स को अंदर धकेल सकती हैं. वहीं कान में नुकीली चीजों से जलन या फिर चोट भी लग सकती है. इस तरह से ईयरवैक्स निकालने की छोटी सी गलती आपके ईयरड्रम को डैमेज कर सकती है और इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है. डॉक्टर कहती हैं कि ईयरवैक्स प्रोटेक्शन की तरह काम करता है. ये ईयर वैक्स छोटे कीड़े या गंदगी को कान के अंदर जाने से रोकता है. इसके अलावा कान में किसी भी तरह का तेल नहीं डालना चाहिए.

बच्चे की नाक कैसे साफ करें: नाक साफ करने के लिए भी बच्चे को नहलाने के बाद आपको सिर्फ नॉस्ट्रिल को बाहर से साफ करना है. अगर नाक बंद है तो आप बच्चे की नाक में डॉक्टर द्वारा बताए एक या दो बूंद सलाइन ड्रॉप्स डाल सकते हैं. अगर नाक बहुत ज्यादा बंद है तो आप एस्पिरेटर का इस्तेमाल भई कर सकते हैं. बस आपको अपनी उंगलियों या फिर ईयरबड का इस्तेमाल करके नाक को साफ नहीं करना है. कान की तरह ही नाक में भी कोई तेल नहीं डालना है.

ध्यान दें: डॉक्टर कहती हैं कि आंख, नाक और कान का बाहर वाला जो भी हिस्सा दिख रहा है सिर्फ वही रोजाना नहलाने के बाद साफ कपड़े से क्लीन करना है. अगर आपके डॉक्टर ने क्लीनिंग से जुड़ी कुछ स्पेशल सलाह दी है तो उनकी बात सुनें.

महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी 10 आम समस्याएं

महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे जटिल और विविध हैं, जो शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं. बांझपन और असामान्य रक्तस्राव जैसी प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से लेकर कैंसर और हृदय रोग जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं तक, सभी उम्र की महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिनके लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है. नेब्रास्का के ग्रैंड आइलैंड और हेस्टिंग्स में स्थित ऑब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स, पीसी में, हम तीन दशकों से अधिक समय से महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल कर रहे हैं. हमारी टीम महिलाओं को होने वाली कई स्वास्थ्य समस्याओं को समझती है और आपके साथ कुछ सबसे आम चिंताओं को साझा करना चाहती है जिनके बारे में आपको जानना आवश्यक है.

1. हृदय रोगः कई महिलाएं हृदय रोग को पुरुषों की समस्या मानती हैं. लेकिन अमेरिका में महिलाओं की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हृदय रोग है . रजोनिवृत्ति के बाद, महिलाओं में उच्च रक्तचाप जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, जो हृदय धमनी रोग का कारण बन सकती हैं.

2. स्तन कैंसरः जी हां, स्तन कैंसर एक ऐसा स्वास्थ्य मुद्दा है जिसके बारे में महिलाओं को जानना चाहिए. त्वचा कैंसर के बाद यह महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है . हम नियमित रूप से स्वयं स्तन परीक्षण और मैमोग्राम कराने की सलाह देते हैं ताकि स्तन कैंसर का शुरुआती चरणों में ही पता लगाया जा सके, जब इसका इलाज करना आसान होता है.

3. अन्य स्त्री रोग संबंधी कैंसरः स्तन कैंसर एक गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि यह बहुत सी महिलाओं को प्रभावित करता है, लेकिन यह एकमात्र प्रकार का कैंसर नहीं है जिसके बारे में आपको जानकारी होनी चाहिए. नियमित पैप स्मीयर जांच से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता चलता है, जो आज की नियमित जांच संबंधी सिफारिशों से पहले महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण हुआ करता था. महिलाओं को अंडाशय और गर्भाशय के कैंसर के बारे में भी जागरूक होना चाहिए.

4. स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्यः आपके प्रजनन अंग आपके जीवन के विभिन्न चरणों को निर्धारित करते हैं और आपके शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. अत्यधिक रक्तस्राव, श्रोणि में दर्द और अनियमित मासिक धर्म चक्र आम लक्षण हैं जो अक्सर एंडोमेट्रियोसिस , फाइब्रॉएड और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) जैसी स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होते हैं. ये आम स्वास्थ्य समस्याएं हैं जो लाखों महिलाओं को प्रभावित करती हैं और अक्सर वर्षों तक इनका निदान नहीं हो पाता है.

5. मातृ स्वास्थ्यः गर्भावस्था महिलाओं के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाती है, और कई महिलाएं बिना यह जाने ही इसमें प्रवेश करती हैं कि उन्हें क्या-क्या उम्मीद करनी चाहिए. मॉर्निंग सिकनेस से लेकर एनीमिया और बवासीर तक, गर्भावस्था लक्षणों का एक उतार-चढ़ाव भरा सफर है जो उनके शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है. महिलाओं को गर्भावस्था के हर चरण में स्वस्थ रहने के लिए शुरुआती और नियमित प्रसवपूर्व देखभाल की आवश्यकता होती है.

6. रजोनिवृत्तिः रजोनिवृत्ति एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है जिसमें मासिक धर्म और प्रजनन क्षमता समाप्त हो जाती है. और यह एक ही बार में नहीं होती. मासिक धर्म बंद होने से कई महीने या साल पहले भी, आपको रजोनिवृत्ति से जुड़े कुछ लक्षण महसूस हो सकते हैं - जैसे कि गर्मी लगना, रात में पसीना आना और मनोदशा में बदलाव. हम आपके वार्षिक महिला स्वास्थ्य जांच के दौरान रजोनिवृत्ति के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं , ताकि आप जीवन के इस चरण में प्रवेश करने से काफी पहले ही तैयार रहें और जरूरत पड़ने पर मदद मांग सकें.

7. अवसाद और चिंताः पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद और चिंता जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव होने की संभावना अधिक होती है. हालांकि सोचने और महसूस करने के तरीके में बदलाव कभी भी हो सकते हैं, लेकिन गर्भावस्था के दौरान और बाद में हार्मोन के उतार-चढ़ाव (प्रसवकालीन और प्रसवोत्तर अवसाद) के कारण महिलाएं विशेष रूप से संवेदनशील होती हैं, साथ ही रजोनिवृत्ति से पहले के वर्षों में भी.

8. ऑस्टियोपोरोसिसः ऑस्टियोपोरोसिस एक गंभीर अस्थि रोग है जो हड्डियों को कमजोर और टूटने के प्रति अधिक संवेदनशील बना देता है. यह तब होता है जब हड्डियों का टूटना उनकी मरम्मत से अधिक हो जाता है. एस्ट्रोजन हड्डियों के निर्माण में सहायक होता है, और रजोनिवृत्ति के बाद एस्ट्रोजन का स्तर गिरने पर हड्डियों का निर्माण तेजी से कम हो जाता है. क्योंकि महिलाओं की हड्डियां पुरुषों की तुलना में स्वाभाविक रूप से पतली होती हैं, इसलिए आपको ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा अधिक होता है.

9. यौन संचारित रोग (एसटीडी): यौन संचारित रोग (एसटीडी) जितना आप सोचते हैं उससे कहीं अधिक आम हैं. हालांकि ये सभी को प्रभावित करते हैं, लेकिन अगर इनका इलाज न किया जाए तो महिलाओं को एसटीडी से दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे कि स्त्री रोग संबंधी कैंसर और बांझपन का सामना करने की अधिक संभावना होती है .

10. स्वप्रतिरक्षित रोगः ऑटोइम्यून बीमारियाँ तब होती हैं जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से आपके ही शरीर पर हमला कर देती है, जिससे सूजन और स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं. पुरुषों की तुलना में महिलाओं में ऑटोइम्यून विकार होने की संभावना अधिक होती है, जिससे थकान, जोड़ों में दर्द और बिना किसी ज्ञात कारण के बुखार जैसे लक्षण दिखाई देते हैं.

डाइजेशन सुधारने के चक्कर में ना बिगाड़ लें सेहत

तांबे के बर्तन किसे नहीं पीना चाहिए पानी

तांबे के बर्तन में रखा पानी पाचन के लिए फायदेमंद होता है. लेकिन डाइजेशन सुधारने के चक्कर में अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ ना करें. भले ही आयुर्वेद में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने की सलाह दी गई है. लेकिन कुछ खास तरह की बीमारियों से ग्रस्त लोगों को तांबे के बर्तन में पानी ना पीने की सलाह दी जाती है. नहीं ये पानी फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान कर सकता है.(तांबे के बर्तन में रखा पानी आयुर्वेद के अनुसार गर्म, कसैला और तिक्त गुण वाला बताया गया है. जो शरीर में पित्त और अग्नि को बढ़ाता है. इसलिए कुछ बीमारियों में तांबे के बर्तन में रखा पानी यानी ताम्रजल पीना हार्मफुल हो सकता है.

एक्सेस कॉपर करता है नुकसानः स्टडी के मुताबिक बॉडी में अगर कॉपर की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो इससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है, डाइजेशन असंतुलित होता है और शरीर में दूसरी बीमारियों को भी पैदा कर सकता है. इसलिए तांबे के बर्तन में रखा पानी कुछ बीमारियों में भूलकर भी नहीं पीना चाहिए.

डायबिटीज रोगीः डायबिटीज के पेशेंट को तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से बचना चाहिए. शरीर में हाई कॉपर लेवल ब्लड शुगर को इंबैलेंस कर देता है, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को बढ़ाता है और ब्लड वेसल्स के डैमेज को बढ़ा सकता है.

किडनी के पेशेंटः जिन लोगों को किडनी से जुड़ी दिक्कतें रहती हो या पहले से किडनी से पेशेंट हैं तो उन्हें तांबे के बर्तन में रखा पानी नहीं पीना चाहिए. ज्यादा मात्रा में कॉपर किडनी पर लोड बढ़ा देता है जिससे कॉपर टॉक्सिसिटी का खतरा रहता है.

जिन लोगों को पित्त की समस्या हैः आयुर्वेद में शरीर के तीन दोष बताए गए हैं. जिन लोगों के शरीर में पित्त ज्यादा होती है उन्हें एसिडिटी, अल्सर, त्वचा पर दाने जैसी समस्या होती है. तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से ऐसे लोगों को मुंह में छाले और शरीर में जलन की समस्या हो सकती है.

लिवर के पेशेंट को बचना चाहिएः जिन लोगों को लिवर से जुड़ी बीमारियां होती है उन्हें कॉपर इंफ्यूस्ड वाटर पीने से बचना चाहिए. लिवर की कराब स्थिति में मेटाबॉलिज्म तेजी से बिगड़ सकता है.

छोटे बच्चों कोः छोटे बच्चों का मेटाबॉलिज्म संसेटिव होता है. इसलिए बच्चों को तांबे के बर्तन में रखा पानी पिलाना ठीक नहीं. खासतौर पर डेली तो बिल्कुल भी नहीं पिलाना चाहिए.

कॉपर एलर्जीः वैसे तो ये काफी रेयर है लेकिन कुछ लोगों को तांबे से एलर्जी भी हो सकती है. जिसकी वजह से तांबे के बर्तन में पानी पीने से उन्हें उल्टी, मितली, पेट दर्द जैसी समस्या पैदा हो सकती है.

तांबे के बर्तन में पानी पीने का सेफ तरीकाः अगर आप तांबे के बर्तन में पी रहे तो इन बातों का जरूर ध्यान रखें. रोजाना ना लें, केवल सप्ताह में 2-3 बार ही पर्याप्त है. 6-8 घंटे से ज्यादा तांबे के बर्तन में पानी ना रखें. आयुर्वेद के अनुसार तांबे के बर्तन में रखे पानी की तासीर गर्म होती है इसलिए गर्मियों में ज्यादा पीने से बचें. साथ ही पित्त बढ़ने पर बिल्कुल ना पिए. किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो हमेशा डॉक्टर की सलाह पर ही तांबे के बर्तन में पानी पिएं.

महिलाओं के 9 नवीनतम फैशन ट्रेंड्स

महिलाओं के लिए नवीनतम फैशन ट्रेंड 2026 में हमारे पहनावे को आकार दे रहे हैं. बोल्ड पैटर्न से लेकर नए स्टाइल तक, हर महिला एक ऐसा वॉर्डरोब चाहती है जो आधुनिक होने के साथ-साथ पहनने में भी आसान हो. इस साल, फैशन ट्रेंड आराम और स्ट्रीट स्टाइल का मेल दिखाते हैं, जिसमें टॉप ब्रांड कलेक्शन से बेहतरीन ड्रेस, जूते और एक्सेसरीज शामिल हैं. अगर आप अपने अगले आउटफिट के लिए प्रेरणा ढूंढ रहे हैं, तो ट्रेंडिया आपकी मदद करने के लिए मौजूद है. गर्मी, वसंत, पतझड़ और सर्दियों के लिए नए पसंदीदा विकल्प खोजें - अपने वॉर्डरोब में शामिल की जाने वाली हर ड्रेस, स्कर्ट या पेयर में आत्मविश्वास पाएं.

फैशन ट्रेंड्स की पहचान कैसे करें? फैशन के नए ट्रेंड अक्सर रनवे, स्ट्रीट स्टाइल और लोकप्रिय ब्रांड कैंपेन से शुरू होते हैं. महिलाओं के लिए लेटेस्ट फैशन ट्रेंड जानने के लिए, ऑनलाइन और स्टोर्स में ट्रेंड कर रहे आउटफिट्स पर ध्यान दें. देखें कि सेलिब्रिटीज़ किस तरह के कपड़े, जूते और बैग पहनती हैं. सोशल मीडिया, फैशन मैगज़ीन और टॉप स्टाइल इन्फ्लुएंसर्स रोज़ाना प्रेरणा देते हैं. कभी-कभी, एक ट्रेंड की शुरुआत एक जैकेट या आकर्षक स्नीकर्स की एक जोड़ी से होती है. बार-बार दिखने वाले पैटर्न, रंगों और टेक्सचर पर ध्यान दें. कई महिलाओं को क्या पसंद आता है, यह देखकर आप आत्मविश्वास के साथ अपनी अलमारी को अपडेट कर सकती हैं और हर मौसम में सबसे आगे रह सकती हैं.

1. लंबी डेनिम स्कर्ट : 2026 में लंबी डेनिम स्कर्ट्स की ज़बरदस्त वापसी हो रही है. कई महिलाएं अब इन्हें रोज़मर्रा के पहनावे के लिए एक स्टाइलिश विकल्प के रूप में पहन रही हैं. यह ट्रेंड स्ट्रीट स्टाइल और फैशन शो दोनों में नज़र आ रहा है, जो हर आधुनिक वॉर्डरोब में डेनिम स्कर्ट की अहमियत को दर्शाता है. लंबी डेनिम स्कर्ट को सिंपल टॉप या बोल्ड जैकेट के साथ पहनें. यह लुक आसानी से फॉर्मल या कैज़ुअल लुक में ढाला जा सकता है, इसलिए यह कई सीज़न तक पसंदीदा बना रहेगा.

2. कार्डिगन सेट : 2026 के महिला फैशन ट्रेंड में कार्डिगन सेट काफी लोकप्रिय हो गए हैं. यह स्टाइल आरामदायक होने के साथ-साथ कई अवसरों के लिए पहनने में आसान भी है. स्कर्ट या ट्राउजर के साथ मैचिंग कार्डिगन और टॉप पहनकर आप एक नया आउटफिट तैयार कर सकते हैं. कई ब्रांड्स ने अपने लेटेस्ट कलेक्शन में कार्डिगन सेट को शामिल किया है, जो इस ट्रेंड की मजबूत पकड़ को दर्शाता है. इस सीजन में अपने वॉर्डरोब में व्यक्तित्व और आत्मविश्वास जोड़ने के लिए हल्के रंगों या बोल्ड प्रिंट्स में से चुनें.

3. पोल्का डॉट्स वाली ड्रेस : इस साल महिलाओं के फैशन में पोल्का डॉट्स वाली ड्रेसेस खूब चलन में हैं. यह आकर्षक प्रिंट हर आउटफिट को स्टाइलिश लुक देता है. ब्रांड्स और डिज़ाइनर्स क्लासिक से लेकर मॉडर्न कट्स तक, कई तरह की ड्रेसेस में पोल्का डॉट्स पेश कर रहे हैं. कैजुअल लुक के लिए आप पोल्का डॉट्स वाली ड्रेस को स्नीकर्स के साथ पहन सकती हैं या किसी खास मौके पर स्टाइलिश जूतों के साथ पेयर कर सकती हैं. यह ट्रेंड आपके वॉर्डरोब में स्टाइल और पुराने दिनों की यादों का तड़का लगाता है.

4. कैज़ुअल ट्रेंच : कैज़ुअल ट्रेंच कोट 2026 के फैशन का एक प्रमुख ट्रेंड है. कई महिलाएं स्टाइल और आराम के कारण इस जैकेट को चुन रही हैं. एक कैज़ुअल ट्रेंच कोट ड्रेस, ट्राउज़र या स्पोर्टी स्नीकर्स के साथ भी अच्छा लगता है. यह फैशन का एक ज़रूरी हिस्सा है जो रनवे और स्ट्रीट स्टाइल दोनों पर नज़र आता है, इसलिए यह आपकी अलमारी के लिए अनिवार्य है. वसंत और गर्मियों में हल्के रंगों का चुनाव करें या पतझड़ और सर्दियों में गहरे रंगों का, ताकि आपको एक ताज़ा और स्टाइलिश लुक मिले.

5. फूलों के प्रिंट वाली ड्रेस : फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेसेस आजकल महिलाओं के फैशन ट्रेंड में एक अहम स्थान रखती हैं. यह स्टाइल किसी भी वॉर्डरोब में खूबसूरती और खुशी का एहसास जोड़ता है. कई ब्रांड अपने समर और स्प्रिंग कलेक्शन में फ्लोरल प्रिंट्स पेश कर रहे हैं. इन ड्रेसेस को स्नीकर्स या सैंडल के साथ पहनकर आप एक सहज और आरामदायक लुक पा सकती हैं. फ्लोरल ड्रेसेस आराम और स्टाइल दोनों प्रदान करती हैं, इसलिए इस सीज़न में कई लड़कियों की ये पहली पसंद हैं.

6. ट्रेंडी लाउंज वियर : 2026 में ट्रेंडी लाउंज वियर कई वार्डरोब पर छा रहा है. यह फैशन ट्रेंड घर पर या बाहर, स्टाइलिश रहते हुए आराम पर केंद्रित है. अपने पसंदीदा ब्रांड के लेटेस्ट कलेक्शन में मैचिंग सेट, मुलायम फैब्रिक और आरामदायक फिटिंग वाले कपड़े देखें. लाउंज वियर आउटफिट स्नीकर्स या सिंपल स्लाइड्स के साथ अच्छे लगते हैं. ये कपड़े महिलाओं को हर दिन कम मेहनत में अच्छा महसूस करने और सलीके से तैयार होने की आजादी देते हैं.

7. मल्टी लोफर जूते : 2026 के महिला फैशन ट्रेंड में मल्टी लोफर जूते काफी लोकप्रिय हो रहे हैं. ये जूते क्लासिक स्टाइल और आधुनिकता का बेहतरीन मेल हैं, जो आराम और बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करते हैं. इस सीज़न में ब्रांड बोल्ड रंगों, पैटर्न और यहां तक कि मिश्रित सामग्रियों में भी लोफर पेश कर रहे हैं. आप इन्हें ट्राउजर, स्कर्ट या ड्रेस के साथ पहनकर एक स्टाइलिश और सहज लुक पा सकती हैं. मल्टी लोफर जूते एक दमदार स्टाइल स्टेटमेंट देते हैं और किसी भी वॉर्डरोब को एक नया अंदाज देते हैं.

8. मैक्सी ड्रेस : मैक्सी ड्रेस 2026 में भी एक मजबूत ट्रेंड बनी हुई है, जो महिलाओं की अलमारी में आराम और स्टाइल दोनों लाती है. ये ड्रेस पहनने में आसान हैं और कैज़ुअल दिनों से लेकर खास मौकों तक, कई अवसरों के लिए उपयुक्त हैं. ब्रांड बोल्ड प्रिंट, चमकीले रंगों और मुलायम फैब्रिक में मैक्सी ड्रेस पेश कर रहे हैं. एक मैक्सी ड्रेस को सैंडल या स्नीकर्स के साथ पहनें, जो आधुनिक, ताज़ा और हर मौसम के लिए उपयुक्त एक संपूर्ण आउटफिट बनाती है.

9. मेश ड्रेस : इस साल महिलाओं के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड में मेश ड्रेसेस की धूम मची हुई है. ये ड्रेसेस आपके आउटफिट को स्टाइलिश, स्पोर्टी और थोड़ा हटके लुक देती हैं. कई ब्रांड्स अपने 2026 कलेक्शन में मेश डिटेल्स और लेयर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं. मेश ड्रेसेस पार्टी या कैज़ुअल इवेंट्स के लिए बिल्कुल सही हैं. इन्हें स्नीकर्स या बोल्ड जूतों के साथ पहनकर आप सबसे अलग दिखेंगी और अपने आत्मविश्वास और बिंदास अंदाज को दिखाएंगी.

ममता के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

शमिक भट्टाचार्य बोले – मंगल और अंटार्कटिका से लोग ला रहे हैं

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच शमीक भट्टाचार्य ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोपों पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा अन्य राज्यों से नहीं, बल्कि मंगल और अंटार्कटिका से लोग ला रही है.दरअसल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से पेड समर्थक और मतदाता ला रही है. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्टाचार्य ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, नहीं, उत्तर प्रदेश से नहीं. हम मंगल और अंटार्कटिका से लोगों को ला रहे हैं.भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने इसके साथ ही राज्य में अवैध घुसपैठ का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि

पश्चिम बंगाल में लंबे समय से मूक जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है, जिसका असर सीमावर्ती जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों बिहार और झारखंड पर भी पड़ा है. उन्होंने कहा कि यह स्थिति देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है.भट्टाचार्य ने दावा किया कि रोजगार के अभाव में राज्य छोड़ने को मजबूर हुए प्रवासी मजदूर जल्द ही वापस लौटेंगे. उन्होंने कहा, हमें जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार 73 विशेष ट्रेनें प्रवासी श्रमिकों को लेकर पश्चिम बंगाल आएंगी, जो काम की कमी के कारण राज्य से बाहर गए थे.चुनावी घोषणा पत्र पर बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी का 'संकल्प पत्र' राज्य की जनता की भावनाओं, असंतोष और जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. इसमें महिलाओं, शिक्षित युवाओं और किसानों, विशेषकर आलू उत्पादकों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं.भाजपा की जीत को लेकर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में सहज बहुमत हासिल करेगी. उन्होंने दावा किया, जनता ने मन बना लिया है कि किसी भी हालत में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाना है.पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा, जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी.

हेमंत बाग के समर्थन में शमिक भट्टाचार्य ने सरकार पर साधा निशाना

हुगली :आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरामबाग में शक्ति प्रदर्शन किया. पार्टी के राज्य अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने उम्मीदवार हेमंत बाग के समर्थन में एक विशाल रोड शो का नेतृत्व किया.यह रोड शो दौलतपुर स्थित पार्टी कार्यालय से शुरू होकर पूरे आरामबाग शहर में निकाला गया. इस दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह देखने लायक था. शहर के विभिन्न इलाकों में भाजपा के झंडे और नारों से माहौल गूंज उठा, जबकि सड़क किनारे खड़े लोगों ने भी इस रोड शो को देखा.रोड शो के बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शमिक भट्टाचार्य ने राज्य सरकार की नीतियों और कार्यशैली की कड़ी आलोचना की. उन्होंने आगामी चुनाव में परिवर्तन की जरूरत पर जोर देते हुए लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की.वहीं, भाजपा प्रत्याशी हेमंत बाग ने क्षेत्र के विकास का वादा किया और जनता के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया.इस कार्यक्रम के बाद आरामबाग में राजनीतिक माहौल और गरमा गया है, जिससे चुनावी मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना जताई जा रही है.

खानाकुल में तृणमूल नेता दिपेन माइती का इस्तीफा, बढ़ी सियासी हलचल

हुगली : चुनावी माहौल के बीच खानाकुल में तृणमूल कांग्रेस के प्रभावशाली नेता दिपेन माइती ने खानाकुल-एक ब्लॉक की कोर कमेटी से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से हटने की घोषणा की.दिपेन माइती ने अपना इस्तीफा पत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्सी समेत शीर्ष नेतृत्व को भेजने के साथ ही शनिवार को इसे सोशल मीडिया पर भी सार्वजनिक कर दिया. हाल ही में उन्हें खानाकुल से पार्टी उम्मीदवार पलाश राय के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाते देखा गया था.सूत्रों के अनुसार, दिपेन माइती के प्रभाव के चलते किशोरपुर-एक और दो पंचायत, घोषपुर और ठाकुरानीचक क्षेत्रों में तृणमूल अपने वोट बैंक को लेकर काफी आश्वस्त थी. ऐसे समय में उनका अचानक इस्तीफा कई तरह की अटकलों को जन्म दे रहा है.हालांकि,

दिपेन माइती ने अपने इस्तीफे के पीछे शारीरिक अस्वस्थता और व्यक्तिगत कारणों को बताया है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि संगठन के भीतर असंतोष इसके पीछे एक बड़ा कारण हो सकता है. बताया जा रहा है कि आई-पैक की भूमिका को लेकर भी वे नाराज थे और कुछ रणनीतिक फैसलों से असहमति जता रहे थे.इधर, हाल के दिनों में एक कथित कॉल रिकॉर्डिंग भी चर्चा में है, जिसमें एक तृणमूल नेता के भाजपा में शामिल होने की इच्छा जताने की बात सामने आई है. दावा किया जा रहा है कि उस रिकॉर्डिंग में आवाज दिपेन माइती की हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.दिपेन माइती के इस्तीफे से खानाकुल की सियासत में हलचल तेज हो गई है और पार्टी के अंदरूनी हालात को लेकर सवाल उठने लगे हैं. वहीं, उन्होंने जल्द ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की बात कही है.

नेशनल लेवल कराटे चैंपियंस अवॉर्ड समारोह आयोजित

बेलूर : शनिवार, 11 अप्रैल को बेलूड़ के 'षष्ठीताल शिवालय लॉज' में एक खास अवॉर्ड समारोह आयोजित किया गया. इस अवॉर्ड समारोह में नेशनल लेवल चैंपियंस खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया. एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल में एक खास रिसेप्शन रखा गया. इस इवेंट में मौजूद इंस्ट्रक्टर थे कियोशी रंजन मंडल, शिहान सूर्य नारायण सेठ, शिहान बिश्वजीत हलदर और कियोशी सुब्रत मंडल, सेंसई सुबीर सरकार, सेनसे अंकुर रजाक, सेंसई सौरभ रजाक समारोह में खास मेहमान थे. समारोह में बैकुंठ सिंह, शिहान देबाशीष मंडल, शिहान भाजू हेला, शिहान महेंद्र सिंह, और कोलकाता पुलिस कमिश्नरेट के बादल बर्मन का खास स्वागत किया गया. समारोह में 16 नेशनल चैंपियनों को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल और ब्रॉन्ज़ मेडल देकर खास तौर पर सम्मानित किया गया. समारोह में पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें विनय प्रकाश, पत्रकार भरत कुमार झा, पत्रकार दिलशाद अंसारी, पत्रकार स्निग्धा चक्रवर्ती, पत्रकार पुलक चक्रवर्ती को रिसेप्शन के दौरान खास तौर पर सम्मानित किया गया. सम्मानित लोगों को स्मृति चिह्न और माला पहनाकर सम्मानित किया गया.

रिषड़ा में तन्मय घोष के प्रचार में उमड़ा जनसैलाब, फूल-मालाओं से हुआ भव्य स्वागत

हुगली : श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार तन्मय घोष को रिषड़ा में चुनाव प्रचार के दौरान व्यापक जनसमर्थन मिला. शनिवार सुबह रिषड़ा नगरपालिका के वार्ड संख्या एक से छह तक घर घर घूम कर तन्मय घोष ने चुनाव प्रचार किया. इस दौरान तृणमूल उम्मीदवार के साथ श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी, रिषड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, वाइस चेयरमैन जाहिद हसन खान सहित कई पार्षद मौजूद रहे. इस दौरान स्थानीय लोगों ने तन्मय घोष का जोरदार स्वागत किया.इससे पहले शुक्रवार शाम रिषड़ा नगरपालिका के सात नंबर वार्ड में पहुंचे घोष का स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया.जैसे ही तन्मय घोष इलाके में पहुंचे, वार्ड के लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए और रैली के रूप में उनके साथ चलने लगे. कई स्थानों पर लोगों ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया, वहीं कुछ जगहों पर पुष्प वर्षा भी की गई. इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली.प्रचार अभियान में रिषड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, पार्षद सुख सागर मिश्रा समेत बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे.

मुर्शिदाबाद में केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के काफिले की ट्रैक्टर से टक्कर, बाल-बाल बचे

मुर्शिदाबाद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल होने जा रहे केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर का काफिला शनिवार को मुर्शिदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. बहरमपुर थाना क्षेत्र के बलरामपुर इलाके में काफिले की एक गाड़ी की ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि काफिले की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा. जिस वाहन से टक्कर हुई, उसमें मंत्री के सुरक्षाकर्मी सवार थे.सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करते हुए जांच शुरू कर दी. प्राथमिक जांच में हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए ट्रैक्टर चालक से पूछताछ की जा

रही है. यह भी देखा जा रहा है कि दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई या मानवीय चूक की वजह से.हालांकि, राहत की बात यह रही कि केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर इस हादसे में पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई. लेकिन घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया.चुनावी माहौल के बीच केंद्रीय मंत्री के काफिले के साथ हुए इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है.उल्लेखनीय है कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन चुनावी सभाएं प्रस्तावित हैं-पहली पूर्व बर्दवान के कालना, दूसरी दक्षिण दिनाजपुर के कुशमंडी और तीसरी मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज में.गौरतलब है कि हाल ही में अधीर रंजन चौधरी के काफिले के साथ भी इसी तरह की घटना सामने आई थी. कंदी से बहारमपुर लौटते समय उनके काफिले की एक गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी थी, जिसमें कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे. इस घटना के बाद चुनाव आयोग ने रिपोर्ट भी तलब की थी.

तीस्ता नदी में डूबे भाजपा कार्यकर्ता की तलाश जारी

जलपाईगुड़ी : चुनावी माहौल के बीच एक दर्दनाक घटना सामने आई है. जिले के मयनागुड़ी इलाके में प्रचार से लौटते समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता नदी में डूबकर लापता हो गए. लापता कार्यकर्ता की पहचान अमल राय के रूप में हुई है, जो हेलापाकड़ी इलाके के बैकुर गौर गांव के निवासी थे. घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 20 भाजपा कार्यकर्ताओं का एक दल हेलापाकड़ी से तीस्ता नदी पार कर फुलिया चर में चुनाव प्रचार के लिए गया था. प्रचार खत्म कर लौटते समय अधिकांश कार्यकर्ता नाव से वापस आए, लेकिन अमल राय समेत तीन लोग पैदल ही नदी पार करने लगे.

मैं ही बल्लेबाज, मेरे ही हाथ में गेंद, भाजपा से बागी हुए निर्दलीय प्रत्याशी श्यामल दास के तीखे तेवर

शांतिपुर : नदिया जिले की 86-शांतिपुर विधानसभा सीट पर इस बार चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है. भाजपा के पुराने सिपाही और हरिपुर पंचायत क्षेत्र में पार्टी के संस्थापक सदस्य माने जाने वाले श्यामल दास ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरकर अपनी ही पुरानी पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.स्क्रूटनी कराकर लौटते समय श्यामल बाबू ने हुंकार भरते हुए कहा:मैदान में मैं ही बल्लेबाज हूँ और मेरे ही हाथ में गेंद है. मेरा प्रतीक 'बैट-बॉल' है और नारा 'जय श्री राम'. चौका-छक्का जो भी लगेगा, वह सब नरेंद्र मोदी को ही मिलेगा. श्यामल दास ने वर्तमान भाजपा प्रत्याशी स्वपन दास पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें सांसद का करीबी बताया. उन्होंने आरोप लगाया कि स्वपन दास ने बिना संगठन में काम किए सिर्फ पैरवी के दम पर टिकट हासिल किया है. श्यामल बाबू का कहना है कि वे और क्षेत्र के तमाम कार्यकर्ता चाहते थे कि पंचायत समिति के अध्यक्ष नृपेन मंडल को टिकट मिले, लेकिन कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज किया गया. लंबे समय तक वामपंथी राजनीति से जुड़े रहने के बाद भाजपा की नींव रखने वाले श्यामल दास ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों से उन्हें पार्टी में हाशिए पर धकेल दिया गया था.समर्थन का दावा: उन्होंने बताया कि निर्दलीय नामांकन के बाद उन्हें फोन पर और व्यक्तिगत रूप से भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है.रणनीति: उनका मुख्य लक्ष्य उन सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट करना है जो वर्तमान नेतृत्व से असंतुष्ट हैं.दलीय प्रत्याशी और पूर्व विधायक अरिंदम भट्टाचार्य के प्रति नरम रुख दिखाया, वहीं सीपीआई(एम), कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को अपनी पहली ही गेंद पर आउट करने का दावा किया.'जय श्री राम' के नारे और भाजपा की विचारधारा को साथ लेकर चल रहे इस बागी उम्मीदवार ने शांतिपुर के चुनावी समीकरण को त्रिकोणीय बना दिया है, जिससे आधिकारिक भाजपा प्रत्याशी की राह कठिन हो सकती है.

न्यूज़ कॉर्नर

मंदिर दर्शन के साथ भाजपा प्रत्याशी अरूप कुमार दास ने शुरू किया प्रचार अभियान

पूर्व मेदिनीपुर : दक्षिण कांथी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार अरूप कुमार दास ने शनिवार को नोयापुट क्षेत्र के चेंचुरापुट करंजी स्थित काली मंदिर एवं शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की.पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने स्थानीय इलाकों में जनसंपर्क अभियान चलाया और मतदाताओं से मुलाकात कर समर्थन की अपील की. इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास, बुनियादी सुविधाओं और जनसमस्याओं को प्रमुख मुद्दा बताया.दक्षिण कांथी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के अरूप कुमार दास का मुख्य मुकाबला मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस के तरुण कुमार जाना, और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के तेहरान हुसैन के बीच है. चूंकि क्षेत्र में अप्रैल के अंतिम चरणों में मतदान प्रस्तावित है, इसलिए सभी प्रत्याशी वर्तमान में सघन जनसंपर्क और स्थानीय सभाओं के माध्यम से मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं.भाजपा उम्मीदवार अरूप कुमार दास ने कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र में विकास की गति को तेज करना और जनता की समस्याओं का समाधान करना है. 2021 के विधानसभा चुनाव में कांथी दक्षिण सीट पर भाजपा के प्रत्याशी अरूप कुमार दास ने 98 हजार 477 वोट हासिल कर जीत हासिल की थी. उन्होंने तृणमूल प्रत्याशी ज्योतिर्मय कर को हराया जिनके हिस्से 88 हजार 184 वोट आए.

नदिया के स्कूल में जोरदार विस्फोट से हड़कंप, बड़ा हादसा टला

नदिया : चुनावी माहौल के बीच नदिया जिले में शनिवार दोपहर एक स्कूल में हुए जोरदार विस्फोट से हड़कंप मच गया. घटना कल्याणी विधानसभा क्षेत्र के सगुना ग्राम पंचायत अंतर्गत घोड़ागाछा माध्यमिक शिक्षा केंद्र में हुई, जहां अचानक विस्फोट हो गया.प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब एक बजे हुए इस विस्फोट की आवाज से पूरा स्कूल परिसर दहल उठा. धमाके की तीव्रता इतनी थी कि भवन के एस्बेस्टस (छत) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया. हालांकि, राहत की बात यह रही कि उस समय स्कूल में कोई छात्र मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया. उस समय स्कूल में चार शिक्षक मौजूद थे,

रेलवे न्यूज

पूर्व रेलवे दिव्यांगजन यात्रियों के लिए बहाल की हैं कई सुविधाएं

कोलकाता : कई वर्षों तक, कल्पना दास (परिवर्तित नाम) एक खामोश चिंता में जीती रहीं, जो उनके दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों का प्रतिबिंब थी. अपनी दृष्टि खो देने के बाद, नियमित डॉक्टर के पास जाने के लिए ट्रेन पकड़ना भी उनके लिए एक असंभव पहाड़ जैसा लगता था. वह खिड़की के पास बैठकर परिवार के किसी सदस्य के खाली होने का इंतजार करतीं, उनकी स्वतंत्रता किसी और के कार्यक्रम से बंधी हुई थी. इसी तरह, एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में अपने पैर खो चुके प्रतीक गुहा (परिवर्तित नाम) को अपने चारों ओर की दुनिया सिमटी हुई सी लगती थी. भीड़भाड़ वाले प्लेटफार्म और ऊंचे ट्रेन के डिब्बे उन्हें किले जैसे लगते थे, जिन पर वे अब चढ़ नहीं सकते थे. लेकिन आज कहानी बदल चुकी है.पूर्व रेलवे का मानना है कि हर यात्री को समान गरिमा, आराम और बिना किसी बाधा के यात्रा करने का अधिकार है. अपने स्टेशनों को वास्तव में दिव्यांगजन अनुकूल केंद्रों में बदलकर, रेलवे ने कल्पना और प्रतीक के डर को पटरियों की स्वतंत्रता में बदल दिया है.हावड़ा, सियालदह, मालदा और आसनसोल की चार प्रमुख मंडलों में व्यापक बुनियादी ढांचे का विकास किया गया है, ताकि कोई भी यात्री पीछे न रह जाए. दृष्टिबाधित यात्रियों की सहायता के लिए ऑडियो और वीडियो ब्रेल मैप्स के साथ विशेष ब्रेल संकेत लगाए गए हैं. 25 स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं की घोषणा और 36 स्टेशनों पर दिव्यांगजन कोच की स्थिति की विशेष घोषणा की जाती है, जिससे यात्रियों को सही स्थान पर खड़े होने में आसानी होती है. यात्रा को सुगम बनाने के लिए 137 स्टेशनों पर टैक्टाइल गाइड के साथ सुलभ मार्ग बनाए गए हैं, जबकि 248 स्टेशनों पर प्रवेश द्वारों पर डबल-हाइट हैंडरेल और टैक्टाइल सुविधाओं के साथ मानक रैंप लगाए गए हैं. साथ ही, मानकीकृत प्रकाशयुक्त संकेतक (इल्यूमिनेटेड साइनज) ने नेविगेशन को सभी के लिए सहज बना दिया है.सुविधा का यह विस्तार स्टेशन के हर हिस्से तक पहुंचता है. प्रतीक जैसे यात्रियों के लिए यात्रा की शुरुआत ही सुलभ पार्किंग से होती है, जो 57 स्टेशनों पर उपलब्ध है. अंदर प्रवेश करने पर 419 सुलभ शौचालय और विशेष पेयजल सुविधाएं उपलब्ध हैं. टिकट बुकिंग प्रक्रिया को भी सुलभ काउंटर और भीड़ प्रबंधन के लिए अलग कतार हैंडरेल के माध्यम से सरल बनाया गया है. तत्काल सहायता के लिए 41 स्टेशनों पर सुलभ हेल्प बूथ और 111 स्टेशनों पर व्हीलचेयर सुविधाएं उपलब्ध हैं. इसके अलावा, पूरे क्षेत्र में 93 लिफ्ट और 77 एस्केलेटर लगाए गए हैं, जिससे प्लेटफॉर्म के बीच आवागमन अब आसान हो गया है.प्लेटफॉर्म और ट्रेनों के अंदर भी गरिमा और सुविधा पर विशेष ध्यान दिया गया है. प्रतीक्षा के दौरान आराम के लिए प्राथमिकता वाली सीटिंग व्यवस्था की गई है, और 252 स्टेशनों पर दिव्यांगजन यात्रियों के लिए विशेष कोच सुविधाएं उपलब्ध हैं. चाहे वह डबल-हाइट हैंडरेल वाले रैंप हों या दिशा दिखाने वाले टैक्टाइल मार्ग-हर पहलू को आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है. पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि हावड़ा, सियालदह, मालदा और आसनसोल में किए गए ये व्यापक सुधार केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर नागरिक के आत्मविश्वास को बहाल करने की दिशा में एक कदम हैं, ताकि वे पूरे देश में पूर्ण स्वतंत्रता के साथ यात्रा कर सकें.

साउथ ईस्टर्न रेलवे के नए जनरल मैनेजर

कोलकाता : अनिल कुमार जैन ने 9 अप्रैल को साउथ ईस्टर्न रेलवे के जनरल मैनेजर का चार्ज संभाला है. पहले के जनरल मैनेजर अनिल कुमार मिश्रा इसी साल 31 मार्च को रिटायर हुए थे. उसके बाद दपू रेलवे के एडिशनल जनरल मैनेजर सौमित्र मजूमदार, ने 01 अप्रैल से 09 अप्रैल तक अंतरिम तौर पर जनरल मैनेजर का पद संभाला.दक्षिण पूर्व रेलवे में जनरल मैनेजर के तौर पर जॉइन करने से पहले अनिल कुमार जैन नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, जयपुर के प्रिंसिपल चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे. श्री जैन 1990 बैच के आईआरएसईई (इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ़ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स) ऑफिसर हैं और 1991 में इंडियन रेलवे में शामिल हुए थे. उन्होंने 11 अगस्त2021 से 21 जुलाई तक वेस्टर्न रेलवे में डिविजनल रेलवे मैनेजर, राजकोट के तौर पर काम किया. उन्होंने इंडियन रेलवे के कई अहम पदों पर भी काम किया, जिनमें नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे में चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (प्लानिंग), साउथ वेस्टर्न रेलवे में प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स में चीफ डिज़ाइन इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल), रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस के जनरल मैनेजर वगैरह शामिल हैं.विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन से बी.टेक पूरा करने के बाद श्री जैन ने आईआईटी दिल्ली से गोल्ड मेडल के साथ एम.टेक की डिग्री हासिल की. उन्होंने मणिपाल यूनिवर्सिटी से एमबीए भी पूरा किया. उन्होंने जापान में हैवी हॉल ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर ट्रेनिंग प्रोग्राम किया है. उन्होंने रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग में भी ट्रेनिंग ली है. उन्होंने गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एक प्रोजेक्ट के लिए रोलिंग स्टॉक के डिज़ाइन को फ़ाइनल करने के लिए साउथ कोरिया और जापान का भी दौरा किया.

उत्तरपाड़ा : वकालत से राजनीति में आए तृणमूल उम्मीदवार शीर्षण्य बंद्योपाध्याय के पास आठ करोड़ की संपत्ति

हुगली : तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी शीर्षण्य बंद्योपाध्याय ने उत्तरपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल करते हुए अपने चुनावी हलफनामे में आय, संपत्ति और निवेश का विस्तृत ब्यौरा दिया है. हलफनामे के अनुसार, बंद्योपाध्याय और उनके परिवार की कुल संपत्ति लगभग 7.9 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि किसी भी प्रकार की देनदारी नहीं है.38 वर्षीय बंद्योपाध्याय पेशे से अधिवक्ता हैं और कॉर्पोरेट व वित्तीय कानून में स्नातकोत्तर डिग्रीधारक हैं. उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध जोगेश चंद्र चौधुरी लॉ कॉलेज से एलएलबी और ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी से एलएलएम की पढ़ाई की है. हलफनामे में उन्होंने अपने खिलाफ किसी भी आपराधिक मामले से इनकार किया है.हलफनामे के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में उनकी आय 97.37 लाख रुपये रही, जबकि 2023-24 में यह 1.09 करोड़ रुपये थी. पिछले पांच वर्षों में उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. उनकी पत्नी सोमसुक्ला भदुरी, जो वेतनभोगी हैं, की आय 2024-25 में 11.69 लाख रुपये रही.बंद्योपाध्याय

ने अपने नाम पर करीब 5.03 करोड़ रुपये की चल संपत्ति घोषित की है, जिसमें बैंक जमा, फिक्स्ड डिपॉजिट, शेयर, म्यूचुअल फंड, बीमा और अन्य निवेश शामिल हैं. उनकी पत्नी के नाम पर 1.22 करोड़ रुपये से अधिक की चल संपत्ति दर्ज है.अचल संपत्ति के रूप में बंद्योपाध्याय के पास कोलकाता में एक फ्लैट है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये बताई गई है. वहीं उनकी पत्नी के नाम पर बोलपुर में करीब 16 लाख रुपये मूल्य का फ्लैट है.हलफनामे के अनुसार, बंदोपाध्याय का निवेश पोर्टफोलियो काफी विविध है, जिसमें शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ और डिबेंचर शामिल हैं. खास बात यह है कि उनके पिता द्वारा उनके नाम पर बीमा पॉलिसियों में 2.64 करोड़ रुपये से अधिक का प्रीमियम जमा किया गया है.हलफनामे में यह भी उल्लेख है कि बंद्योपाध्याय या उनके परिवार पर किसी प्रकार का कर्ज या सरकारी देनदारी नहीं है. आयकर और अन्य कर भी नियमित रूप से चुकाए गए हैं.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि साफ छवि, मजबूत आर्थिक स्थिति और पेशेवर पृष्ठभूमि के साथ मैदान में उतरे शीर्षण्य बंद्योपाध्याय उत्तरपाड़ा सीट पर मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं.

न्यूज कॉर्नर

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप: आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर एक कुनलावुत वितिदसार्न को हराकर रचा इतिहास

नयी दिल्ली: बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के पुरुष एकल वर्ग में भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने शनिवार को मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक कुनलावुत वितिदसार्न को हराकर फाइनल में प्रवेश किया. इस जीत के साथ आयुष इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए हैं. इससे पहले भारत के लिए इस प्रतियोगिता में दिनेश खन्ना ने वर्ष 1965 में स्वर्ण पदक जीता था. उसके बाद सुरेश गोयल, प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, अनुप श्रीधर और एच. एस. प्रणय ने अलग-अलग वर्षों में कांस्य पदक हासिल किया था, लेकिन कोई भी खिलाड़ी फाइनल तक नहीं पहुंच सका. विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने यह मुकाबला एक घंटे पंद्रह मिनट में 10-21, 21-19 और 21-17 से जीता. अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चीन के शि यू ची या चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन में से किसी एक खिलाड़ी से होगा. यह आयुष और वितिदसार्न के बीच दूसरी भिड़ंत थी. पिछली बार दोनों का सामना आर्कटिक ओपन में हुआ था, जिसमें थाई खिलाड़ी ने जीत दर्ज की थी. इस मुकाबले में भी वितिदसार्न ने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया, लेकिन इसके बाद आयुष ने जबरदस्त वापसी की. दूसरे गेम में आयुष ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और बढ़त हासिल की. हालांकि विरोधी खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आयुष ने निर्णायक अंक लेकर मुकाबले को तीसरे गेम तक पहुंचाया. अंतिम गेम में आयुष ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी और शानदार स्मैश के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की. इससे पहले आयुष ने शुरुआती दौर में विश्व नंबर सात ली शी फेंग को हराया था. उसके बाद उन्होंने ची यू जेन को सीधे गेमों में पराजित किया. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने विश्व नंबर चार जोनाथन क्रिस्टी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. अब पूरे देश की नजरें आयुष पर टिकी हैं, जो फाइनल में इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगे.

बांग्लादेश ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए टीम घोषित की

ढाका: बांग्लादेश की नई चयन समिति, जिसका नेतृत्व हबीबुल बशर कर रहे हैं, ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय वही टीम बरकरार रखी है, जिसने पिछले महीने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को दो-एक से हराया था. श्रृंखला के पहले दो मुकाबले 17 और 20 अप्रैल को ढाका में खेले जाएंगे, जबकि तीसरा मुकाबला 23 अप्रैल को चट्टोग्राम में होगा. टीम की कमान मेहदी हसन मिराज़ के हाथों में होगी. हालांकि हाल की जीत के बावजूद कुछ बल्लेबाज़ों के प्रदर्शन पर सवाल बने हुए हैं. सैफ़ हसन और अफ़ीफ़ हुसैन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन पारियों में क्रमशः 17.33 और 19 की औसत से रन बनाए थे, जो उम्मीदों से कम रहे. तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है. चयनकर्ताओं ने नाहिद राना, तस्कीन अहमद, मुस्तफ़िज़ुर रहमान और शोरिफुल इस्लाम पर भरोसा बरकरार रखा है. हाल के समय में गेंदबाज़ों को बदल-बदल कर खिलाने की नीति के विपरीत यह एक स्थिर संयोजन माना जा रहा है. बांग्लादेश की टीम के पाँच खिलाड़ी इस समय पाकिस्तान में चल रही लीग में खेल रहे हैं. ये सभी खिलाड़ी बारह अप्रैल को राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे. रिपोर्टों के अनुसार, एकदिवसीय श्रृंखला समाप्त होने के बाद केवल मुस्तफ़िज़ुर रहमान ही वापस लीग में लौटेंगे. इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन बीस-बीस ओवरों के मुकाबले भी खेले जाएंगे. **बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:** मेहदी हसन मिराज़ (कप्तान), सौम्य सरकार, सैफ़ हसन, तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, लिटन दास (विकेटकीपर), अफ़ीफ़ हुसैन, महिदुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफ़िज़ुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफुल इस्लाम और नाहिद राना.

ब्रिटेन बिली जीन किंग कप के फाइनल्स में

मेलबर्न: ब्रिटेन ने शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को हराकर बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह बनाई. ब्रिटेन ने शुक्रवार को दोनों एकल मैच जीत कर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी. उसकी युगल जोड़ी हैरियट डार्ट और जोडी बुरेज ने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और एलेन पेरेज़ को 6-3, 6-4 से हराकर अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिलाई. एकल मैचों में शुक्रवार को 17 वर्षीय मीका स्टोजसावल्जेविच ने तालिया गिब्सन को 7-6 (4), 7-5 से और डार्ट ने किम्बर्ली बिररेल को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया था. ऑस्ट्रेलिया की 17 वर्षीय खिलाड़ी एमर्सन जोन्स ने केटी स्वान को 7-5, 6-3 से हराकर स्कोर 3-1 कर दिया. बिली जीन किंग कप महिलाओं की टीम प्रतियोगिता है. इसे पहले फेड कप के नाम से जाना जाता था. इसका फाइनल्स सितंबर में शेन्ज़ेन में खेला जाएगा.

अय्यर का धमाल, पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराया

मुल्लांपुर: पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 33 गेंद में 69 रन की नाबाद पारी से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की. सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (57 रन) और प्रभसिमरन सिंह (51 रन) की पारियों के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' अय्यर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को दबाव में नहीं आने दिया. उनकी पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके जड़े थे. इससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया. सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया. सनराइजर्स हैदराबाद के बाएं हाथ के कलाई स्पिनर शिवांग कुमार ने पंजाब किंग्स के शुरूआती तीनों विकेट अपनी झोली में डाले लेकिन पंजाब किंग्स को जीत दर्ज करने से नहीं रोक सके. यह हैदराबाद की लगातार दूसरी हार है. प्रियांश (पांच चौके, पांच छक्के) और प्रभसिमरन (चार चौके, चार छक्के) ने मिलकर पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 93 रन जोड़े. सातवें ओवर में प्रियांश की पारी खत्म हुई. प्रियांश ने शिवांग की पहली ही गेंद पर डीप मिड विकेट के ऊपर से स्वीप शॉट लगाते हुए छक्का जड़ा, लेकिन जब उन्होंने लगातार दूसरी गेंद पर भी ऐसा ही करने की कोशिश की, तो गेंद सीधे क्षेत्ररक्षक के हाथों में समां गई. इस तरह दोनों के बीच 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 99 रन की भागीदारी का अंत भी हुआ. प्रभसिमरन ने फिर नौंवे ओवर में शिवांग की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया. पर अगली ही गेंद पर शिवांग की गुगली पर हेनरिक क्लासेन को कैच दे बैठे. ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद को प्रभसिमरन ने आगे बढ़कर हवा में खेलने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से पर लगी और लांग ऑफ पर क्लासेन ने आगे की ओर डाइव लगाते हुए एक बेहतरीन कैच लपक लिया. शिवांग (33 रन देकर तीन विकेट) के दो झटकों से सनराइजर्स हैदराबाद को वापसी की उम्मीद जगी. फिर इसी गेंदबाज ने 11वें ओवर में कूपर कोनोली (11 रन) की पारी का अंत किया. कोनोली ने पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर चौका लगाया लेकिन अगली ही गेंद को मिसटाइम करके आउट हो गए जिससे स्कोर तीन विकेट पर 128 रन था. इसके बाद कप्तान अय्यर ने कमाल की पारी खेली, उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर 24 गेंद में अर्धशतक जड़ा और यही दबदबा जारी रखा. 15 ओवर में पंजाब का स्कोर तीन विकेट पर 179 रन था और उसे जीत के लिए 30 गेंद में 41 रन बनाने थे. अय्यर ने 16वें ओवर में ईशान मलिंगा पर डीप कवर पर एक चौका तथा काउ कॉर्नर और डीप मिडविकेट पर दो छक्के जड़ दिए. जिससे टीम को 24 गेंद में महज 23 रन की जरूरत थी. अय्यर ने सात गेंद रहते टीम की जीत सुनिश्चित की. सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक की पांच चौके और आठ छक्के जड़ित 28 गेंद की पारी भी काम नहीं आ सकी. अभिषेक और हेड (23 गेंद में 38 रन) ने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी निभाई. पंजाब किंग्स के गेंदबाज विजयकुमार विशाक काफी खर्चीले रहे जिनके पहले ही ओवर में अभिषेक ने चार छक्के जड़ दिए. अभिषेक ने इसी ओवर में 18 गेंद में अपना अर्धशतक भी पूरा किया. पर घरेलू टीम ने शशांक सिंह (तीन ओवर में 20 रन देकर दो विकेट) की बदौलत वापसी की जिन्होंने एक ही ओवर में दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया. इससे नौवें ओवर की शुरुआत में बिना विकेट गंवाए 120 रन पर पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 220 रन के अंदर ही सिमट गई. जेवियर बार्टलेट (चार ओवर में 42 रन देकर एक विकेट) ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए महज पांच रन दिए. अभिषेक (आठ छक्के, पांच चौके) ने पारी की तेज शुरुआत की, उन्होंने अर्शदीप सिंह पर कवर के ऊपर से शॉट लगाकर चौका जड़ा. अभिषेक ने बार्टलेट के खिलाफ दो चौके लगाए और फिर अर्शदीप के खिलाफ तेजी से रन जुटाए. मार्को यानसेन की भी जमकर धुनाई हुई. इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ के पहले ही ओवर में 16 रन बने जिससे सनराइजर्स हैदराबाद चार ओवर में बिना किसी नुकसान के 60 रन तक पहुंच गई. अभिषेक ने फिर चार छक्कों से वैशाक के पहले ही ओवर में 24 रन जुटा लिए जिससे पांच ओवर में स्कोर बिना विकेट गंवाए 84 रन था जो इस मैदान पर पावरप्ले का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है. इसके बाद दोनों सलामी बल्लेबाजों ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखी. हेड ने लगातार तीन चौके जड़े और अभिषेक ने डीप मिडविकेट के ऊपर से एक छक्का लगाकर पावरप्ले के अंदर ही टीम का स्कोर 100 तक पहुंचा दिया. कप्तान अय्यर ने खेल की गति धीमी करने के लिए शशांक और स्पिनर युजवेंद्र चहल को गेंद सौंपी. शशांक ने अपने पहले ओवर में महज छह रन दिए. चहल ने अपनी पहली पांच गेंद में सिर्फ तीन रन दिए जिसके बाद अभिषेक ने इस लेग स्पिनर पर एक जोरदार छक्का जड़ दिया. शशांक को गेंदबाजी पर लगाए रखने का पंजाब किंग्स को फायदा मिला. उन्होंने एक साधारण सी गेंद पर हेड के रूप में टीम को पहली और अहम सफलता दिलाई जो सीधे लांग ऑफ में खड़े क्षेत्ररक्षक को कैच दे बैठे. शशांक ने फिर अभिषेक को फुल लेंथ गेंद फेंकी और यह बल्लेबाज अर्शदीप के हाथों लपका गया. अय्यर ने अपनी सूझबूझ भरी कप्तानी का परिचय देते हुए चहल को एक और ओवर दिया. मैच की स्थिति को देखते हुए चहल ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और इस ओवर में सिर्फ नौ रन दिए. सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन (17 गेंद में 27 रन) अर्शदीप की गेंद पर आउट हो गए जबकि हेनरिक क्लासेन (33 गेंद में 39 रन) अंतिम ओवर में आउट हुए.

एलएसजी के लिए घरेलू रिकॉर्ड चिंता का विषय, गुजरात के खिलाफ लय बनाने की करेगा कोशिश

मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा

लखनऊ: लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को मुकुल चौधरी के रूप में एक नया स्टार मिल गया है, लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले उसके लिए घरेलू मैदान पर खराब रिकॉर्ड बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है. एलएसजी और गुजरात टाइटंस ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा होगा. गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की थी जिससे उसने अपना खाता भी खोला. एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत दर्ज की. हालांकि एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है. उसे अगर इसे अपना मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा. एलएसजी ने पिछले सत्र में यहां खेले गए आठ मैचों में से छह में हार झेली थी. इसमें लगातार पांच मैचों में हार शामिल हैं. यही कारण रहा कि वह पिछले साल सातवें स्थान पर रहा था. उसने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है. मौजूदा सत्र में भी उसके घरेलू मैदान पर पहले मैच में बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और दिल्ली कैपिटल्स ने उसे 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत हासिल की थी. एलएसजी का यह घरेलू मैदान पर इस सत्र का दूसरा मैच होगा और वह यहां अपना जीत का रिकॉर्ड सुधारने के लिए बेताब होगा. एलएसजी का केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जिसमें मुकुल के रूप में एक नए 'फिनिशर' का उदय हुआ. राजस्थान के 21 वर्षीय बल्लेबाज मुकुल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और अपने आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट सहित कई तरह के शॉट लगाकर क्रिकेट जगत का अपनी तरफ खींचा. एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी है, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया था. इस तरहसे एलएसजी का बल्लेबाजी क्रम काफी मजबूत नजर आ रहा है जिसमें मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, कप्तान ऋषभ पंत और निकोलस पूरन भी शामिल हैं. यह मैच दोपहर में खेला जाएगा और यहां की धीमी पिच पर गुजरात के राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का मुकाबला करना आसान नहीं होगा. राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई. राशिद पिछले साल अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए वह आलोचकों के निशाने पर थे लेकिन पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने करारा जवाब दिया. गुजरात टाइटंस के लिए इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जोस बटलर की फॉर्म में वापसी और कप्तान शुभमन गिल का चोट से उबरकर अर्धशतक जमाना सकारात्मक संकेत हैं.

टीम इस प्रकार हैं: (लखनऊ सुपर जायंट्स) : ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान. **(दिल्ली कैपिटल्स) :** अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विप्राज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख.

अपने गढ में आरसीबी के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी मुंबई इंडियंस

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा

मुंबई: इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरूआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ में जीत की राह पर लौटने का होगा. तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरूआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया. पांच बार की चैम्पियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0.715) के साथ आठवें स्थान पर है. रोहित शर्मा को कुछ समय के लिये आरेंज कैप भी मिली लेकिन बल्लेबाजी मुंबई की चिंता का सबब है और आरसीबी जैसे दमदार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक ईकाई के रूप में उसे अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी. मैच टाइम कम रहने के बावजूद रोहित ने अब तक मुंबई के लिये सर्वाधिक रन बनाये हैं लेकिन मध्यक्रम में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव नहीं चल पा रहे. सूर्यकुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगले मैच में नाकाम रहे. कप्तान हार्दिक पंड्या का बल्ला अभी तक चला नहीं है. गुवाहाटी में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई के बल्लेबाज लय को तरसते रहे जबकि रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक पारियां खेली. जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाज की भी उन्होंने धुनाई कर दी और पावरप्ले के 3.2 ओवर में ही 59 रन जोड़ दिये. मुंबई के पास एक और विकल्प बायें हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर को लाने का है जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला विल जैक्स अभी पहुंचे नहीं हैं. मुंबई को बखूबी पता है कि पिछला मैच हारने के बाद आरसीबी वापसी की पूरी कोशिश करेगी. सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की बेहतरीन पारियों के दम पर रॉयल्स ने उसे छह विकेट से हराया है. बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं. कप्तान रजत पाटीदार (142) , विराट कोहली (129) और देवदत्त पडिक्कल (125) ने अच्छी पारियां खेली है जबकि टिम डेविड (99), रोमारियो शेफर्ड और वेंकटेश अय्यर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं. जोश हेजलवुड की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है जो भुवनेश्वर कुमार के साथ नयी गेंद संभालेंगे.

केवल पूंजी या नीति से भारत 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता: सीजेआई सूर्यकांत

नयी दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि देश केवल पूंजी या नीति के जरिये से 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता है, बल्कि इसमें कानूनी प्रणाली की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण कारक होगी. उन्होंने विकसित होती अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए कानूनी ढांचे में आमूलचूल बदलाव का आह्वान करते हुए यह बात कही. सीजेआई ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वाणिज्यिक कानून में पूर्वानुमान, विशेषज्ञता और सद्भावना की संस्कृति की जरूरत पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि इसके लिए ऐसी पूंजी की आवश्यकता होगी, जिसमें दीर्घकालिक प्रतिबद्धताएं शामिल हों और जिसके लिए निवेशक का विश्वास अनिवार्य है. बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यक्रम 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में 'भारत के 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कानूनी सुधार का मसौदा' विषय पर बोलते हुए सीजेआई ने कहा कि यह विषय केवल एक आकांक्षा नहीं, बल्कि एक गंभीर विचार है. सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, मुझे भरोसा है कि हम निश्चित रूप से इस अवसर पर खरे उतरेंगे. 10,000 अरब डॉलर का पड़ाव केवल पूंजी या नीति से नहीं बनेगा. यह काफी हद तक उस कानूनी प्रणाली की गुणवत्ता से बनेगा जो कानून के शासन और उन वादों की रक्षा करती है जिन पर यह सब टिका है. उन्होंने कहा कि जो पीढ़ी 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए भारत के वाणिज्यिक न्यायशास्त्र को आकार देगी, उसे उसी तरह याद किया जाएगा जैसे संविधान को आकार देने वाली पीढ़ी को याद किया जाता है. सीजेआई ने कहा कि निवेशकों को यह जानने की जरूरत है कि क्या निवेश को नियंत्रित करने वाली कानूनी प्रणाली ईमानदार, सुसंगत और पूर्वानुमानित बनी रहेगी.

सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाकर डीजल पर 55.5 रुपये, एटीएफ पर 42 रुपये प्रति लीटर किया

नयी दिल्ली: सरकार ने शनिवार को डीजल के निर्यात शुल्क या अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है. विमान ईंधन (एटीएफ) के लिए यह दर अब 42 रुपये प्रति लीटर होगी. वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी. इससे पहले 26 मार्च को सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था. पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे. इन शुल्कों का उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है. उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू करने के बाद तेहरान की ओर से व्यापक जवाबी कार्रवाई की गई थी. हालांकि, आठ अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल दो सप्ताह के संघर्ष विराम पर सहमत हुए, जिससे पूरे पश्चिम एशिया और वैश्विक ऊर्जा बाजार में पैदा हुआ व्यवधान फिलहाल थमा है. पेट्रोल पर निर्यात शुल्क इस समय शून्य बना हुआ है.

कारोबार

शेयर बाजार : शांति वार्ता के परिणामों पर टिकी रहेगी नजर

विमल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार

जयपुर: मध्य पूर्व एशिया में बवाल, अमेरिका-इजरायल व ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्ध विराम, युद्ध विराम की शर्तों को लेकर हो रही कशमकश, युद्ध विराम में अपना पांव फसाने वाले पाकिस्तार की अमेरिका व ईरान में बनी सेंडविच की स्थिति और इन सब के बीच शनिवार को शुरू होने वाली शांति वार्ता के परिणामों पर इन परिणामों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के स्वीकार करने पर अब भारत ही नहीं विश्व भर के शेयर बाजार की नजर रहेगी. यह सप्ताह शेयर बाजार के रुख को लेकर इसलिए भी बड़ा संवेदनशील माना जा सकता है कि शांति वार्ता के बिंदुओं पर सहमति के बावजूद यदि कोई भी एक पक्ष स्वीकार नहीं करता है और तनाव बढ़ता है तो शेयर बाजार में एक बार फिर भारी गिरावट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. युद्ध विराम और शांति वार्ता का सबसे बड़ा पहलू यह भी है कि युद्ध में शामिल देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी लड़खड़ा रही है, कोई भी युद्ध लम्बे समय तक नहीं खिंच सकता, बस बात केवल इसी पर टिकी है कि कौन पक्ष कितना झुक सकता है और उसे दूसरा पक्ष अपनी कितनी जीत मानता है. पिछले लेख में भी मैंने संकेत दिए थे कि अब समय आ गया है कि निवेशकों को एक रणनीति के अनुसार बाजार में टुकड़ों में निवेश करना चाहिए, क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां कुछ भी हो, इसका भारत पर फिलहाल बहुत अधिक असर नहीं आ रहा, मध्यम से दीर्घावधि में भारतीय शेयर बाजार का भविष्य उज्वल है, इसका कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती कहा जा सकता है. गत शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख समाप्त हो गया और बीएसई सूचकांक में 4230.70 अंक (5.77%) का सुधार रहा और बीएसई सूचकांक 77550.25 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी सूचकांक में 1337.50 अंक (5.89%) की तेजी आई और यह भी 24050.60 अंक पर बंद हुआ. साप्ताहिक आधार पर शेयर बाजार में रही तेजी का असर मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक पर भी है, जिससे शेयर बाजार में सुधार की स्थिति बनी हुई है. भारतीय बाजारों में सुधार के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक-एफआईआई की कुछ धीमा पड़ने के बावजूद बिकवाली का रुख जारी रहा. पांचों कारोबारी दिनों में से चार दिन एफआईआई बिकवाल ही बने रहे और इन्होंने गत सप्ताह 22054.60 करोड़ की शुद्ध बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक-डीआईआई ने गत सप्ताह 21602.30 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीद कर बाजार को सपोर्ट करने का प्रयास किया. बुलियन बाजार की बात करें तो सोने व चांदी के भावों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही सटोरिया गतिविधियों की सक्रियता के कारण भावों में सुधार जारी रहा. साप्ताहिक आधार पर जयपुर बाजार में 24 कैरेट सोना गत शनिवार के 1,52,800 रुपए प्रति 10 ग्राम से 1700 रुपए प्रति दस ग्राम बढ़कर 1,54,500 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,40,500 रुपए प्रति किलो से 8,500 रुपए प्रति किलो सुधार हो कर 2,49,000 रुपए प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई. भावों में तेज उतार-चढ़ाव और कमजोर ग्राहकी के कारण फिलहाल जयपुर के बाजार में ग्राहकी काफी धीमी है. बाजार के भावी रुख के बारे में शेयर कारोबारी कहते हैं कि शेयर बाजार में तेजी की राह में सबसे बड़ी रुकावट अंतरराष्ट्रीय तनाव है. शांति वार्ता शांतिपूर्वक समाप्त हो जाती है और युद्ध को लेकर निर्णायक फैसला आता है तो शेयर बाजार में अच्छी तेजी आएगी और निफ्टी सूचकांक मौजूदा 24050.60 अंक से सुधर कर 24500 अंकों के स्तर तक भी पहुंच सकता है, लेकिन यदि कोई भी पक्ष समझौते से इनकार करता है तो बात बिगड़ भी सकती है, ऐसे में निवेशकों को बाजार में नए निवेश से लेकर सतर्कता ही बरतनी चाहिए. उधर, म्युचुअल फंड के माध्यम से हो रहे निवेश की बात करें तो तनाव के बावजूद भारतीय निवेशकों ने म्युचुअल फंड निवेश में रुचि दिखाई और जमकर पैसा निवेश किया, खास बात यह भी है कि विपरीत परिस्थितियों में भी एसआईपी में निवेश नहीं रुका. कारोबारियों की राय में टाटा पावर, बीएचईएल, फेडरल बैंक, अशोका लिलेंड, इंडस टावर, जायसवाल निक्को, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचएफसीएल, प्रेशिशन वायर, लार्सन एण्ड टुब्रो जैसी मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनियों में किया गया सीमित निवेश बेहतर प्रतिफल देने में तो सक्षम है, पर यदि बाजार में और गिरावट आती है तो इन कंपनियों के मौजूदा भावों में भी कमी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. उधर, प्राथमिक बाजार के माध्यम से निवेशकों को इस सप्ताह मेन बोर्ड और एसएमई प्लेटफार्म पर एक-एक कंपनियों के नए आईपीओ में आवेदन का मौका उपलब्ध होगा. आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को आईपीओ से धन जुटाने वाली कंपनियों के वित्तीय कार्य परिणामों और मांगे जाने वाले प्रीमियम व कम्पनी के जोखिम बिन्दुओं को लेकर बेहद सतर्कता बरतने की जरूरत है, प्रमाण यह है कि पिछले सप्ताह जिन आईपीओ की बाजार में लिस्टिंग हुई हैं, उनमें से कुछ तो पहले ही दिन आईपीओ कीमत तक भी बंद नहीं हो सके. उधर, सेबी के पास आने वाले नए आईपीओ आवेदनों में इस सप्ताह 11 कंपनियों ने अपने ड्राफ्ट हेरिंग प्रोस्पेक्टस-डीआरएचपी/संशोधित डीआरएचपी पेश किए हैं.

मारुति सुजुकी 2031 तक चार नए इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी

हैदराबाद: देश की प्रमुख कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड वर्ष 2031 तक चार नए इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी. कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए आयोजित एक कार्यक्रम में एक ही दिन में ई-विटारा की 108 इकाइयां ग्राहकों को सौंपी. मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि यह ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है, क्योंकि कंपनी स्वच्छ परिवहन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है. उन्होंने यह भी कहा कि 2031 तक कंपनी बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन खंड में भी अग्रणी बनने का लक्ष्य रखती है और बाजार की मांग के अनुसार अपनी रणनीति तय करेगी. पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण कंपनी को वाहनों के दाम बढ़ाने होंगे, हालांकि बढ़ोतरी की सीमा जल्द घोषित की जाएगी. उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने करीब 4.50 लाख वाहनों का निर्यात किया, जबकि पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का अभी आकलन किया जा रहा है. कंपनी के अनुसार, अब तक ई-विटारा की 25,000 से अधिक इकाइयों का 44 देशों में निर्यात किया जा चुका है और इसे 100 से अधिक देशों में भेजने की योजना है.

घरेलू बाजार में ग्लोबल फंड्स की ताबड़तोड़ बिकवाली, तीन महीने में बेचे 18.84 अरब डॉलर के शेयर

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण ग्लोबल फंड्स घरेलू शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए नजर आ रहे हैं. शेयर बाजार में ग्लोबल फंड्स द्वारा लगातार बिकवाली की जा रही है. साल 2026 के पहले तीन महीने में ही इन विदेशी फंड्स ने इंडियन इक्विटी मार्केट में 18.84 अरब डॉलर की रिकॉर्डतोड़ बिकवाली की है. मार्च खत्म होने के बाद सिर्फ अप्रैल के शुरुआती दस दिन में ही ग्लोबल फंड्स ने तीन अरब डॉलर की बिकवाली की है. माना जा रहा है कि जियो पॉलिटिकल टेंशन और कच्चे तेल की कीमत में जोरदार तेजी की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ने की आशंका की वजह से ग्लोबल फंड्स भारतीय बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उन्हें और उनके निवेशकों को बड़े नुकसान का सामना न करना पड़े. सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार साल 2026 में ग्लोबल फंड्स ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली करने के सभी आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है. इस साल के पहले तीन महीने के दौरान विदेशी फंड्स ने इक्विटी मार्केट में बिकवाली कर 18.84 अरब डॉलर की निकासी की है, जबकि साल 2025 में ग्लोबल फंड्स ने इंडियन इक्विटी मार्केट में कुल 18.79 अरब डॉलर की बिकवाली की थी. मतलब पिछले साल 12 महीने की अवधि में ग्लोबल फंड्स ने इक्विटी मार्केट में जितनी बिकवाली की थी, उससे अधिक बिकवाली उन्होंने इस साल के पहले तीन महीने में ही कर ली है. राहत की बात यही है कि पश्चिम एशिया संकट और पहले से ही दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी जारी तनाव के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (म्यूचुअल फंड हाउस और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस) लगातार खरीदारी कर घरेलू बाजार को सहारा दे रहे हैं. इन तनाव के बीच जहां विदेशी निवेशक ओर ग्लोबल फंड्स भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

महान समाजसेवी सेठ श्री सरदारमल जी कांकरिया एक युग पुरूष थे : हिंगलाज दान रतनू

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : स्थानकवासी जैन महासभा के अध्यक्ष महान समाजसेवी मारवाड़ की धरती के सपूत सेठ श्री सरदारमल जी कांकरिया युग पुरूष थे, उनके देहावसान से एक युग का अंत हो गया है. कल उनका महानगर कोलकाता में 98 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया, सेठ श्री सरदारमल कांकरिया मानवीय संवेदना, समाज सेवा, साहित्य कला संस्कृति सेवक, शैक्षिक जगत के उन्नयन के कीर्तिमान स्वरूप थे, इस 98 वर्ष की उम्र में भी वे युवा जैन थे जिनका स्नेह आशीर्वाद एवं सानिध्य, वात्सल्य तथा गार्जियनशिप सदैव मिलती रही है. यह विचार व्यक्त करते हुए एवं युग पुरूष सेठ श्री सरदारमल जी

कांकरिया को श्रद्धा सुमन अर्पण करते हुए राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान सूचना केंद्र-कोलकाता के सहायक निदेशक हिंगलाज दान रतनू ने कहे. श्री रतनू ने कहा कि ऐसी शख्सियत सदियों में बिरले ही जन्मते हैं जिन्होने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, साहित्य, कला संस्कृति जगत को अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था. श्री रतनू ने डिंगल दोहे से स्वर्गीय सेठ श्री सरदारमल जी कांकरिया को श्रद्धापूर्वक नमन स्मरण करते हुए कहा कि सरदारमल जी अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सदैव अमर रहेंगें उन्होने सेवा के वो कीर्तिमान स्थापित कर जिनसे आने वाली पीढीयां भी प्रेरित होगी श्री रतनू ने उनके सम्मान में दोहा कहा कि नाम रहंतां ठाकरां नाणा नहीं रहंत, कीरत हंदा कोटडा ढहाया नहीं ढहंत उन्हे श्रध्दांजलि अर्पित करने वालों में श्री संजय बिनानी, नेहा चटर्जी, संजय कुमार, नेहा बिनानी, अजय बनिक, मास्टर आर्यन सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित थे. श्री रतनू ने कहा कि ऐसी विभूतियां अमर रहती है उन्होंने महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की कविता पंक्तियों के साथ सादर नमन किया कि बुझसी धूणी देह री अबे हुवे परतीत, पर आभै में गूंजता रहसी म्हारा गीत.

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार द्वारा पटना में 26वीं 'दीदी की रसोई' का शुभारंभ

युवा शक्ति न्यूज

पटना : पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय परिसर में ग्रामीण विकास मंत्री, बिहार श्रवण कुमार द्वारा 'दीदी की रसोई' की 26वीं इकाई का विधिवत उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति उपेन्द्र प्रसाद सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे. माननीय मंत्री ने फीता काटकर 'दीदी की रसोई' का शुभारंभ किया तथा जीविका दीदियों द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों का अवलोकन एवं स्वाद ग्रहण किया. उन्होंने दीदियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'दीदी की रसोई' के माध्यम से बिहार के लोगों को घर जैसा शुद्ध, स्वादिष्ट एवं किफायती भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है. यह पहल न केवल स्वाद बल्कि विश्वास का प्रतीक बन चुकी है.बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2018 से राज्य के विभिन्न जिलों में जीविका द्वारा 'दीदी की रसोई' को प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है. इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आजीविका के स्थायी अवसर प्रदान

कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है. पटना जिला में यह 26 वीं 'दीदी की रसोई' है, जिसका संचालन जीविका दीदियों द्वारा किया जाएगा.इस कार्यक्रम में पटलीपुत्र विश्वविद्यालय के प्रो. अबू बकर, रजिस्ट्रार, प्रो. राजीव रंजन, डीएसडब्ल्यू, प्रो. कमल प्रसाद बौद्ध, डीन - शिक्षा संकाय, प्रो. शिव कुमार यादव, सीसीडीसी, प्रो. कृष्णानंद प्रसाद, महाविद्यालय निरीक्षक, डॉ. प्रणव गुप्ता, ओएसडी - पीएचडी (सेल), एवं प्रो. हेमलता यादव, कॉलेज निरीक्षक शामिल हुए. कार्यक्रम में राज्य परियोजना प्रबंधक (जीविका) मुकेश कुमार सासमल, पटना जिला के नॉन-फार्म मैनेजर बिपिन कुमार सहित जिला एवं राज्य स्तर के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे.यह पहल महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आने वाले समय में और भी व्यापक प्रभाव डालेगी.

वांछित गैंगस्टर को थाईलैंड से वापस लाया गया, हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया

नई दिल्लीः देश के कई राज्यों में गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित कुख्यात गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है. चौहान के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था. सीबीआई के अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी. हरियाणा पुलिस के एसटीएफ आईजी बी सतीश बालन ने बताया कि राव इंद्रजीत यादव समेत कई अन्य गैंगस्टर को दुबई और अन्य देशों में हिरासत में लिया गया है. उनके कागजात तैयार किए जा रहे हैं और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जारी है. अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल के माध्यम से पता लगाया कि चौहान बैंकॉक में है और शुक्रवार को उसे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लाया गया, जहां से हरियाणा पुलिस की एसटीएफ उसे गुरुग्राम के भोंडसी मुख्यालय ले गई. सीबीआई ने एक बयान में कहा, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से सीबीआई ने 10 अप्रैल को वांछित भगोड़े साहिल चौहान को थाईलैंड से सफलतापूर्वक वापस लाने में कामयाबी हासिल की है. अंबाला के शाहजादपुर निवासी चौहान ने 2016 में अपना पहला अपराध किया था और हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती व अवैध आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल से जुड़े 16 आपराधिक मामलों में वह वांछित था. हरियाणा पुलिस ने सीबीआई से उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है. बालन ने बताया कि चौहान, भूप्पी राणा गिरोह और बंबीहा गिरोह का एक प्रमुख सदस्य था और हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ क्षेत्रों में सक्रिय था. उसे चार जनवरी 2017 को जगाधरी अदालत में प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर मोनू राणा पर गोली चलाने के आरोप में 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई थी. हालांकि, जमानत पर रिहा होने के बाद वह बेंगलुरु भाग गया. वह गुरुग्राम के कौशल चौधरी गिरोह से भी जुड़ा हुआ था. आईजी ने बताया कि 2024 में उसने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करके बेंगलुरु से विदेश भाग गया. इसके बाद वह दो साल तक विभिन्न देशों में घूमता रहा और कुछ दिन पहले थाईलैंड पहुंचा.

तृणमूल उम्मीदवार ब्रत्य बसु की संपत्ति पांच साल में बढ़कर 4.41 करोड़ रुपये हुई : चुनावी हलफनामा

कोलकाताः सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार एवं पश्चिम बंगाल की निवर्तमान सरकार में शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु की कुल संपत्ति पांच वर्षों में बढ़कर 4.41 करोड़ रुपये हो गई है. बसु ने यह जानकारी राज्य विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामा में दी है. दस्तावेज के मुताबिक, 2021 में बसु के पास कुल 3.08 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जिसमें 2.08 करोड़ रुपये की चल और एक करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल थी. हलफनामे के अनुसार, बसु के आय में गत पिछले पांच वित्तीय वर्षों में लगातार वृद्धि हुई है. उनकी आय 2020-21 में 4,91,580 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 25,63,730 रुपये हो गई. दमदम सीट से तृणमूल के उम्मीदवार बसु के पास 3.16 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है. उनके पास शहर के लेक टाउन इलाके में 2,500 वर्ग फुट का एक फ्लैट भी है, जिसकी कीमत उन्होंने 1.25 करोड़ रुपये बताई है. बसु ने अपनी आय के स्रोतों के रूप में विधायक के रूप में वेतन और भत्ते, अभिनय और निर्देशन से होने वाली आय तथा सहायक प्रोफेसर के रूप में अपने पिछले पद से प्राप्त पेंशन की घोषणा की है. उन्होंने हलफनामे में दावा किया है कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है.

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्लीः तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार पर 'श्वेत पत्र' जारी करने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे पर शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की जांच का सामना कर रहे 10 विपक्षी नेताओं में से नौ जो भाजपा में शामिल हुए, उन्हें राहत मिल गई. ओ ब्रायन ने पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले के कटवा में एक चुनावी रैली में मोदी द्वारा किए गए दावों की फैक्ट-चेक जानकारी साझा की. उन्होंने कहा, आज नरेन्द्र मोदी का एक और चुनावी भाषण. एक बार फिर, आइए उनके आठ दावों का पर्दाफाश करें और आठ सूत्री वास्तविकता की जांच प्रस्तुत करें. प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर कि भाजपा भ्रष्टाचार पर 'श्वेत पत्र' लाएगी, उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार मामलों में जांच का सामना कर रहे 10 में से 9 विपक्षी नेता जो भाजपा में शामिल हुए, उन्हें राहत मिली. प्रफुल्ल पटेल, हिमंत विश्व शर्मा, नारायण राणे, अजित पवार, अशोक चव्हाण. शुभेंदु अधिकारी को विपक्ष का नेता बनाया गया. भाजपा वॉशिंग मशीन. पश्चिम बंगाल में शासन व्यवस्था को लेकर लगाए जा रहे आरोपों का खंडन करते हुए ओ'ब्रायन ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने दो करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला, बेरोजगारी कम की और कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं. पश्चिम बंगाल में किसानों की आय बढ़ाने के संबंध में मोदी की टिप्पणियों पर, ओ'ब्रायन ने 'पीएम-किसान' योजना के तहत मिलने वाले लाभों के दावों का खंडन करते हुए कहा कि एक संसदीय समिति ने राशि बढ़ाने की सिफारिश की थी, जिसे लागू नहीं किया गया था. उन्होंने इसकी तुलना राज्य की 'कृषक बंधु' योजना से करते हुए दावा किया कि यह योजना पश्चिम बंगाल के किसानों को अधिक सहायता प्रदान करती है. महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर, ओ'ब्रायन ने राष्ट्रीय अपराध आंकड़ों का हवाला देते हुए और बिलकिस बानो मामले में दोषियों की माफी सहित विवादों का जिक्र करते हुए भाजपा की आलोचना की. उन्होंने दिल्ली में कानून व्यवस्था के मुद्दों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा, ''देश में प्रतिदिन 81 महिलाओं से बलात्कार होता है. महिलाओं के खिलाफ अपराध की सबसे उच्च दर दिल्ली में है, जहां पुलिस गृह मंत्री अमित शाह के अधीन है. भाजपा ने चैंपियन महिला पहलवानों के साथ छेड़छाड़ करने वाले सांसद को संरक्षण दिया. बिलकिस बानो के बलात्कारियों को रिहा कर दिया. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना समेत रोजगार योजनाओं पर, ओ'ब्रायन ने दावा किया कि आवेदकों में से केवल कुछ ही लोगों को ऋण स्वीकृतियां मिली हैं, जिससे इस पहल की प्रभावशीलता पर सवाल उठता है.

नालंदा के चेरो में तीन दिवसीय नारायण पीठ एवं मानव धर्मशास्त्र कथा का भव्य शुभारंभ

1101 महिलाओं द्वारा निकाली गई कलश शोभायात्रा

युवा शक्ति न्यूज

नालंदा: जिले के हरनौत प्रखंड अंतर्गत चेरो ओपी थाना के समीप, नेशनल हाईवे-20 किनारे स्थित चेरो सूर्य मंदिर तालाब परिसर में तीन दिवसीय नारायण पीठ एवं मानव धर्मशास्त्र कथा का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ. इस पावन आयोजन का आरंभ प्रातः 8 बजे 1101 कुमारी कन्याओं एवं महिला श्रद्धालुओं द्वारा निकाली गई विशाल एवं भव्य कलश शोभायात्रा से हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से ओत-प्रोत कर दिया. यह आयोजन अवधूत देवीदास सेवा संस्थान, नारायणी धाम (अलवर, राजस्थान) द्वारा पहली बार नालंदा जिले में आयोजित किया जा रहा है. शोभायात्रा में चेरो, खरुआरा, द्वारिका बीघा सहित आसपास के अनेक गांवों की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा एवं चुनरी धारण कर उत्साहपूर्वक भाग लिया. संस्थान के अनुसार, यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, सामाजिक समरसता, प्रकृति संरक्षण और मानव सेवा के व्यापक उद्देश्य को लेकर किया जा रहा है. के अनुसार, इस प्रकार के कार्यक्रमों का लक्ष्य मानव समाज को अंधविश्वासों से ऊपर उठाकर सही जीवन मार्ग की ओर प्रेरित करना तथा मानवता ही धर्म है और मानव सेवा ही साधना के सिद्धांत को स्थापित करना है. सतगुरु अवधूत देवीदास महाराज की कृपा एवं गुरुदेव अवधूत लक्ष्मीनारायण जी के मार्गदर्शन में संस्थान देशभर में इस प्रकार के आयोजन निरंतर करता आ रहा है, जिससे समाज में प्रेम, समानता, करुणा और सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है.

कार्यक्रम के आगामी क्रम में : रविवार : मानव धर्मशास्त्र कथा के साथ गुरुदेव के प्रसाद स्वरूप वस्त्र वितरण, सोमवार (समापन दिवस): कथा समापन के उपरांत गुरु प्रसाद रूप में भंडारा. इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है तथा हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर लाभान्वित हो रहे हैं. इस अवसर पर सुदामा बाबा, विनोद कुमार सिंह, विनीता बर्मन, विजय सिंह, नीतीश कुमार, दुलार्चन यादव, अशोक यादव, रामजोत पासवान, विनोद यादव, राजेश यादव, मुन्ना देव, दानी पासवान, जमींदर पासवान, रौशन यादव, विकास, छोटू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे.

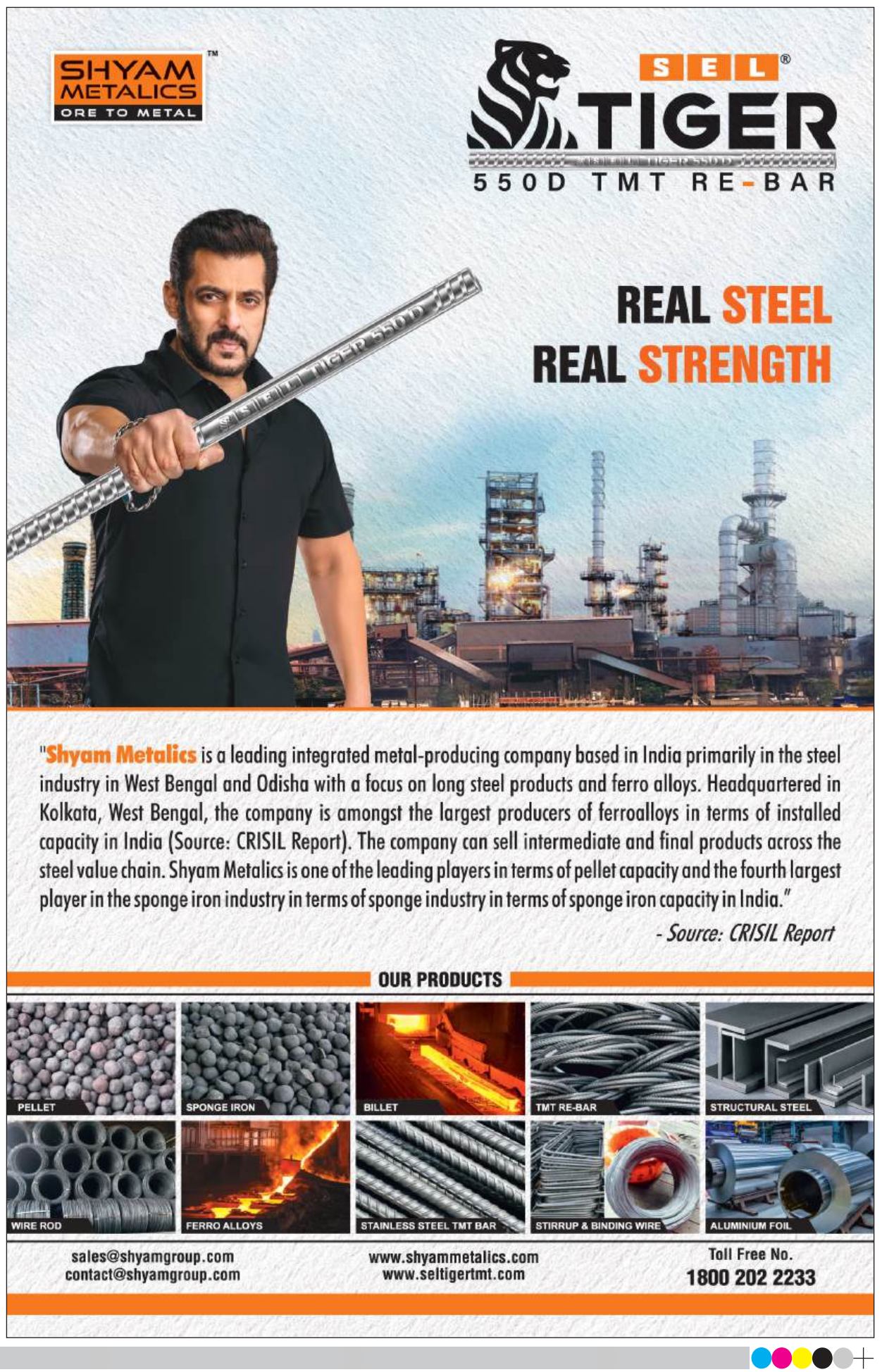

सेवा का पर्याय थे सरदारमलजी कांकरिया

कोलकाताः अप्रतिम सेवासाधक, अनन्य शिक्षाव्रती, सर्वसमावेशी संगठनकर्त्ता सरदारमल जी कांकरिया की लोकयात्रा पर विराम, एक ऐसे व्यक्तित्व का अवसान है जिन्होंने अपनी विश्वसनीयता और समाज-सचेतनता के बल पर शिक्षा, चिकित्सा तथा लोक-सेवा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए. उनका निधन सही अर्थों में समाज की अपूरणीय क्षति है. वे व्यक्ति नहीं, संस्था थे; संस्था ही नहीं कई संस्थाओं के जनक, पोषक और प्रेरक थे. जैन समाज की विरल - विशिष्ट विभूति सरदारमलजी सेवा का पर्याय थे. उनकी कर्मठ एवं सार्थक जीवन - यात्रा समाज को लंबे समय तक अनुप्रेरित करती रहेगी. अपनी कीर्ति में तथा अपने बनाए संस्थानों के माध्यम से वे सदैव जीवित रहेंगे . मेरी भावपूर्ण श्रद्धांजलि - डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, वरिष्ठ साहित्यकार.

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
NEWS

KAUN JEETEGA BENGAL?

Where Voters Engage, Discuss & Decide

14 Locations | 14 Conversations | One Bengal Decides

SAMPANN
VICKY RAJ SIKARIA
TRUST • FUTURE • PROSPERITY
MEL
GOVVINDA TMT
Hamesha Aapke Saath
anukriti
ARS
KHUSHI SAREES & SUITS
MAATBBAR
UltraMax 550D TMT BAR
ULTRA SHAKTI! MAXIMUM MAZBOOTI!
MUMUSO
Global lifestyle Brand
L.T. ELEVATOR
We Carry With Care
SHRADHA
BHOOMI INDUSTRIAL PARK
Media Partner
SITI NETWORK
Concept Care Studio - 94775 90000
For Brand Collaborations & Sponsorship Queries : +91 93396 55455 / 98314 94084
yuvashaktinews.com yuvashaktilive yuvashaktidigital yuvashaktilive

न्यूज कॉर्नर

राजनगर में सड़क हादसा, एक की मौत

जमशेदपुर : राजनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई. दूसरे घायल का इलाज टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में चल रहा है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने राजनगर थाना का घेराव कर हंगामा किया. पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार को जब्त कर लिया है. मृतक और घायल की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है. मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच जारी है, जबकि आरोपी फरार बताए जा रहे हैं.

श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से परम आनन्द, सच्चिदानंद : पण्डित श्रीकांत शर्मा

कोलकाता : भागवताचार्य बाल व्यास पण्डित श्रीकान्त शर्मा ने श्याम लेक गार्डन में समाजसेवी विजय - मंजू, गिन्नी देवी, रेखा केडिया एवं श्रद्धालु भक्तों द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा की पूर्णाहुति के अवसर पर अपने आशीर्वचन में कहा श्रीमद्भागवत कथा श्रवण कर श्रोता ज्ञान और भक्ति के प्रकाश से जीवन में अंधकार रूपी अज्ञान को दूर करते हैं . श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से परम आनन्द, सच्चिदानंद का अनुभव होता है . राधे - राधे, जय श्रीराधे... भक्तिमय वातावरण में कथावाचक बाल व्यास पण्डित श्रीकांत शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, बाल लीला, गोवर्धन उत्सव, वैकुंठ दर्शन, रुक्मिणी विवाह एवं विविध प्रसंग में संगीतमय कथा सुना कर श्रद्धालु भक्तों को भाव विभोर किया . बाल व्यास ने पूर्णाहुति के अवसर पर श्रीकृष्ण - सुदामा मित्रता के प्रसंग में कहा श्रीकृष्ण एवम् सुदामा की मित्रता समाज में अमीर - गरीब वर्ग में परस्पर सद्भावना, समानता की प्रेरणा देती है . मानवी, हेमांगी, ओमेश, मोहिल, तनिष्क, प्रसन्ना, नमन, नित्या एवम् केडिया परिवार के सदस्यों ने श्रद्धालु भक्तों का स्वागत किया . श्याम लेक गार्डन परिवार के सहयोग से निखिल - ज्योति, विनय - मुनमुन, गणेश - श्वेता, विषय - कनुप्रिया, रौनक - वर्तिका, शालिनी - नवीन दुगड़, कृति - रितेश दारुका, शिल्पा - अमित सराफ, अंकिता - वरुण पचीसिया, युक्ता - पीयूष तातेर एवं केडिया परिवार तथा श्रद्धालु भक्तों ने हवन, पूजा - अर्चना में शामिल हो कर पुण्य अर्जित किया .

महायज्ञ मंडप की परिक्रमा करने उमड़ रही भक्तों की भीड़

साहिबगंज : शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित श्री श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के तीसरे दिन शनिवार को वैदिक मंत्रोचारण के साथ मंडप पूजन, सभी देवी देवताओं का वैदिक मंत्रोचारण के साथ आह्वाहन करके पूजन किया गया ओर 11 कुंडिय महायज्ञ मंडप में आहुति दी गई. जिससे पूरा क्षेत्र वैदिक मंत्रोचारण से गूंज उठा. वही संध्या बेला में पाठ ओर श्रीकृष्ण रासलीला वृंदावन से आए पुरोहित व कलाकारों की टीम ने किया. रासलीला में तीसरे दिन शनिवार को पाठ होने के बाद श्रीकृष्ण रासलीला भक्तों को दिखाया गया. जिसमें श्रीकृष्ण की भक्त मीरा का चरित्र का दर्शन भक्तों को दिखाया गया. वृंदावन धाम से आए हरी ओम दास जी महाराज ने बताया कि तीसरे दिन भगवान कृष्ण की परम भक्त मीरा का चरित्र रासलीला में दिखाया गया. जिसमें राजस्थान की भूमि पर मीरा का जन्म हुआ, मीरा कृष्ण की भक्त था. चितौड़गढ़ के राजा के साथ मीरा का विवाह हुआ था, राजा के मरने के बाद राजा का छोटा भाई मीरा पर अत्याचार करता ओर श्रीकृष्ण गिरधर का भजन पूजा पाठ नहीं करने देता था, मीरा को कष्ट दिया, प्रताड़ित किया, जहर दिया, सांप से कटाया. भगवान कृष्ण की चोरी तक करवा दी. लेकिन भगवान कृष्ण मीरा की भक्ति से प्रसन्न होकर गिरधर गोपाल प्रकट हुआ. मीरा वहां के राज पाठ को त्याग करके वृंदावन में आकर के कृष्ण के अंदर समाहित हो गई. ये लीला रासलीला में भक्तों को दिखाया गया. वही रासलीला देखने सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु यज्ञ मंडप परिसर पहुंच रहे है. नौ दिनों तक रासलीला का आयोजन किया गया है. वही भंडारा प्रसाद स्वरूप हजारों भक्त सुबह शाम खा रहे है. मौके पर अयोध्या धाम यूपी से आए यज्ञ संरक्षक महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास शास्त्री जी महाराज, हरि ओम दास जी महाराज, पंडित भोला पांडे सहित महायज्ञ समिति अध्यक्ष विमल यादव मुख्य जजमान केदार यादव सहित समिति सदस्य उपस्थित थे.

मयना में प्रचार के दौरान टीएमसी प्रत्याशी चंदन मंडल पर हमला

पूर्व मेदिनीपुर : पूर्व मेदिनीपुर जिले के मयना विधानसभा क्षेत्र के बकचा हालिशहर इलाके में शनिवार सुबह चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार चंदन मंडल पर कथित रूप से हमला किए जाने की घटना सामने आई है. इस घटना को लेकर टीएमसी की ओर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया गया है.जानकारी के अनुसार, चंदन मंडल चुनाव प्रचार के सिलसिले में इलाके में पहुंचे थे. इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया.टीएमसी नेताओं का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने सुनियोजित तरीके से हमला किया. हालांकि भाजपा की ओर से अभी तक इस आरोप पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.तृणमूल प्रत्याशी चंदन मंडल ने कहा, हम शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव प्रचार के लिए निकले थे. इसी दौरान जब हम इस गांव में पहुंचे, तो वहां कुछ ग्रामीण महिलाएं झाड़, डंडा, बांस, अल्बेस्टर और पत्थर लेकर हम लोगों पर हमला करने लगीं. हम चुनावी प्रक्रिया के तहत शांतिपूर्ण ढंग से अपना कार्यक्रम करना चाहते हैं, लेकिन इस घटना के पीछे सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी का हाथ है.वहीं जिला भाजपा नेतृत्व का कहना है कि इस घटना का भाजपा से कोई संबंध नहीं है. उनका आरोप है कि लंबे समय से 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत मिलने वाली राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में समय पर नहीं पहुंच रही थी, जिससे स्थानीय महिलाओं में असंतोष बढ़ रहा था. जब तृणमूल प्रत्याशी चुनाव प्रचार के लिए उक्त इलाके में पहुंचे स्थानीय महिलाओं ने इस मुद्दे पर सवाल उठाया तो विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई और मामला आगे बढ़ गया. भाजपा का कहना है कि यह पूरी तरह से स्थानीय लोगों की नाराजगी और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है, इसमें पार्टी की कोई भूमिका नहीं है.घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई.

चुनाव से पहले बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में नकदी जब्त

सिलीगुड़ी : विधानसभा चुनाव से पहले सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा के मुरालिगंज चेकपोस्ट पर नाका जांच के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है.जानकारी के अनुसार, सिलीगुड़ी से बिहार जा रही एक चार पहिया वाहन को शुक्रवार रात रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से 18 लाख 98 हजार 700 रुपये नकद बरामद हुए. यह कार्रवाई स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) टीम, पुलिस और केंद्रीय बलों द्वारा संयुक्त रूप से की गई. तलाशी के दौरान गाड़ी में मौजूद लोग इस बड़ी रकम से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए, जिसके बाद पूरी रकम को जब्त कर लिया गया. टीम आगे की कार्रवाई जुट गई है.

सिदो कान्हु की जयंती पर पदाधिकारी एवं विभिन्न दलों के नताओं ने किया माल्यार्पण

वीर सिद्धू– कन्हू ने लिया था अंग्रेजों से लोहा, दी थी महाजनी प्रथा से आजादी

पाकुड़: झारखंड के वीर सपूत सिदो कान्हु की जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित के सिदो-कान्हु पार्क में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ सामाजिक एवं राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित की. इस अवसर पर एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि संताल हूल के महानायक सिदो कान्हु हमारे प्रेरणा के स्रोत हैं.उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर समाज को नई दिशा दी. उनके साहस और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता. उन्होंने बताया कि सिदो-कान्हु पार्क स्थित मार्टिलो टावर आज भी उनके संघर्ष की गवाही दे रही है.

सिदो-कान्हु के प्रयासों से ही लोगों को महाजनी प्रथा से मुक्ति मिली थी. उनके जन्मदिवस के अवसर पर झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम यादव एवं कार्यकर्ताओ द्वारा वीर सिद्धू-कन्हू के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.

मौके पर झामुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम यादव ने कहा कि सिदो-कान्हु ने अन्याय और शोषण के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी, वह आज भी प्रासंगिक है समाज को उनके बताए रास्ते पर चलकर ही सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है.वहीं भाजपा की जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि सिदो-कान्हु का बलिदान पूरे देश के लिए प्रेरणा है.आज के युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना चाहिए. इस मौके पर कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता ने उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण की .

बोडाम में मवेशी चोरी रोकने हेतु पुलिस ने तेज की कार्रवाई

जमशेदपुर : बोडाम थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही बकरी व अन्य मवेशियों की चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है. दर्जनों मामलों के सामने आने के बाद खासकर छोटे पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है, जिनकी आजीविका का मुख्य आधार पशुधन ही है. हालांकि पीड़ितों को उम्मीद है कि जल्द ही इन चोरी की घटनाओं का खुलासा होगा और इसमें शामिल गिरोह के सदस्य पुलिस की गिरफ्त में होंगे. थाना प्रभारी ने कहा कि मवेशी चोरी पर नियंत्रण केवल पुलिस के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी आवश्यक है. उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की जरूरत है.

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

पाकुड़: समाहरणालय स्थित सभागार में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, पाकुड़ श्री अरुण कुमार एक्का की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका के रिक्त पदों के लंबित प्रस्ताव, पोषण ट्रैकर में शत-प्रतिशत प्रविष्टि, टीएचआर वितरण, आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई.

बैठक के दौरान परियोजना निदेशक ने निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका के सभी लंबित प्रस्तावों को हर हाल में अविलंब निष्पादित करते हुए उसी दिन अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ताकि शीघ्र

नियुक्ति पत्र का वितरण सुनिश्चित किया जा सके.

लक्ष्य-प्राप्ति एवं सेवा गुणवत्ता पर विशेष जोर

विभागीय प्रस्तुतियों के आधार पर लक्ष्य-प्राप्ति, सेवा गुणवत्ता, फील्ड मॉनिटरिंग एवं तकनीकी अद्यतन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई. परियोजना निदेशक ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी, प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके.

पोषण ट्रैकर में शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश

परियोजना निदेशक ने पोषण ट्रैकर में शत-प्रतिशत एवं त्रुटिरहित डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. एफआरएस में धीमी प्रगति पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा, महेशपुर एवं हिरणपुर प्रखंडों में कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए. साथ ही कुपोषित एवं कमजोर बच्चों की पहचान कर उन्हें तत्काल एमटीसी में भर्ती कराने पर जोर दिया गया.

आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन पर सख्त निर्देश

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से खुले रहें तथा वहां निर्धारित सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए. किसी भी परिस्थिति में केंद्र बंद नहीं रहने चाहिए और लाभुकों को सभी सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं. बैठक के अंत में परियोजना निदेशक ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं समन्वय के साथ करें, ताकि समाज कल्याण विभाग की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच सके.

टीएमएच में इलाजरत मेहंदी के इलाज के खर्च की व्यवस्था करेंगे सरयू राय

जमशेदपुर : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने कहा कि मेहंदी नामक एक युवती पर खौलती हुई चाय फेंकने के प्रकरण में गंभीर रुप से जख्मी हुई बिटिया के इलाज में धन की किल्ल्त नहीं होगी. इलाज तब तक चलेगा, जब तक वह स्वस्थ न हो जाए. सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखाः मनबढ़ शोहदों द्वारा चेहरे पर खौलती चाय फेंक देने से बुरी तरह घायल बच्ची मेंहदी के इलाज में कोताही नहीं होगी. टाटा स्टील प्रबंधन ने मेरा आग्रह मान लिया है कि बिल बकाया रहने पर भी इलाज चलता रहेगा. मैंने उन्हें आश्वस्त किया है कि बकाया इलाज खर्च की व्यवस्था मेरे स्तर से कर दी जाएगी. इस पोस्ट पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं. गौरतलब है कि जिस दिन यह घटना घटी, उसके दूसरे ही रोज श्री राय ने अपने जनसुविधा प्रतिनिधि नीरज सिंह, जदयू के जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, जदयू के महानगर अध्यक्ष अजय कुमार आदि से टाटा मेन हॉस्पिटल जाने को कहा और यह भी ताकीद किया कि वह बिटिया के इलाज को सही तरह से देख लें. कहीं कोई दिक्कत न हो. उनके निर्देश पर लोग अस्पताल गए और घायल बिटिया मेहंदी के इलाज के बारे में पर्याप्त जानकारी ली. फिर सभी सूचनाएं श्री राय को दी गईं. यह पहला मौका नहीं है, जब श्री राय का बेहद संवेदनशील और मानवीय पक्ष सामने आया हो. अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में वह धर्म, जाति, पार्टी, विचारधारा से एकदम अलग होकर इंसानियत के नाते भी लोगों की मदद करते रहे हैं.

हरिनाम संकीर्तन में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

पाकुड़: जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मुर्गाडांगा गांव में तीन दिवसीय 24 प्रहार हरिनाम संकीर्तन का भव्य शुभारंभ हुआ. वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा के तहत ग्राम समिति द्वारा हर साल इस आयोजन का आयोजन किया जाता है, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं. शनिवार रात वैष्णव ब्राह्मणों द्वारा विधि-विधान से अधिवास संपन्न कराया गया. इसके बाद कीर्तन मंडलियों ने पूरे गांव में भ्रमण कर हरिनाम संकीर्तन किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा. आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष मंडल ने बताया कि इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार 24 प्रहार संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है. , दक्षिण दिनाजपुर और बर्धमान के कीर्तन मंडल शामिल हैं.

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लिए प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल

साहिबगंज : शनिवार को वाराणसी शहर के बीचों बीच अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में झारखंड की धमक, प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने किया राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान

वाराणसी शहर के बीचों बीच परमानंदपुर रॉयल ग्रीन गार्डन शिवपुर वाराणसी स्थित में 11 अप्रैल, 2026 को

उत्तर प्रदेश की धार्मिक स्थल काशी विश्वनाथ मंदिर के धरती पर सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी के रॉयल ग्रीन गार्डन (शिवपुर) में 'अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा' की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद की बैठक का भव्य शुभारंभ हुआ. आज कार्यक्रम के प्रथम दिन झारखंड प्रदेश की ओर से समाज की एकजुटता और संगठन के प्रति समर्पण की अनूठी मिसाल देखने को मिली.

राष्ट्रीय नेतृत्व का भव्य अभिनंदन

महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष

प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए समाज के शीर्ष नेतृत्व को सम्मानित किया. श्री मंडल ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए निम्नलिखित पदाधिकारियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह एवं फूल के गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया.वाराणसी अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में झारखंड की धमक झारखंड प्रदेश अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने किया राष्ट्रीय पदाधिकारियों का फूल के गुलदस्ता देकर अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदामा प्रसाद अकेला,नेशनल जनरल सेक्रेटरी आर. एस. कनौजिया,राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती नर्मदा वर्मा,नेशनल कन्वेनर यात्रम वेंकट रेड्डी,राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष

सदानंद पटेल,शनिवार को प्रमुख विचार और चर्चा

समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण और समाज के विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई. दिनभर चले सत्रों में प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल और अन्य वक्ताओं ने कुर्मी समाज का एकीकरण और विखंडन को रोकने जैसे ज्वलंत विषयों पर अपने विचार साझा किए. झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने जोर देकर कहा कि झारखंड का हर कुर्मी भाई समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रतिबद्ध है.वहीं राष्ट्रीय अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के महासचिव आर एस कनौजिया ने प्रेस को बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उपदेश पूरे भारत वर्ष के कन्या कुमारी से लेकर काश्मीर तक के महिलाओं को सशक्तिकरण करना हे ओर राजनीतिक जागरूक बना मेरा लक्ष्य हे कुर्मी समाज का विकास हो शिक्षा में लोग आगे बढ़े भारत के प्रधानमंत्री से लेकर उच्च राजनीतिक क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित हो कुर्मी समाज के लोग.वहीं सुमति रेड्डी,ने कहा कि समाज की गौरवगाथा और लोक संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा.

महासभा का संकल्प संगठन की मजबूती और आपसी भाईचारे से ही हम सामाजिक और राजनैतिक रूप से एक बड़ी शक्ति बन सकते हैं.यह बैठक कल 12 अप्रैल को भी जारी रहेगी, जिसमें संगठन के विस्तार और भविष्य की रणनीतियों पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी.मौके पर मौजूद भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदामा प्रसाद अकेला,नेशनल जनरल सेक्रेटरी आर. एस. कनौजिया,राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती नर्मदा वर्मा,नेशनल कन्वेनर यात्रम वेंकट रेड्डी,राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सदानंद पटेल, सुमति रेड्डी,झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष जय प्रकाश सिंह,मीडिया प्रभारी झारखंड,बिहार प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद सिंह, महासचिव कुमार संतोष,प्रोफेसर सच्चिदानंदन सिंह,अशोक कुमार सिंह, ध्रुव पटेल, झारखंड बोकारो शांति महतो, दीजिया वर्मा रायपुर,बिरवल वर्मा,लता वर्मा, छत्तीसगढ़ र कोषाध्यक्ष,अनीता वर्मा,के मेनुव माधव हैदराबाद ओर अन्य लोग मौजूद थे.

टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन रोइंग अकादमी ने इंडोर रोइंग चैम्पियनशिप 2026 में चौथा राष्ट्रीय पदक जीतकर रचा इतिहास

जमशेदपुर : टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन रोइंग अकादमी ने अपने छोटे से सफर में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए कटक में आयोजित नेशनल इंडोर रोइंग चैम्पियनशिप 2026 में अपना चौथा और अंतिम पदक जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है.इस ऐतिहासिक अभियान में नवीनतम उपलब्धि महिला रिले स्पर्धा में हासिल हुई, जहां श्रेया कुमारी, कोमल कुमारी, गौरी कुमारी साहू और अदिति यादव की टीम ने कांस्य पदक हासिल किया. टीम ने शानदार तालमेल, दृढ़ता और संकल्प का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया.यह उपलब्धि टीएसएएफ के लिए एक असाधारण अभियान के सफल समापन का प्रतीक है, जिसकी शुरुआत रोइंग में अकादमी के पहले राष्ट्रीय पदक से हुई थी और यह पूरे चैम्पियनशिप के दौरान लगातार पोडियम फिनिश के साथ जारी रही. कुल चार राष्ट्रीय पदकों के साथ, अकादमी ने राष्ट्रीय रोइंग मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है.इस सफलता को और भी खास बनाता है इसके पीछे की प्रेरणादायक

यात्रा. महज दो वर्ष पहले, टीएसएएफ रोइंग अकादमी ने सीमित संसाधनों, कम बुनियादी अवसंरचना और बिना किसी औपचारिक व्यवस्था के साथ शुरुआत की थी. अपने दृढ़ संकल्प, संसाधन जुटाने के नवाचारपूर्ण प्रयासों और स्पष्ट दृष्टिकोण के दम पर, अकादमी ने शून्य से अपनी मजबूत नींव तैयार की.अधिकांश खिलाड़ी ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं, विशेष रूप से डिमना क्षेत्र से, और उनकी सफलता जमीनी स्तर पर विकास तथा समावेशी खेल उत्कृष्टता के प्रति टीएसएएफ की प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रमाण है.

नेशनल इंडोर रोइंग चैम्पियनशिप 2026 में यह प्रदर्शन केवल पदकों की संख्या नहीं, बल्कि यह उस व्यवस्था का प्रतिबिंब है जो खिलाड़ियों के दीर्घकालिक विकास, दृढ़ता और अवसर सृजन में विश्वास करती है.चार पदकों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, टीएसएएफ रोइंग अकादमी ने भारतीय रोइंग में एक भरोसेमंद उच्च प्रदर्शन केंद्र के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम बढ़ाया है. यह उपलब्धि न केवल उसकी बढ़ती क्षमता को दर्शाती है, बल्कि आने वाले वर्षों में और भी बड़ी सफलताओं के लिए एक सशक्त आधार तैयार करती है.

चलती गाड़ी में लगी आग, बाल-बाल बचे चालक और खलासी

उत्तर दिनाजपुर : जिले के चोपड़ा के रंगागछ इलाके में एक बस में आग लगने की घटना सामने आई है. फूलबाड़ी की ओर जा रही एक चलती गाड़ी में अचानक आग लगने से राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास अफरा-तफरी मच गई. शुरुआती अनुमान के अनुसार, इस हादसे के पीछे यांत्रिक खराबी और अत्यधिक गर्मी जिम्मेदार हो सकती है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक मालवाहक वाहन राख लेकर फूलबाड़ी स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री की ओर जा रहा था. जैसे ही गाड़ी रंगागछ इलाके में उसका एक टायर फट गया. इसके तुरंत बाद इंजन के पास से आग की तेज लपटें उठने लगी. तेज धूप और आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि स्थानीय लोग चाहकर भी मदद के लिए पास नहीं जा सके.घटना की सूचना मिलने पर इस्लामपुर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची. दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. हालांकि आग में गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. पुलिस के अनुसार, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, क्योंकि चालक और खलासी समय रहते वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे.सुरक्षा के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग के फोर-लेन के एक हिस्से पर कुछ समय के लिए यातायात रोक दिया गया था, जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया. आग बुझने और स्थिति सामान्य होने के बाद यातायात फिर से शुरू किया गया.प्राथमिक जांच में पुलिस का मानना है कि टायर फटने के बाद घर्षण या शॉर्ट सर्किट के कारण यह हादसा हुआ है. फिलहाल पुलिस वाहन को जब्त कर मामले की जांच कर रही है.

मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

पाकुड़: जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार दिवाकर पांडे की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार दिवाकर पांडे प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक, अपर सत्र न्यायधीश प्रथम कुमार क्रांति प्रसाद मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीत कुमार चंद्र, डीएसपी जितेंद्र कुमार लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादार, अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी,पैनल अधिवक्ता सिद्धार्थ शंकर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की.

उक्त कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार दिवाकर पांडे ने एमएसीटी से संबंधित मामलों में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील होकर पीड़ितों के परेशानियों को समझते हुए जांच रिपोर्ट समय पर देने से लेकर सभी

कानूनी प्रक्रिया को सरल सुलभ एवं त्वरित न्याय दिलाने में अपने-अपने भूमिका को एवं दायित्व को निर्वाहन करने का निर्देश दिया ताकि पीड़ितो को मुआवजा की राशि मिलने में किसी प्रकार के समस्या ना हो. सक्षम कानूनी सहायता प्रदान करने, दुर्घटना मामलों से संबंधित अधिकारियों को कहा गया कि कानूनी सहायता के साथ आप सभी सांसारिक दायित्व भी निभा रहे हैं. एमएसीटी से संबंधित मामलों में तेजी लाने के लिए दुर्घटना रिपोर्ट समय सीमा के भीतर न्यायालय में प्रस्तुत करने समय कई कानूनी पहलुओं पर जानकारी दी.

अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार क्रांति प्रसाद ने मोटर वाहन अधिनियम के उद्देश्य, लापरवाही अवधारणा, दुर्घटना मामलों में मुआवजा का निर्धारण ,परीक्षण एवं प्रक्रिया समेत जांच अधिकारियों की भूमिका डॉक्टर एवं संबंधित अधिकारियों की भूमिका को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी.प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक ने मुकदमों से संबंधित कानूनी जानकारी दी. अधिवक्ता सिद्धार्थ शंकर ने दावा से संबंधित याचिका पर कई कानूनी बिंदु पर विस्तार पूर्वक चर्चा की. इस दौरान वक्ताओं ने एमएसीटी से संबंधित कई मुद्दों पर विस्तृत जानकारी साझा की. अधिकारी,अधिवक्तागण संबंधित अधिकारी समेत पैरा लीगल वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे.

न्यूज कॉर्नर

रजनीश को विधानसभा क्षेत्र का ऑब्जर्वर नियुक्त किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : एआईसीसी के द्वारा गया जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार को बंगाल चुनाव में रानीगंज विधानसभा क्षेत्र का ऑब्जर्वर नियुक्त किए जाने पर शनिवार को हर्ष व्यक्त किया गया.गया जिला कांग्रेस की ओर से जुगल किशोर सिंह, विधा शर्मा, अशोक प्रसाद भारती, ओंकार शक्ति, धर्मेंद्र कुमार निराला, प्रदीप शर्मा, डॉ गीता पासवान, खालिद आमीन, मोहम्मद अजहरुद्दीन, डॉ सालनि,सुनील पासवान,मदीना खातून, सुनैना रानी धीरेन्द्र सिंह, अर्जुन गुप्ता, चन्दन कुशवाहा, अनुमति देवी, बर्जेश राय सहित कांग्रेसजन ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है.

प्रभारी सांसद प्रतिनिधि बने ई. नंदलाल मांझी

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी :केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने अपने संसदीय क्षेत्र में बढ़ते कार्यभार को देखते हुए बड़ा निर्णय लिया है. उन्होंने हम पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता ई. नंदलाल मांझी को प्रभारी सांसद प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया है. इस नियुक्ति के साथ ही उन्हें क्षेत्र की जनसमस्याओं के समाधान और विकास कार्यों के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है.बताया गया कि संसदीय क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे जनसंपर्क और विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए यह फैसला लिया गया है.ई. नंदलाल मांझी अब सीधे तौर पर आम लोगों की समस्याओं को सुनेंगे और संबंधित अधिकारियों से बात करके समाधान की दिशा में काम करेंगे.पिछले साल 2025 में नंदलाल मांझी ने पार्टी से बगावत करके बोधगया सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था.जिसके बाद 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया था, लेकिन एक साल के अंदर ही उनकी घर वापसी हो गई.एक बार फिर से जीतनराम मांझी ने उन पर भरोसा जताते हुए यह उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है.इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है.दीना मांझी, विजय कुमार, विनय मांझी, व्यास मांझी, उमेश दास, संजय भारती, सुरेश मांझी, सावित्री देवी, योगेंद्र मांझी और मनोज मांझी समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है.

ज्योतिबा फुले की जयंती पर श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया गया

गयाजी : महान समाज सुधारक नारी शिक्षा के अग्रदूत ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा कार्यालय में शनिवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ उनका स्मरण किया गया.इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई.कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों और उनके योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया.इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले महान समाजसुधारक, शिक्षाविद और मानवतावादी विचारक थे, जिन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों, भेदभाव और असमानता के विरुद्ध जीवनभर संघर्ष किया.उन्होंने विशेष रूप से दलितों, पिछड़ों और महिलाओं की शिक्षा एवं अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए.महात्मा फुले का जीवन हमें समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है. उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज में समानता और जागरूकता लाने का सबसे बड़ा माध्यम है, और महात्मा फुले ने इसी दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए.उन्होंने यह भी कहा कि आज हमें उनके विचारों को अपनाते हुए समाज में समरसता, समानता और भाईचारे को मजबूत करने के लिए प्रयास करना चाहिए.

समृद्धि यात्रा में कार्यकर्ता की हुई थी बाइक की चोरी, जदयू कमेटी ने बाइक खरीद कर सौंपा

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर में स्थित जदयू जिला कार्यालय में शनिवार को जिलाध्यक्ष ई. अजय कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित समारोह में जदयू पार्टी के पदाधिकारियों के सहयोग से मोहनपुर के कार्यकर्ता राकेश चौधरी को बाइक (होंडा साइन एसपी 125) सौंपा गया.जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा ने बताया कि विगत 20 मार्च को टनकुप्पा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा कार्यक्रम में पहुंचे जदयू कार्यकर्ता राकेश चौधरी की बाइक की चोरी हो गयी थी.महादलित परिवार से आने वाले राकेश चौधरी को बाइक नहीं रहने से पार्टी के कार्य करने में काफी परेशानी होती थी.जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा कि राकेश चौधरी महादलित परिवार से आते हैं, पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं.इनको आने-जाने में काफी परेशानी होती थी.इसीलिए जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा के नेतृत्व में पार्टी के साथियों के आर्थिक सहयोग कर राकेश चौधरी को बाइक दिया गया.जदयू परिवार की ओर से नया बाइक दिये जाने से राकेश चौधरी ने खुशी जाहिर करते हुए जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा और पार्टी के साथियों को धन्यवाद दिया एवं सभी का आभार व्यक्त किया.इस अवसर पर पार्टी का नेता कुंडल वर्मा, अरुण कुमार राव, पूनम कुशवाहा, ज्योति दांगी, रिंकू कुमारी, बबन चंद्रवंशी, धनंजय शर्मा, राकेश पांडे, प्रकाशराम पटवा, मसूद खान, बृजराज पांडे, शंभू सिंह, अवधेश प्रसाद,सुलतान अहमद, पप्पू दांगी, शहजाद शाह, शंकर चौधरी, धीरेंद्र वर्मा, उपेंद्र कुशवाहा, नरेश कुशवाहा, पवन सिंह, पिंकी देवी, सहित कई नेता उपस्थित थे.

एसएसपी की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया: जिले के एसएसपी सुशील कुमार की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय, गया में शनिवार को मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया.इस गोष्ठी में नगर पुलिस अधीक्षक, गया, अपर पुलिस अधीक्षक, गया, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचल निरीक्षक, सभी थानाध्यक्ष तथा जिले के समस्त शाखा प्रभारी उपस्थित रहे.बैठक के दौरान एसएसपी द्वारा जिले के सभी थानों की बीते माह की उपलब्धियों एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई.समीक्षा के क्रम में गिरफ्तारी की प्रगति, लंबित कांडों के निष्पादन, कुर्की/वारंट/इश्तिहार के तामिला सहित अन्य महत्वपूर्ण पुलिस कार्यों का भी गहन मूल्यांकन किया गया.इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी माह के लिए आवश्यक लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने, विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित रखने हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

पांडेश्वर में जितेश कुमार का जनसंपर्क अभियान, किया विकास का वादा

आसनसोल: पश्चिम बंगाल के में चुनावी माहौल के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरीय नेता ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया.इस दौरान उन्होंने ताजपुर, हेटेडोबा, इचापुर, जमुना, तेटीखेला, जेमुआ, जब्बार पॉल, कालीगंज और अमलोला सहित विभिन्न गांवों में पहुंचकर आम मतदाताओं से मुलाकात की और भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की. जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और अपनी समस्याओं से अवगत कराया.डॉ. जितेश कुमार सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल में भी विकास की रफ्तार को तेज किया जाए. उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बना सकती है.उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे पर मतदान करें तथा भाजपा प्रत्याशी जितेंद्र तिवारी को भारी मतों से विजयी बनाएं. उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनने पर क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से काम किया जाएगा.डॉ. सिंह ने कहा कि जनता का उत्साह यह संकेत दे रहा है कि इस बार पांडेश्वर में परिवर्तन निश्चित है और भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी.इस अवसर पर आशुतोष दा, सन्नशी बाउरी, संपा नाग, जितेन मंडल, फटिक घोष, डब्लू खार्ट, फिनिश राबिदास, दिलीप रबीदास, तपन जैंता, गौतम मंडल, सुकुम हौदा, काजौल मंडल और परोटैप मजरा सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे.

हिंदुओं की चिंता कम करें मुख्यमंत्री, सिर्फ फर्जी वोटर ही हटाए गए हैं: शुभेंदु अधिकारी

जलपाईगुड़ी :पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में चुनाव प्रचार के दौरान नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विवाद पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है. शुक्रवार शाम राजगंज और जलपाईगुड़ी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित एक भव्य रोड शो के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की.एसआईआर से नाम कटने के आरोपों को खारिज करते हुए शुभ अधिकारी ने कहा:किसी वैध मतदाता का नाम नहीं कटा है. केवल मृत मतदाताओं और फर्जी वोटरों के नाम हटाए गए हैं. ये वे लोग थे जो पहले चरण में कूचबिहार में, दूसरे चरण में जलपाईगुड़ी में और तीसरे चरण में मालदा में वोट डालते थे. इस बार ऐसी 'डबल और ट्रिपल एंट्री' को पूरी तरह साफ कर दिया गया है.मुख्यमंत्री द्वारा हिंदुओं के हितों की बात किए जाने पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, वह (ममता बनर्जी) हिंदुओं के बारे में थोड़ा कम सोचें तो बेहतर होगा. जब मैं कालीघाट मंदिर जाता हूँ, तब वह रेड रोड पर जाकर नमाज पढ़ती हैं.

शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को राजगंज के भाजपा उम्मीदवार हाराधन सरकार और जलपाईगुड़ी के उम्मीदवार अनंत देव अधिकारी के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे थे.
रूट: यह रोड शो बटतला से शुरू होकर बेलाकोबा पॉलिटेक्निक कॉलेज मोड़ तक चला.जनसैलाब: हालांकि शुभ अधिकारी अपने निर्धारित समय से लगभग दो घंटे देरी से पहुंचे, लेकिन दोपहर से ही भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक उनका इंतजार कर रहे थे. रोड शो के दौरान कार्यकर्ताओं का भारी उत्साह देखने को मिला.

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, जांच शुरू

हुगली : जिले के गोघाट थाना क्षेत्र के मान्दारण इलाके के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान शेख अबू साना हुसैन के रूप में हुई है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, युवक शुक्रवार को अपने कुछ साथियों के साथ काम के सिलसिले में विष्णुपुर जाने के लिए घर से निकला था. परिवार का आरोप है कि इसके बाद से ही उसका संपर्क टूट गया और काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका.शनिवार को जयपुर जंगल के पास एक नहर से उसका शव बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया.

24 घंटे में दो सड़क दुर्घटनाओं में तीन की मौत, दो घायल

पतना : बरहरवा रांगा थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग भीषण सड़क दुर्घटनाओं ने सनसनी फैला दी. इन हादसों में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है.
पहली घटना ट्रैक्टर-बाइक टक्कर में युवक की मौत.
पहली घटना शुक्रवार देर रात रांगा थाना क्षेत्र के पतना चौक पर हुई, जहां ट्रैक्टर और बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई. हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया.
मृतक की पहचान बरहेट थाना क्षेत्र के सिमड़ा निवासी मोजिबुल अंसारी,पिता महामुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है. वहीं घायल युवक की पहचान अजीजुल अंसारी,पिता एजामुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है.घटना के बाद रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को आनन-फानन में बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मोजिबुल अंसारी को मृत घोषित कर दिया. घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया.परिजनों ने बताया कि मोजिबुल अंसारी अपने दोस्त को कोलकाता जाने वाली ट्रेन में छोड़ने के

लिए बरहरवा स्टेशन आए थे. चाय पीने के बाद वे बाइक से घर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टक्कर हो गई. मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा छह वर्षीय पुत्र और तीन वर्षीय पुत्री हैं.
दूसरी घटना जुगाड़ वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत.
दूसरी घटना शनिवार सुबह रांगा थाना क्षेत्र के दिघी चौक के समीप हुई. यहां जुगाड़ वाहन (भूटभूटिया) की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया.
जानकारी के अनुसार तीनों युवक हीरो स्प्लेंडर बाइक से उधवा से बरहरवा की ओर आ रहे थे. इसी दौरान बरहरवा से उधवा जा रही जुगाड़ गाड़ी से आमने-सामने टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए.मृतकों की पहचान धोबीपोखर निवासी करीम शेख 20 वर्ष पिता हसन खान और कलीम शेख के रूप में हुई है. बताया गया कि करीम शेख की नौ दिन पूर्व ही शादी हुई थी. वहीं कलीम शेख उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और कहारपाड़ा निवासी उमर शेख का दामाद था, जो शादी समारोह में शामिल होने आया था.घायल युवक की पहचान नईम शेख 21 वर्ष पिता उमर शेख, कहारपाड़ा, बरहरवा के रूप में हुई है.घटना की सूचना मिलते ही रांगा एवं बरहरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. अभय चौधरी ने दो को मृत घोषित कर दिया. घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल भेज दिया है.
अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल
घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाए. उनका आरोप है कि घायल युवक के सिर से खून बह रहा था, लेकिन समय पर उचित उपचार नहीं किया गया और जल्दबाजी में रेफर कर दिया गया.परिजनों का कहना है कि एम्बुलेंस मांगने पर उन्हें 108 पर फोन करने को कहा गया, लेकिन 20 मिनट तक होल्ड में रखने के बावजूद एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई. बाद में प्राइवेट एम्बुलेंस की व्यवस्था करने को कहा गया.परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल परिसर में एम्बुलेंस खड़ी होने के बावजूद उनका उपयोग नहीं किया गया, जो स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है. उन्होंने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है.

कांग्रेस प्रत्यासी रवि यादव ने घोषणापत्र पर विस्तार से खुलासा किया

कुल्टी : कुल्टी से कांग्रेस प्रत्यासी रवि यादव ने नामांकन के दस दिन बाद बराकर के एक निजी हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में अपने घोषणापत्र का विस्तार से खुलासा किया. पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा,यह हमारा संकल्प नहीं, बल्कि कुल्टी को ईमानदार, सुरक्षित और विकसित बनाने का आंदोलन है.यादव ने वादा किया कि विधायक बनने पर वे 'कुल्टी विकास ट्रस्ट' गठित करेंगे. इसमें कहा,जब तक कुल्टी के युवाओं को रोजगार न मिल जाए, तब तक मैं अपनी विधायक सैलरी, भत्ता और आय ट्रस्ट में समर्पित कर दूंगा. ट्रस्ट में हर समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे, लेकिन मेरा कोई परिवारजन नहीं. उन्होंने भूखमरी रोकने का संकल्प लेते हुए कुल्टी के विकास को सुनियोजित ढंग से करने की बात कही.प्रमुख वादों में शामिल हैं-हर प्रमुख स्थान पर सीसीटीवी कैमरा, भीड़-भाड़ वाले बाजारों में ओवरब्रिज, अस्पतालों का उन्नयन, शिक्षा पर कड़ी निगरानी (मिड-डे मील सहित), नए स्कूल-कॉलेज, डिजिटल हिंदी-उर्दू स्कूल, मुफ्त कंप्यूटर ट्रेनिंग. कुल्टी स्टील प्लांट का पुनर्जीवन, बड़ी कंपनियों को आमंत्रित करना, सीएसआर फंड का सही उपयोग, मूलभूत सुविधाओं के लिए एएमसी पर दबाव, विशाल सब्जी मंडी (होलसेल), धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, हरिद्वार-वाराणसी शैली पर दामोदर नदी का विकास और पार्क निर्माण.इसके अलावा, जनसमस्याओं के लिए हमेशा खुला कार्यालय, भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी-करप्शन हेल्पलाइन (शिकायत पर 7 दिनों में कार्रवाई), प्राइवेट स्कूलों में 25% सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित और युवाओं को स्वरोजगार शुरू करने में सहायता. अंत में उन्होंने जोर देकर कहा, कुल्टी बदलने का समय आ गया है. यह सिर्फ घोषणा-पत्र नहीं, एक आंदोलन है.वार्ता में वरीय नेता हराधन मंडल, जाकिर हुसैन, राजेश्वर शर्मा, मनीष सहित अन्य उपस्थित रहे.

सोनजोड़ी में स्क्रीनिंग कैंप का हुआ आयोजन

पाकुड़: स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख स्वास्थ्य एवं गैर-संचारी रोग से संबंधित स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सोनजोड़ी, एवं ओल्ड एज होम, सोनजोड़ी, में किया गया. इस शिविर का संचालन स्वास्थ्य विभाग की जिला एनसीडी टीम के तत्वावधान में किया गया, जिसमें डॉक्टर रविश कुमार सिंह, डॉक्टर शारुख अकबर, डॉक्टर साना गौहर एवं उनकी टीम द्वारा सक्रिय भागीदारी निभाई गई. उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सोनजोरी में कुल 68 बच्चों का स्वास्थ्य स्क्रीनिंग किया गया,

सीयूएसबी में फुटसल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन

युवा शक्ति न्यूज
टेकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मिल्खा सिंह खेल परिसर में एक अत्यंत रोमांचक फुटसल प्रतियोगिता का सफल आयोजन संपन्न हुआ.
कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज ने स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज को पराजित कर शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया.
यह टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा का मंच प्रदान करने के साथ - साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के बीच सहयोग, टीम भावना एवं आपसी समन्वय को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो वेंकटेश सिंह, भौतिकि विभाग, सीयूएसबी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया.
प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का प्रदर्शन अत्यंत उत्कृष्ट रहा जिसे सबने सराहा.राम कृष्ण यादव को स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज की ओर से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, जबकि शिबिन लाल एवं सूरज सिरका को स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया.
इस सफल आयोजन में विश्वविद्यालय की खेल एवं खेलकूद समिति एवं फुटबॉल क्लब की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही.
विशेष रूप से समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार के प्रभावी नेतृत्व एवं दूरदर्शिता, सचिव डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह के उत्कृष्ट समन्वय, सक्रिय प्रबंधन एवं समर्पण, तथा फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष डॉ. रिकिल चिरमांग के सहयोग, मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक योगदान ने इस आयोजन को सफल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई.इनके संयुक्त नेतृत्व में कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से संपन्न हुआ.
आयोजन को सफल बनाने में अभिमन्यु यादव, पीयूष प्रियदर्शी, नित्यानंद कुमार एवं अभिषेक कुमार का विशेष सहयोग रहा, जिनके प्रति आभार व्यक्त किया गया.

बेगूसराय में खुदाई के दौरान बम विस्फोट तीन पुलिसकर्मी चोटिल

बेगूसराय(युवा शक्ति) : दरभंगा में 8 दिन पहले हुये 2 करोड़ की ज्वेलरी लूट मामले में शनिवार को पुलिस नावकोठी थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव में छापामारी करने संजीव सिंह के घर पर गई थी. इस छापामारी में खुदाई करने के दौरान बम विस्फोट हुआ. इसमें एसआई विपिन कुमार ओझा, गुड़िया कुमारी और एसटीएफ मृत्युंजय कुमार मामूली चोटिल हुये. जिन्हें पास के नावकोठी पीएससी में ईलाज कर छोड़ दिया गया. इस संबंध में पूछने पर बेगूसराय के एसपी मनीष ने बताया कि कोई बड़ी घटना पुलिस के साथ नहीं घटी है. इस छापामारी के दौरान पुलिसकर्मी हमारे मामूली चोटिल हुये थे. जिन्हें दवा देकर छोड़ दिया गया है. घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भेजा गया है, जो इस, घटना की जांच कर रही है.

भाजपा पंचायत सदस्य के घर पर बमबाजी, आरोप तृणमूल पर

कूचबिहार : जिले के दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के चांदमारी इलाके में बीती रात बम धमाकों से हड़कंप मच गया. आरोप है कि बीजेपी के ग्राम पंचायत सदस्य महेश्वर बर्मन के घर पर बदमाशों ने हमला किया. इतना ही नहीं, रात करीब तीन बजे दोबारा बमबाजी और लूटपाट की घटना हुई. घटना के विरोध में शनिवार को बीजेपी नेताओं ने कोतवाली थाने में प्रदर्शन किया और बदमशों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की. बाद में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात भी किया.जानकारी के मुताबिक, चांदमारी इलाके में बीजेपी उम्मीदवार रथींद्रनाथ बसु का चुनावी कार्यक्रम तय था, जिसकी शुरुआत पीड़ित के घर से होनी थी. इससे पहले ही हुए हमले को बीजेपी ने सुनियोजित बताया है. रथींद्रनाथ बसु ने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि तृणमूल डर के कारण उनके कार्यकर्ताओं पर हमला कर रही है और पुलिस निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रही.वहीं, तृणमूल कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और उम्मीदवार अभिजीत दे भौमिक ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक ड्रामा बताया. उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से साजिश के तहत रचा गया मामला है और बीजेपी सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही है.फिलहाल इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच जारी है. चुनावी माहौल में इस तरह की घटनाओं से आम लोगों में डर का माहौल बनता जा रहा है.

पीठासीन पदाधिकारी भूअर्जन पुर्नवासन एवं पुनव्वस्थापन प्राधिकार के अधिकारी को दी गई विदाई

युवा शक्ति न्यूज
गया : पीठासीन पदाधिकारी भूअर्जन पुर्नवासन एवं पुनव्वस्थापन प्राधिकार गया के डॉ0 रमेश चंद्र द्विवेदी
के सेवा निवृति के अवसर पर शनिवार को विदाई समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई.जिसमें ज़िला जन सम्पर्क पदाधिकारी गया दीपक चंद्र देव, प्रशासी पदाधिकारी धनंजय कुमार, नाजिर देवदत प्रशाद देव, आशुलिपिक पंकज कुमार, पेशकार आदित्य कुमार, लिपिक गौतम कुमार, ज़िला जन सम्पर्क कार्यालय के लिपिक रघुबंश मणि, कार्यपालक सहायक सफीना बानो, कार्यालय कर्मी मिंटू अहमद सहित अन्य कर्मी उपस्थित हुए.ज़िला जन सम्पर्क पदाधिकारी ने डॉ0 रमेश चंद्र द्विवेदी को सफल, स्वचछ तरीके से सेवा निवृति के उपलक्ष्य में शुभकामना देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की.उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सभी कर्मियों द्वारा उनके उज्वल भविष्य की कामना की.
विदित हो कि डॉ0 रमेश चंद्र द्विवेदी, पीठासीन पदाधिकारी भूअर्जन पुर्नवासन एवं पुनव्वस्थापन प्राधिकार गया 11 अप्रैल 2023 को भूअर्जन पुर्नवासन एवं पुनव्वस्थापन प्राधिकार के रूप में योगदान दिए थे. इसके पूर्व वह न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए थे, जिसके पश्चात भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग बिहार सरकार द्वारा अगले तीन वर्षों के लिए गया जिले में भू अर्जन पुनर्वासन प्राधिकार के रूप में नियुक्त हुए थे. जिनकी सेवा अवधि आज पूर्ण हो गयी.इनका कार्यकाल काफी सुखद रहा है.ये मगध प्रमंडल के सभी पांच जिलों यथा गया औरंगाबाद नवादा जहानाबाद अरवल के भूमि संबंधित वादों का सुनवाई करते थे.इनके द्वारा 1700 से अधिक मामलों का निष्पादन किया जा चुका है.भू अर्जन पुनर्वास एवं पूर्ण व्यवस्थापन प्राधिकार में मुख्य रूप से वैसे मामले आते हैं जो जिला भू वर्जन कार्यालय में भूमि संबंधित वार्ड का निपटारा नहीं होने के पश्चात उनके कैसे सीधे प्राधिकार में भेजा जाता है, जिनकी सुनवाई इनके माध्यम से की जाती है.

कांग्रेस के नये जिला अध्यक्ष गरीब दास ने किया पदभार ग्रहण

बेगूसराय (युवा शक्ति) : बेगूसराय जिला कांग्रेस के नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने कांग्रेस भवन में शनिवार को आयोजित ऐतिहासिक एवं जनसैलाब से भरे पदभार ग्रहण समारोह में अपना पदभार ग्रहण किया. कार्यक्रम में उमड़ी भारी भीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिले में अब कांग्रेस का पुराना दिन फिर लौटने वाली है तथा जनता बदलाव के लिये तैयार है और अब जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष होगा.पदभार ग्रहण करते ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष गरीब दास ने कार्यक्रम को संबोधित कर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुये अपने तेवर साफ करते हुये कहा कि यह पद कोई सम्मान नहीं, बल्कि जनता के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने की अहम जिम्मेदारी है. जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध,बेरोजगारी, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था, चरमराई शिक्षा प्रणाली और बेलगाम महंगाई के खिलाफ सड़क से सदन तक जोरदार संघर्ष किया जायेगा.उन्होंने कहा कि संगठन सृजन के माध्यम से संगठन में महिलाओं, युवाओं तथा समाज के अंतिम पंक्ति में शामिल लोगों को उचित सम्मान व भागीदारी सुनिश्चित कर जिला से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत और धारदार बनाना हमारी पहली प्राथमिकता है. इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ताओं से कहा कि बेगूसराय जिला कांग्रेस पार्टी का गढ़ कहलाने वाली जिला रही है तथा आने वाला समय कांग्रेस का है. निवर्तमान जिला अध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन ने कहा कि मुझे

खुशी है कि कांग्रेस आलाकमान ने नये जिला अध्यक्ष के रूप में दिग्गज कांग्रेसी नेता रहे पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद स्वर्गीय रामदेव बाबू के पुत्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गरीब दास के रुप में हम सबों के बीच भेजी है.गरीब दास वैसे कांग्रेसी परिवार से ताल्लुक रखते हैं जो अपने निजी जमीन में नेहरू-गांधी परिवार के दिवंगत महापुरुष का प्रतिमा स्थापित कर ज्योति जलाई जाती है जो दिल्ली के बाद बिहार के सेहिलोरी गांव ही है जहां एक ही परिसर में सभी महापुरुष का ज्योति जलने का नसीब प्राप्त कांग्रेस पार्टी को रही है. इतना ही नहीं गांधी-नेहरू परिवार के सदस्यों के नाम पर कई स्कूल एवं कॉलेज भी खोली गई है. हमलोग गरीब दास के साथ कदम से कदम मिलाकर पूरे जिला में पूर्व की भांति कांग्रेस पार्टी के संगठन को मजबूत एवं प्रभावी बनाने में हमेशा योगदान देते रहूंगा.अंत में नव नियुक्त जिला अध्यक्ष ने सभी समर्थकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है,आने वाले समय में जिले की सड़कों पर अब जनसैलाब उतरेगा. कांग्रेस पार्टी जनसमस्याओं को लेकर चुप बैठने वाली नहीं है और हर अन्याय का जवाब दिया जायेगा.कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन व संचालन उपाध्यक्ष रामविलास सिंह ने किया. कार्यक्रम सभा को एमएलसी राजीव कुमार, मुखिया अवनीश कुमार सिंह, रजनीकांत पाठक,नीरज कुमार सिंह, निशांत सिंह, हारून रशीद, ब्रजेश कुमार प्रिंस,राम स्वार्थ साह,रामचंद्र सिंह,संजय सिंह,नारायण सिंह, मिथलेश झा,केडी हिमांशु,मो. तारिक,ब्रज किशोर सिंह, श्रीकांत राय,असगर इमाम,रेणु देवी,गायत्री देवी, संजय सिंह,राजदेव पासवान, लखन पासवान, बालेश्वर महतो, कृष्ण कुमार राय,नरेश सिंह, प्रिंस राम, श्याम नंदन महतो, राजेश कुमार, रामाशीष सहनी, मितेश कुमार पाठक, कृष्ण प्रकाश भगवान दास, राजीव पोद्दार, यशवंत चौधरी,संजय चौधरी, सुरेश राय,अनिल महतो, बलवंत सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संबोधित किया.